शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वाल्मीकि घोटाले के बाद कर्नाटक में एक और घोटाला? @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 25 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-206

बंदरगाह कूटनीति में भारत ने दिया चीन को करारा झटका

बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाह का संचालन भारत के जिम्मे

चीन के बजाय भारत पर विश्वास करते हैं पड़ोसी देश

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत ने बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाह के संचालन का ठेका हासिल कर लिया है। भारत ने चीन को करारी पटखनी दी, क्योंकि इस बंदरगाह को कब्जे में लेने के लिए चीन लगातार प्रयास कर रहा था। इस कामयाबी से हिंद महासागर में भारत का दबदबा बढ़ा है। नौवहन क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि मोंगला भारत के लिए बड़ा अवसर है, जिसे हासिल कर वह हिंद महासागर के तटीय क्षेत्रों के लिए एक समान बंदरगाह भागीदार के रूप में अपनी विश्वसनीयता स्थापित कर सकता

है।हिंद महासागर में लंबे वक्त से चले आ रहे बंदरगाह युद्ध में भारत ने चीन को रणनीतिक तौर पर धराशायी कर दिया है। बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाहर का संचालन आधिकारिक रूप से अपने हाथ में लेकर भारत ने यह दिखाया है कि पड़ोसी देश चीन के मुकाबले भारत पर अधिक विश्वास करते हैं। भारत की यह रणनीतिक जीत समुद्र के क्षेत्र में चीन की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं को एक कड़ी टक्कर माना जा रहा है। चीनी कंपनियों ने हाल के कुछ वर्षों में हिंद महासागर क्षेत्र में कई बंदरगाहों के निर्माण या उनमें निवेश करने के लिए सौदे किए हैं। भारत का भी पूरा प्रयास था कि इस क्षेत्र में वह चीन को परास्त करे, और इसमें भारत की कूटनीति सफल रही है।

चीन के सरकारी मुखपत्र साउथ चाइना पोस्ट ने इस विषय में एक लंबी रिपोर्ट प्रकाशित करके इसे समुद्र में भारत की चीन को कड़ी टक्कर माना है।

▶10पर

बांग्लादेशियों को देंगे शरण: ममता के बयान पर बवाल

बांग्लादेश ने भारत को लिखा विरोध-पत्र

भारत-बांग्लादेश के संबंधों पर असर डालने वाला बयान

ढाका, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बांग्लादेशियों को शरण देने के बयान पर बांग्लादेश ने कड़ी आपत्ति जताई है। बांग्लादेश ने ममता बनर्जी के बयान को भ्रम पैदा करने वाला और पारस्परिक संबंधों पर नकारात्मक असर डालने वाला बताया है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस सिलसिले में विरोध पत्र लिखा है।

बांग्लादेश की शेख हसीना शेख हसीना सरकार में विदेश मंत्री हसन महमूद ने इस

मामले पर कहा, हमारे नजदीकी संबंधों वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के प्रति पूरा सम्मान रखते हुए हम यह साफ करना चाहते हैं कि उनके बयान में भ्रम और तिक्तता की बहुत गुंजाइश है। इसलिए, हमने ममता बनर्जी के बयान के खिलाफ भारत सरकार को एक नोट दिया है। बांग्लादेश सरकार ने भारतीय विदेश मंत्रालय को इस संबंध में एक नोट भी भेजा है। इसमें ममता बनर्जी के बयान पर विरोध जताया गया है।

उल्लेखनीय है कि ममता बनर्जी ने हाल ही में एक रैली में कहा था कि अगर बांग्लादेश से लोग शरण लेने पश्चिम बंगाल में आते हैं तो जरूर वह उन्हें शरण देंगी। उन्होंने कहा था, बांग्लादेश के मामलों पर मुझे कुछ नहीं बोलना चाहिए क्योंकि यह एक देश है और इस मुद्दे पर जो कुछ भी कहा जाना चाहिए वह केंद्र सरकार का विषय है। लेकिन मैं आपको यह बता सकती हूं कि अगर लोग हमारा दरवाजा खटखटाते हैं, ▶10पर

कांवड़ मार्गों पर मीट की बिक्री पूरी तरह बंद

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में खाने वाली दुकानों के बाहर मालिक का नाम लिखे जाने का मामला अभी शांत नहीं हुआ है। सुप्रीम कोर्ट में इस मसले पर 26 जुलाई को सुनवाई होनी है। उधर, जयपुर नगर निगम ने एक आदेश जारी कर कहा है कि प्रत्येक मीट की दुकान के बाहर स्पष्ट रूप से लिखना होगा कि दुकान में हलाल मीट मिलता है या झटका मीट। इस अलावा कांवड़ मार्गों पर मीट की बिक्री पूरी तरह बंद कर दी गई है। अब मीट की दुकान का लाइसेंस केवल कमर्शियल लाइसेंस के आधार पर मिलेगा।

जयपुर नगर निगम ने अपने आदेश में खुले में मीट बेचने पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। इसके अलावा यह भी साफ कहा है कि शहर में मीट की दुकानों के लिए लाइसेंस लेना होगा और केवल कमर्शियल जमीन पर ही मीट की दुकानें खोली जा सकेंगी। जो इस आदेश का पालन नहीं करेगा उसके विरुद्ध कड़ी ▶10पर

दिल्ली सीमा खोलने के हाईकोर्ट के आदेश पर रोक

अभी नहीं खुलेगा शंभू बॉर्डर : सुप्रीम कोर्ट

किसानों की मांगों पर विचार के लिए गठित होगी समिति

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू बॉर्डर को अभी बंद ही रखने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि किसान जेसीबी लेकर प्रदर्शन करने नहीं आ सकते। कोर्ट ने कहा है कि वह अब एक कमेटी बनाएगा जो

किसानों और सरकार, दोनों का पक्ष सुनेगी।

शंभू बॉर्डर से बैरिकेड हटाने को लेकर हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कई महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह कुछ प्रबुद्ध जनों की एक कमेटी बनाएगा जो इस मसले का हल निकालेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पंजाब और हरियाणा इस कमेटी के लिए नाम सुझा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने तब तक शंभू बॉर्डर को बंद रखने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इसके बाद ही पंजाब और हरियाणा आपस में बातचीत करके बैरिकेड्स हटाने पर काम करेंगे और चरणबद्ध तरीके से उन्हें हटाएंगे। तब तक दोनों राज्य यथास्थिति बनाए रखें। सुप्रीम कोर्ट में किसान और बैरिकेड के मामले की सुनवाई के दौरान प्रदर्शन के तरीके पर पर भी टिप्पणी की गई। सरकार की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि किसान प्रदर्शन के नाम पर टैंक ▶10पर

किसानों को भड़काने में लगे राहुल गांधी, हवा दे रही आपा

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी किसानों को भड़काने में लगे हैं। शंभू बॉर्डर पर धरना पर बैठे किसानों को राहुल ने संसद भवन में मिलने के लिए बुलाया। राहुल किसानों की भीड़ को संसद बुलाने की जिद पर अड़े थे। सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन ऐसा करने से मना कर रहा था। आखिरकार धरनार्थी किसानों का 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल संसद भवन आकर राहुल गांधी से मिला। मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा, हमने अपने घोषणापत्र में कानूनी गारंटी के साथ एमएसपी का ▶10पर

पेपर लीक के खिलाश नीतीश सरकार की सार्थक पहल

बिहार विधानसभा से एंटी पेपर लीक विधेयक पास

विपक्ष : पेपर लीक का भी विरोध, कानून का भी विरोध

पटना, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

पेपर लीक मसले पर इंडी गठबंधन के नेता लोकसभा में लगातार रायता फैला रहे हैं, लेकिन बिहार सरकार ने इसी दरम्यान एक सकारात्मक कदम उठाया। बिहार विधानसभा में एंटी पेपर लीक विधेयक पास हो गया। इसके पहले उत्तर प्रदेश

केंद्र सरकार ने भी बनाया है कानून

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

इससे पहले पेपर लीक पर लगाम लगाने के लिए हाल ही में केंद्र सरकार ने भी देश में एंटी पेपर लीक कानून लागू कर दिया है। इस कानून को लोक परीक्षा कानून 2024 यानी पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट 2024 नाम दिया गया है। पेपर लीक के दोषियों को तीन साल से 10 साल तक की सजा और 10 लाख से एक करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान है। योगी सरकार ने भी हाल ही में उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश 2024 लाने को मंजूरी दे दी थी। ▶10पर

सरकार भी यह कानून यूपी में लागू कर चुकी है। बिहार में यह कानून पास होने के बाद अब वहां भी पेपर लीक केस में शामिल आरोपियों पर गैर जमानती धाराएं लगाई जाएंगी। इतना ही नहीं, तीन से 10 साल तक की सजा और 10 लाख से एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगेगा। यह कानून बिहार सरकार की ओर से ली जाने वाली सारी परीक्षाओं पर लागू होगा। बिहार सरकार पेपर लीक को संज्ञेय अपराध घोषित करने जा रही है। विडंबना यह है कि पेपर लीक का विरोध करने वाले विपक्षी नेता पेपर लीक रोकने वाला कानून लाए जाने का भी विरोध कर रहे हैं।

सदन में बिहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा करते हुए कहा कि परीक्षा में गड़बड़ी को रोकने के लिए सख्त कानून बनने जा रहा है। नीट की परीक्षा में जो धांधली हुई है, केंद्र सरकार ने ▶10पर

भेदभाव के आरोप पर विपक्ष का प्रदर्शन

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

आम बजट को लेकर विपक्षी गठबंधन ने आशा के अनुरूप आचरण किया। कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी सदस्यों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और कांग्रेस शासित राज्यों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। विपक्ष ने बजट को भेदभावपूर्ण बताया।

विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनके पीछे-पीछे अखिलेश यादव समेत इंडी गठबंधन के नेता सांसद चल रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, यह अन्याय है। हम इसका विरोध करेंगे। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, यह बजट भारत सरकार के बजट जैसा नहीं लगता। इस बजट में संघीय ढांचे को तोड़ा गया है। विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्य बजट से गायब हैं। यह सरकारी बजट नहीं बल्कि सरकार बचाओ बजट है।

▶10पर

मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर, घायल फौजी शहीद

जम्मू 24 जुलाई (ब्यूरो)।

लोलाब कुपवाड़ा में गोलीबारी के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए सेना के एक गैर-कमीशन अधिकारी ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी के दौरान घायल हुए सेना के एनसीओ ने दम तोड़ दिया। इस मुठभेड़ में एक आतंकी भी मारा गया है।

कोवुत के सामान्य क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष जानकारी के आधार पर पुलिस और सेना की एक संयुक्त टीम ने कल घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। आज सुबह वहां छिपे हुए आतंकवादियों से सुरक्षाबलों की मुठभेड़ हो गई। गोलीबारी में जख्मी हुए एनसी अफसर दिलावर सिंह ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। एनकाउंटर में सेना ने एक आतंकी को मार गिराया है। इससे पहले मंगलवार को पुंछ में हुए एनकाउंटर में लांस नायक

सुभाष कुमार शहीद हो गए थे।

जुलाई 2024 में अब तक जम्मू-कश्मीर में 8 बड़े आतंकी हमले हुए हैं। इनमें कुल 13 जवान शहीद हुए, जबकि सुरक्षाकर्मियों ने 12 आतंकियों को मारा गिराया। उधर, पंजाब के पठानकोट में एक बार फिर से 7 संदिग्ध आतंकवादी देखे गए हैं। एक महिला की सूचना के बाद पंजाब पुलिस तथा बीएसएफ ने बुधवार को छह घंटे तक तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। दो माह में यह तीसरा मौका है, जब भारत-पाकिस्तान सीमा पर संदिग्धों को देखा गया है। ▶10पर

त्रिभुवन हवाई अड्डे पर विमान क्रैश, 18 की मौत

काठमांडू, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह उड़ान भरने के दौरान एक निजी एयरलाइन कंपनी सौर्य एयरलाइंस का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 19 लोग सवार थे। इनमें 18 लोगों की मौत हो गई। विमान पोखरा जा रहा था। हवाई अड्डे पर तैनात एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि विमान के पायलट को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया है।

पोखरा जाने वाला सौर्य एयरलाइंस का विमान (9 एन- एएमई सीआरजे 200) उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। नीचे गिरते ही विमान में आग लग गई और देखते देखते सब कुछ नष्ट हो गया। विमान में चालक दल के सदस्यों सहित 19 लोग सवार थे। जहाज के कैप्टन एमआर शाक्य को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे से लाशें निकाली जा रही हैं। पुलिस और

दमकलकर्मी दुर्घटना स्थल पर बचाव अभियान चला रहे हैं। हादसे के बाद काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एहतियातन बंद कर दिया गया है। बीते साल भी नेपाल ने एक विमान हादसे में 72 लोगों की मौत हो गई थी। साल 2023 में यति एयरलाइंस का विमान नेपाल में हादसे का शिकार हो गया था। यति एयरलाइंस के हादसे में जान गंवाने वालों में पांच भारतीय भी शामिल थे। जांच में पता चला था कि यति एयरलाइंस का हादसा पायलट की गलती से हुआ था, जब विमान के पायलट ने गलती से पावर कट कर दिया था, जिससे विमान हादसे का शिकार हो गया।

जम्मू कश्मीर में आतंकी लिंक वाले 4 कर्मचारी बर्खास्त

श्रीनगर, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर में आतंकियों की मदद करने वाले और उनके लिए हथियार-पैसा जुटाने वाले 4 कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। नौकरी से निकाले जाने वाले कर्मचारियों में से 2 पुलिसकर्मी हैं। सरकार इससे पहले भी दर्जनों कर्मचारियों पर कार्रवाई कर चुकी हैं।

सरकार ने दो पुलिसकर्मी, एक शिक्षा विभाग के कर्मचारी और एक पंचायती राज कर्मचारी को नौकरी से बाहर किया है। सुरक्षा एजेंसियों को इनकी गतिविधियों पर शंका हुई थी और वह इनके खिलाफ जांच कर रही थी। इनके नौकरी के नियमों का उल्लंघन करने पर बर्खास्त कर दिया गया। बर्खास्त किए गए कर्मचारियों का नाम इम्तियाज अहमद लोन, बाजिल अहमद मीर, मुश्ताक अहमद पीर और जैद शाह

वर्ष 2021 से अब तक 60 पर हुई कार्रवाई

हैं। इनमें से कुछ आतंकियों को हथियार और संसाधन मुहैया करवा रहे थे जबकि बाकी पाकिस्तान के ड्रग तस्करों के साथ मिलकर कश्मीर में नशा फैलाने में जुटे थे।

यह पाकिस्तान के रास्ते आई ड्रग्स को कश्मीर में फैलाते थे और उससे मिले पैसे को आतंक के लिए देते थे। अब इनको जम्मू कश्मीर सरकार की नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 71,460/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 87,190/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 21^0

इस साल के शुरुआती 6 महीने में कश्मीर आए एक करोड़ पर्यटक

देशवासियों का पसंदीदा पर्यटन स्थल बना कश्मीर

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 24 जुलाई।

कश्मीर की बल्ले-बल्ले है पर्यटन के मोर्चे पर। क्योंकि पर्यटकों के आने संख्या ने सभी रिकार्ड तोड़ डाले हैं। वर्ष 2024 के पहले 6 महीने में एक करोड़ पर्यटक कश्मीर आए। इससे सभी कश्मीरियों की बांछें खिल गई हैं। आधिकारिक तौर पर बताया गया कि इस साल जून तक एक करोड़ से अधिक पर्यटक जम्मू-कश्मीर आए। कश्मीर के लोगों के साथ-साथ केंद्र सरकार भी इसे लेकर उत्साहित है। केंद्र सरकार ने लोकसभा में बताया कि

कश्मीर के लोग भी पर्यटकों की आमद से प्रसन्न

जम्मू कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सांसद दिनेश शर्मा के सवाल का जवाब देते हुए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू कश्मीर में पर्यटन क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 में 34,70,834 पर्यटक जम्मू-कश्मीर आए थे। वर्ष 2021 में कश्मीर आने वाले पर्यटकों की संख्या 1,13,14,884 पहुंच गई। वर्ष 2022 में पर्यटकों की संख्या बढ़ कर 1,88,64,332 हुई और वर्ष 2023 में यह संख्या बढ़ कर 2,11,24,874 पहुंच गई। इस साल जून तक 1,08,41,009 पर्यटक कश्मीर आए। साल पूरा होने तक पर्यटकों की होने वाली आमद पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी। ▶10पर

कश्मीर में खूब हो रही फिल्मों की शूटिंग

कश्मीर में पर्यटकों के साथ-साथ फिल्मी अभिनेताओं की आमद भी खूब हो रही है। पिछले दिनों कई फिल्मों की शूटिंग हुई। अभी भी श्रीनगर में द लास्ट कैंडिडेट की शूटिंग चल रही है। प्रसिद्ध अभिनेता किरण कुमार अभिनीत यह फिल्म पहले से ही स्थानीय फिल्म प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। किरण कुमार ने ने कहा, कश्मीर अद्भुत सुंदरता वाला प्रदेश है। मैं इस जगह के जादू से मंत्रमुग्ध हूं। वाज़वान और यहां की मेहमाननवाजी कुछ ऐसी है जो दिल को गहराई से छूती है। जिस फिल्म की शूटिंग चल रही है, वह कश्मीरियों की सादगी पर आधारित है।

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तेरापंथ किशोर मंडल विजयनगर सेवा संस्कार संगठन में श्रेष्ठ किशोर मंडल से सम्मानित

अभिभावकों को अपने किशोरों को व्यक्तित्व विकास के लिए किशोर मंडल से जोड़ना चाहिए : साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा सूरत में आयोजित 19वें तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में तेरापंथ किशोर मंडल विजयनगर को सेवा संस्कार संगठन में पूरे भारत में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर मंगलवार को तेरापंथ सभा भवन विजयनगर में किशोर मंडल की प्रस्तुति के लिए आयोजित कार्यक्रम में साध्वी सिद्ध प्रभा जी ने कहा कि तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर के मार्ग दर्शन में आध्यात्मिक कार्यों के साथ साथ रचनात्मक कार्यों में भागीदारी से किशोरों का अच्छा विकास हो रहा है। अभिभावकों को अपने बच्चों को किशोर मंडल से जोड़ना चाहिए। इस अवसर पर साध्वी मलय यशा जी, साध्वी आस्था प्रभा जी, साध्वी दीक्षा प्रभा जी ने गीतिका का संगान किया। तेयुप अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने किशोर मंडल को सक्रिय करने एवं श्रेष्ठ स्थान पर पहुंचने के लिए निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा, कमलेश चोपड़ा, प्रभारी विकास बांठिया, प्रबंध मंडल, किशोर मंडल टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए, नए लक्ष्यों के लिए और अधिक श्रम का आह्वान किया। तेयुप विजयनगर के निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने कहा कि यह सम्मान समस्त परिषद्, पूर्व अध्यक्षों, प्रभारी विकास बांठिया, सह प्रभारी हेमंत पटावरी, किशोर मंडल संयोजक नमन चावत, विशाल श्यामसुखा, सह संयोजक दर्शन बाबेल, चेतन गांधी एवं पूरी किशोर मंडल टीम द्वारा कृत कार्यों के लिए प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय प्रभारी अरविंद पोखरणा ने टीकेएम विजयनगर को सर्वश्रेष्ठ बनने का आह्वान किया। अधिवेशन में प्राप्त किशोर मंडल पर विशेष कृपा के लिए गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमण जी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, उपाध्यक्ष विकास बांठिया, किशोर मंडल प्रभारी अमित दक, सह प्रभारी विशाल श्यामसुखा, संयोजक हर्ष मांडोत, सह संयोजक दर्शन बाबेल ने उदगार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रबंध मंडल से अशोक मारू, पवन बैद, कमलेश दक, पंकज कोचर, पूर्व अध्यक्ष राकेश दुधोडिया, राजेश चावत, महेंद्र टेबा, अभिषेक कावड़िया, श्रेयांस गोलछा की उपस्थिति रही।

अभिनव स्टॉल स्थापित की

किशोरमंडल द्वारा प्लास्टिक मुक्त जीवन शैली के प्रचार प्रसार हेतु सूरत अधिवेशन में अभिनव स्टॉल स्थापित की गई। इस स्टॉल में प्रतिभागी 900 से ज्यादा किशोरों को प्लास्टिक से उत्पन्न पर्यावरण के खतरों को प्रस्तुत करते हुए प्लास्टिक के विकल्पों के बारे में बताया गया। प्लास्टिक के विकल्प के प्रतीकात्मक रूप में लकड़ी की टूथ ब्रश का वितरण भी किया गया। अभातेयुप अध्यक्ष रमेश डागा, उपाध्यक्ष प्रथम पवन मांडोत, अभातेयुप प्रबंध मंडल सदस्य, किशोरमंडल राष्ट्रीय प्रभारी अरविंद पोखरणा आदि ने स्टॉल का अवलोकन किया। टीकेएम विजयनगर के नवाचार और जागरूकता की सभी ने सराहना की। साथ ही इस अधिवेशन में तेरापंथ किशोर मंडल विजयनगर को बेस्ट कांसेप्ट ऑफ स्टॉल के लिए अवार्ड से सम्मानित किया गया।

धर्म के लिए बुढ़ापे का इंतजार नहीं करें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी श्री धर्मप्रभा जी ने कहा कि मानव भव अति दुर्लभ हैं। हमारी आत्मा ने पूर्व में हर जीवन में अनेकानेक कर्मों की निर्जरा करते हुए यहां पर संसार में इस मानव जीवन को प्राप्त किया हैं। मानव जीवन की महत्ता एक भजन के माध्यम से व्यक्त करते हुए साध्वीजी ने कहा कि हीरा जन्म तुम्हें मिला है, वो गवाने के काबिल नहीं, तेरा हर क्षण, हर साँस अनमोल मोती, वो लुटाने के काबिल नहीं। मानव जीवन को अमूल्य बहुमूल्यवान हीरे से तुलना करते हुए कहा कि आपको पूर्व की अति, बहुत धर्म-पुण्यवानी से यह मनुष्य जन्म मिला हैं। अतः इस दुर्लभ मनुष्य जन्म की बड़ी महत्ता को समझते हुए मात्र खाते-पीते, मौज- शौक में ही व्यर्थ नहीं गवाएं। अपितु धर्म की साधना, आराधना, तप-पुण्य, जप - त्याग, परोपकार करते हुए अपने मानव जीवन को सार्थक बनाएं। साध्वी स्नेहप्रभा जी ने अपने सारगर्भित प्रवचन में जैन दर्शन में वर्णित दो प्रकार के कालचक्र (1) अवसर्पिणी काल और (2) उत्सर्पिणीकाल का विवेचन धर्मसभा में प्रस्तुत किया। मंत्री सुरेश कुमार धोका ने कार्यक्रम का संचालन किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चातुर्मास के पावन पर्व पर हर साल की भांति इस साल भी बेंगलूरु जैन सेवा मंडल ने गांधी वृद्धा आश्रम मागडी रोड़ में वृद्ध लोगों की सेवा हेतु आश्रम के व्यवस्थापक को 31 हजार रुपए की सहायता राशि का चेक प्रदान किया। बेंगलूरु जैन सेवा मंडल हर साल विभिन्न क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों व निसहाय की सहायता हेतु समय समय पर जनहितैषी कार्य करते हैं। इस अवसर पर मंडल के उपाध्यक्ष दिलीप जैन, सदस्य पारसमल राठौड़ और राजेश जैन उपस्थित रहे।

परमात्मा की वाणी कभी असत्य नहीं, जिनवाणी पर सम्पूर्ण श्रद्धा जरुरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमारा मन बड़ा ही विचित्र है, जिस जिनवाणी को हम याद रखना चाहते हैं उसे याद नहीं रख पाते, लेकिन जिन चीजों को हमें भूल जाना चाहिए उसे भूल नहीं पाते और उसे जिन्दगी भर याद रखते हैं। यह मनुष्य जीवन हमें बहुत दुर्लभता से मिला है, इसमें हमने अगर कुछ सुकृत कार्य नहीं किए तो हमारा यह मानव जीवन व्यर्थ हो जाएगा। हमें हर पल कुछ ना कुछ सुकृत कार्यों के बारे में चिंतन करना है। साध्वीवर्या ने रोहिणिया चोर का दृष्टांत देते हुए कहा कि परमात्मा की वाणी कभी असत्य नहीं हो सकती, हमें जिनवाणी पर सम्पूर्ण श्रद्धा रखनी है। परमात्मा की वाणी हमेशा अच्छी ही होती है। जिनवाणी जब हृदय के अन्दर तक पहुंचती है तो हमारा जीवन कोमलता से परिपूर्ण बन जाता है। विनय ही धर्म का मूल है और जो नमता है वही जिनवाणी से ओतप्रोत हो सकता है। इतिहास में जितने भी आप्त पुरुष हुए हैं वह जब भी कुछ शुभ कार्य शुरू करते हैं उससे पहले परमात्मा के चरणों में वन्दन करते हैं। ऐसे ही क्षेमराज मुनि उपदेश सप्ततिका ग्रन्थ लिखना प्रारम्भ करने से पहले अपने को अज्ञानी बालक समझ कर परमात्मा के चरणों में नमन करते हैं। चरणों में वन्दना करते हुए कहते हैं कि भव्य जीव ही जिनवाणी को श्रवण कर सकता है और जीवन में उतार सकता है, लेकिन अभव्य जीव जिनवाणी श्रवण तो कर सकते हैं लेकिन उसे जीवन में आचरण में नहीं ला सकता और परमार्थ में नहीं लगा सकता।

जो आत्मा भव्य है वही मोक्षरुपी द्वार में प्रवेश कर सकती है। अभव्य आत्मा कभी भी मोक्ष में नहीं जा सकती और चौरासी लाख योनियों में भटकती रहती है।

कोई भी सफलता बिना संघर्ष के नहीं मिलती: मुनि

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए बंधु त्रिपुटी मुनिराज आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी ने कहा कि अनुशासन सफलता की कुंजी है। अनुशासन किसी के व्यक्तित्व का आधार होता है। हर किसी के जीवन में अनुशासन सबसे महत्वपूर्ण है। अनुशासन के बिना कोई सुखी जीवन नहीं जी सकता। अगर आधार सही नहीं है, तो व्यक्तित्व मजबूत नहीं हो सकता।

अनुशासन वह सब कुछ है जो हम सही समय में सही तरीके से करते हैं। यह हमें सही रास्ते पर ले जाता है। जीवन के सभी कार्यों में अनुशासन अत्यधिक मूल्यवान

है। अनुशासन दो शब्दों से मिलकर बना है, अनु और शासन।

अनु का अर्थ है पालन और शासन का अर्थ है नियम। अनुशासन का अर्थ है 'नियमों का पालन करना। हमारे जीवन में अनुशासन का अधिक महत्व है। यह हमें नियमों का पालन करना सिखाता है। अनुशासित होने का अर्थ है अपने शरीर और मस्तिष्क पर नियंत्रण रखना। यह हमें अपने समाज के नियमों का पालन करने योग्य बनाता है। हमें हमेशा अनुशासन में होना चाहिये। अनुशासित व्यक्ति अपने समाज के सभी नियमों का पालन करता है। वह दूसरों को सम्मान देता है और दूसरों से सम्मानित होता है। अनुशासन का जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान है। अनुशासन कार्यों को क्रमबद्ध तथा संयमित तरीकों से करने की एक विधि होती है। यदि हम नियमित रूप से अनुशासित दिनचर्या का पालन करें तो हम अपने जीवन स्तर को काफी अच्छा बना सकते हैं। अनुशासन के बिना जीवन निष्क्रिय और बेकार हो जाता है, क्योंकि योजना के अनुसार कुछ भी नहीं होता है। शोधों में देखा गया है कि जो लोग अपने जीवन को अनुशासित तरीके से जीते हैं, वह अस्त-व्यस्त दिनचर्या का पालन करने वालों की अपेक्षा अपने समय तथा उर्जा का अधिक अच्छी तरह उपयोग कर पाते हैं। इसके साथ ही अनुशासन हमारे स्वास्थ्य और सामाजिक स्तर को सुधारने में भी हमारी सहायता करता है।

ऋषियों की वाणी और ज्ञान प्रभावशाली: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने ऋषि भाषिक सूत्र की व्याख्या करते हुए कहा कि हमारी भारतीय परंपरा ऋषि प्रधान परंपरा रही है।

ऋषि भारतीय धार्मिक और आध्यात्मिक परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। इनकी वाणी और उनके द्वारा प्रतिपादित ज्ञान ने भारतीय संस्कृति, धर्म और समाज को गहराई से प्रभावित किया है। ऋषि भाषिक सूत्र का अध्ययन और अनुशीलन करने से न केवल संस्कृत भाषा का गहन ज्ञान प्राप्त होता है, बल्कि यह अन्य भारतीय भाषाओं की संरचना और व्याकरण को समझने में भी

सहायक होता है। उन्होंने कहा जो ज्ञान गुरु ने शिष्यों को दिया है और जो शिष्यों ने अपने शिष्यों को दिया है वही परंपरागत चला आ रहा है।

वही श्रुत ज्ञान है। श्रुत ज्ञान को वेदों के ऋषियों ने अपने ध्यान और साधना के माध्यम से प्राप्त किया और उसे अपने शिष्यों को सुनाकर संचारित किया। यही कारण है कि इसे श्रुति कहा गया, क्योंकि यह सुनकर याद किया जाता था और इस प्रकार सुरक्षित रखा गया। भारतीय परंपरा में श्रुति का विशेष स्थान है। श्रुति का अर्थ है सुना हुआ या श्रवण किया हुआ, जो यह दर्शाता है कि इस ज्ञान को मौखिक परंपरा के माध्यम से पीढ़ी दर पीढ़ी संचारित किया गया है।

रुपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। नवकार महामंत्र जाप, आयंबिल एवं नौ दिवसीय एकासन की लड़ी गतिमान है। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

एमएसएमई के लिए प्रभावशाली बजट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष ललित डाकलिया ने कहा कि यह नए भारत का बजट है। यह भारत को अमृत काल की ओर तेजी से ले जा रहा है, जो 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। कौशल के माध्यम से रोजगार सृजन पर वित्त मंत्री का जोर एक प्रमुख विषय है। बजट में स्टार्टअप इकोसिस्टम पर भी ध्यान दिया गया है और एंजेल टैक्स को खत्म करके इसे बढ़ावा दिया गया है, जिसका उद्देश्य स्टार्टअप में निवेश को बढ़ावा देना है, और व्यापार करने में आसानी पर जोर

देने से एमएसएमई को लाभ होगा। यह बजट न केवल प्रभावशाली है, बल्कि यह अभिनव और समावेशी भी है। यह बजट उन नौ प्राथमिकताओं को देखते हुए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है, जिन पर वित्त मंत्री ने ध्यान केंद्रित किया है, ताकि कौशल विकास और रोजगार की पहल के माध्यम से हमारे युवाओं की मदद करने के लिए देश को तेजी से आगे बढ़ाया जा सके। यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने। हमें देश के भीतर और दुनिया भर में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएं, जिससे विनिर्माण को बढ़ावा मिले, सेवा क्षेत्र को बढ़ावा मिले और पर्यटन को बढ़ावा मिले। बुनियादी ढांचे पर जोर देकर इसके गुणक प्रभाव के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार और व्यापार के अवसर पैदा करेगा।

अपनी शक्तियों का प्रयोग परोपकार के लिए करें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
वीवी पुरम स्थित सिमंधर शान्तिसूरि जैन संघ के तत्वावधान में श्री संभवनाथ भवन में आचार्यश्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी ने बुधवार को प्रवचन देते हुए कहा कि अगर अपनी शक्तियों का प्रयोग परोपकार के लिए किया जाता है तो शक्तियां उत्तरोत्तर श्रेष्ठ मिलती जाती है। चाहे वह ज्ञान की हो अथवा धन की शक्ति हो । ज्ञान बांटने से बढ़ता है और लक्ष्मी का खर्च अगर धर्म के कार्यों में किया जाए तो वृद्धि की प्राप्ति होती है। यदि इन्ही शक्तियों का सदुपयोग न होकर दुरुपयोग किया जाता है

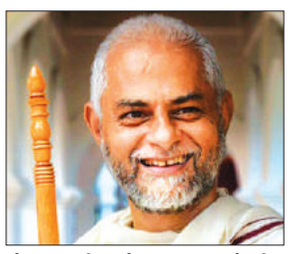

तो एक दिन ऐसा आता है कि कुदरत हमें शक्तिविहीन बना देती है। संतों के समागम से हमारी शक्तियां विकसित होती है। आचार्य श्री ने कहा कि गुणवान ईश्वर की उपासना करने से हमें गुणों की प्राप्ति होती है और गुणों की प्राप्ति के द्वारा ही व्यक्ति सही अर्थ में सुखी बनता है।

भगवान महावीर का हर संदेश जीवन में उतारें: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शांतिनगर स्थित स्थानक भवन में प्रवचन में राजेश मुनि ने फरमाया कि श्रद्धा और आस्था के सहारे और प्रभु चरणों एवं गुरु चरणों में समर्पण से ही जीवन में ऊंचाइयों तक पहुंचा जा सकता है। अपनी आत्मा के उत्थान एवं कल्याण हेतु प्रभु महावीर द्वारा दिया गया हर संदेश अपनी आत्मा में उतारना चाहिए। प्रभु वाणी अपने कानों से सुनकर, निकालनी नहीं है, उसे अपनी आत्मा से अन्तर में भर देना है तभी कल्याण संभव होगा। व्यक्ति अपने अहंकार, अज्ञान और आसक्ति के कारण ही झूठ का सहारा लेता है। जैन धर्म कहता है कि धर्म दिखावे के लिए नहीं, आत्मा के उत्थान के लिए होना चाहिए। सदैव समभावों को जीवन में उतारना ही सही सामायिक है। जीवन को अगर सुगंधित बनाना है तो इस आत्मा को, जीवन को, उपजाऊ भूमि जैसा बनाना होगा ताकि प्रभु वाणी भीतर तक पहुंच सके और हमारे जीवन से अहिंसा और सदाचार की सुगंध फैले। पत्थर पर कभी फूल नहीं खिल सकते, फूल को उगने के लिए उपजाऊ भूमि की ही आवश्यकता होती है। हमें मेजबान की मेज को नहीं बल्कि उसके भावों को देखना चाहिए। उसकी आखों से हमारे अतिथि सत्कार हेतु स्नेह छलकता है या नहीं, उसकी वाणी कैसी है, यह महत्वपूर्ण है। संघ मंत्री छगनमल लुणावत ने सभा का संचालन किया।

वाल्मीकि घोटाले के बाद कर्नाटक में एक और घोटाला?

भाजपा के यतनाल ने उठाया मुद्दा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा नेता बसनगौड़ा आर पाटिल यतनाल ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर कहा कि वाल्मीकि निगम घोटाले के बाद कर्नाटक में एक और बड़ा घोटाला सामने आया है। यतनाल ने कहा कर्नाटक राज्य पारदर्शिता अधिनियम का उल्लंघन करते हुए, बेंगलूरु में कर्नाटक राज्य आवास केंद्र नामक संगठन को लगभग 600 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा किसी भी संवैधानिक मान्यता की कमी के बावजूद, इस आवास केंद्र को मंत्री जमीर अहमद के नेतृत्व में परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अधिकृत किया गया है। भाजपा विधायक ने यह भी कहा कि आवास केंद्र न तो सरकारी संस्था है और न ही इसके कर्मचारी सरकारी अधिकारी हैं। उन्होंने पूरी व्यवस्था को एक भ्रम बताया। उन्होंने यह भी कहा संगठन ने अल्पसंख्यक कल्याण

विभाग के लिए उल्लेखनीय रूप से परियोजनाएं शुरू की हैं, जो मंत्री और अधिकारियों के बीच संभावित मिलीभगत का संकेत देती हैं। यतनाल ने यह भी कहा कि कल्याण कर्नाटक विकास बोर्ड से इस आवास केंद्र को धन हस्तांतरित किया गया है। उन्होंने कहा जब से वाल्मीकि निगम में अनियमितताएं उजागर हुई हैं, मंत्री जमीर कुछ छिपाने की कोशिश में इस हैबिटेट सेंटर में रोजाना बैठकें कर रहे हैं। इससे उनके मन में सवाल उठने लगे हैं कि किन फाइलों के नष्ट होने का खतरा है और किस चुनाव में इस पैसे का इस्तेमाल किया गया है।

इससे पहले उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को विधानसभा को बताया था कि सरकारी वकील एक बड़े कार्टेल के साथ मिलीभगत कर सकते हैं, जो भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन के लिए आसमान छूती मुआवजा दरों की मांग कर रहे हैं। जल संसाधन मंत्री शिवकुमार ने कृष्णा भाग्य जल निगम लिमिटेड (केबीजेएनएल) और कावेरी नीरवरी निगम लिमिटेड (सीएनएनएल) पर सरकारी खर्च पर चर्चा के दौरान यह बात कही। शिवकुमार ने कहा, मैं थोड़ा घबराया हुआ हूं। उन्होंने अपने विभाग में सामने आ रही बड़ी समस्या के बारे में बताया। शिवकुमार ने कहा पहले लोग अपनी जमीनें सिर्फ 2,000-3,000 रुपये में दे देते थे। हाल ही में, हमारे पास ऐसे मामले आए हैं, जब लोग सिर्फ 10,000 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से अपनी जमीनें दे रहे हैं। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि एक बड़ा कार्टेल बन गया है।

शिवकुमार ने विजयपुरा, बागलकोट और रायचूर में मुआवजा देने के विभिन्न न्यायालय आदेशों का हवाला दिया। उन्होंने कहा लगभग 2,000 मामलों में, न्यायालय ने मुआवजा देने का आदेश दिया है, जो औसतन 74 लाख रुपये प्रति एकड़ बनता है। जलमग्न भूमि के लिए, 285 मामलों में, न्यायालयों ने औसतन 1.26 करोड़ रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने का आदेश दिया है। शिवकुमार ने कहा पुनर्वास के लिए, 367 मामलों में, न्यायालय के आदेश के अनुसार मुआवजा औसतन 5.18 करोड़ रुपये प्रति एकड़ बनता है। उन्होंने कहा हम बेंगलूरु में भी इतना भुगतान नहीं करते। मंत्री ने इस मामले में बड़ी जांच की मांग की। शिवकुमार ने कहा मैं इन मामलों से निपटने वाले सभी सरकारी वकीलों को हटाना चाहता हूँ। हमें यह जानना होगा कि किस पर मामला दर्ज किया गया है। मैं एक व्यापक जांच का आदेश दूंगा। हम एक नई टीम लाएंगे और उच्च न्यायालय में अपील दायर करेंगे। बीजापुर शहर के भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, जिनके सवाल के कारण शिवकुमार ने यह खुलासा किया, ने दावा किया कि वकील मुआवजे का 40-50 प्रतिशत हिस्सा अपने पास रखने के लिए अलग-अलग बैंक खाते खोलते हैं। यतनाल की शिकायत केबीजेएनएल और सीएनएनएल पर सरकारी खर्च में असमानता को लेकर थी। कृष्णा नदी राज्य के 68 प्रतिशत हिस्से की सिंचाई करती है। सरकार 4,580 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। लेकिन कावेरी, जो राज्य की सिंचाई का केवल 12 प्रतिशत हिस्सा है, को 3,105 करोड़ रुपये मिलते हैं। कृष्णा के लिए आवंटन 20 गुना अधिक होना चाहिए।

ग्रेटर बेंगलूरु बिल में सभी नेताओं के विचार किए जाएंगे शामिल : शिवकुमार

27 जुलाई को विधायकों के साथ होगी बैठक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी सदस्यों ने ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस बिल को पेश किए जाने पर गंभीर आपत्ति जताते हुए इसे इसके संस्थापक केम्पे गौड़ा के दृष्टिकोण के विपरीत बेंगलूरु को टुकड़ों में बांटने का प्रयास करार दिया। जिसके बाद उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने विधानसभा को आश्वासन दिया कि बिल को पारित करने से पहले सभी विधायकों और हितधारकों के सुझावों को इसमें शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा मैं कोई मूर्ख नहीं हूं जो विपक्षी सदस्यों से परामर्श किए बिना बिल पर एकतरफा फैसला कर लूं। मैं आपसे जल्दबाजी में बिल पारित करने के लिए नहीं कह रहा हूं। मैं चाहता हूं कि आप बिल के हर शब्द को ध्यान से पढ़ें और उस पर फैसला लें। मैं आपसे उम्मीद नहीं करता कि आप इसे वैसे ही स्वीकार कर लेंगे। घबराएं नहीं। मैं आपको सिर्फ इसलिए बाहर नहीं रखूंगा क्योंकि हमारे पास संख्याबल है। उन्होंने विपक्षी

सदस्यों के इस सुझाव पर भी सहमति जताई कि विधेयक पर चर्चा 27 जुलाई को उनके द्वारा बुलाई गई बेंगलूरु शहर के विधायकों की बैठक में की जानी चाहिए। उन्होंने कहा मैं भले ही गांव में पैदा हुआ हूं, लेकिन मैं पांच साल की उम्र से बेंगलूरु में रह रहा हूं।

मैं भले ही किसी दूसरे निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं, लेकिन मैं बेंगलूरु की परवाह करता हूं। अधिकारियों ने लंदन मॉडल ऑफ गवर्नेंस की सिफारिश की थी, लेकिन मैं इससे सहमत नहीं था। मैं जानता हूं कि गवर्नेंस के मॉडल को पूरी तरह से बदलना संभव नहीं है। इसलिए, हम सिस्टम को संशोधित करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधेयक को मंजूरी देने वाली कैबिनेट बैठक में भी उन्होंने स्पष्ट किया था कि विधेयक को विपक्ष द्वारा गहन चर्चा के लिए खोला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा विधेयक आवश्यक हो गया था क्योंकि बेंगलूरु बेतरतीब ढंग से विकसित हो रहा था और जल आपूर्ति, जल निकासी और अपशिष्ट प्रबंधन सहित नागरिक सुविधाओं की समस्याएं अलग-अलग अनुपात में बढ़ रही थीं। उन्होंने कहा राज्य की राजधानी केवल बेंगलूरु के लोगों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे राज्य की है। इसलिए, अन्य जिलों के नेताओं सहित सभी की राय लेने की जरूरत है। इससे पहले, विपक्ष के नेता आर. अशोक ने आशंका जताई कि अगर विधेयक के प्रावधानों के अनुसार बेंगलूरु के विभाजन की अनुमति दी जाती है तो बेंगलूरु में कन्नड़ की प्रमुखता खत्म हो जाएगी।

राज्य में 5 नये लेआउट का होगा निर्माण : मंत्री जमीर अहमद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के आवास मंत्री जमीर अहमद ने कहा कि हमने राज्य में 5 नए लेआउट बनाने का लक्ष्य रखा है। विधान परिषद सदस्य गोविंद-राजू के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के कुल 5 नए हिस्सों में बेहद व्यवस्थित और सर्वसुविधायुक्त लेआउट बनाने की योजना है। लेकिन हम यह नहीं बताएंगे कि हम यह कहां करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसान इसके लिए जमीन देने को तत्पर रहेंगे। लेआउट बनाने की मांग की जा रही है। लेआउट बनाने के

लिए कम से कम 1 हजार एकड़ जमीन की जरूरत होती है। हम किसानों से जबरन जमीन का अधिग्रहण नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें मनाना पड़ेगा। एक लेआउट में पार्किंग, स्टेडियम समेत सभी बुनियादी सुविधाएं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने अनेकल में लगभग एक हजार एकड़ में सभी प्रकार की बुनियादी सुविधाओं से युक्त लेआउट पहले ही बना लिया है और हम उसमें सफल भी रहे हैं। हम यह भी सोच रहे हैं कि हमें जमीन 50:50 प्रतिशत के अनुपात में लेनी चाहिए या खुद खरीदनी चाहिए। जमीर ने स्पष्ट किया कि हाउसिंग बोर्ड से जमीन खरीदने में कोई दिक्कत नहीं है। पिछली सरकार ने बेंगलूरु ग्रामीण जिले में होसकोटे के पास 71 एकड़ जमीन पर एक लेआउट बनाने की योजना बनाई थी। कुल 9,460 आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि आवेदक से कुल 26 करोड़ 80 लाख जमा धनराशि एकत्रित कर यूनियन बैंक इंडिया में जमा करा दी गई है।

मैं मूल रूप से एक अंबेडकर वादी हूं: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कह कि मुझे दी गई इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को मैं पार्टी के हित को ध्यान में रखते हुए पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा, ताकि सदन के सम्मान में कोई कमी न आए।

लोगों की बधाई स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा मुझे इस पद की उम्मीद नहीं थी। मेरे साथ सीटी रवि, एन. रविकुमार भी अभ्यर्थी थे। आखिरकार पार्टी ने मुझे जिम्मेदारी दी। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, बीएल संतोष, प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र और अन्य का आभार जताते हैं। मैं मूलतः अंबेडकर वादी हूं। मैं उनकी इच्छाओं को ध्यान में रखते हुए राजनीति में आया हूं। उन्होंने कहा कि वह उनके द्वारा दिये गये मार्गदर्शन में आगे बढ़ने का ईमानदार प्रयास

कर रहे हैं। बंगारप्पा मेरे लिए राजनीतिक गुरु हैं। मुझे उसी वक्त राजनीतिक मोर्चे पर आ जाना चाहिए था। किसी कारण से नहीं हो सका। मुझे नहीं पता कि योग नहीं था या योग्यता नहीं थी। पार्टी ने मुझे जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा कि वह इसे जिम्मेदारी से निभाएंगे। इससे पहले चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा था कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को कोई नहीं बचा सकता। सीएम सिद्धरामैया के घर जाने का समय आ गया है। वह सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कांग्रेस के नेता भी कुछ नहीं कर सकते। उनके घर जाने का समय आ गया है। यह इस बारे में नहीं है कि चोर ने सेंध लगाने के बाद कितना चुराया, न ही यह इस बारे में है कि वह सामने के दरवाजे से आया या पीछे के दरवाजे से। जो बात मायने रखती है वह यह है कि सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि चोरी हुई है, और लूटपाट हुई है। इसके लिए हमें उनका धन्यवाद करना चाहिए। नारायणस्वामी ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा केवल कांग्रेस ही जानती है कि कैसे खजाना लूटा जाए, अनुसूचित जाति निगमों के विकास के लिए रखे गए धन को निजी खातों में कैसे स्थानांतरित किया जाए और फिर उस पैसे का उपयोग कैसे किया जाए। अब वे पकड़े गए हैं। हम सौ लड़ाइयाँ लड़ते हैं, और उन्हें लड़ने के लिए कम से कम एक तो मिलनी ही चाहिए, है न? इसलिए वे ईडी के खिलाफ लड़ रहे हैं। इसमें कोई दम नहीं है। उन्होंने सवाल किया क्या कांग्रेस सरकार ने ईडी और सीबीआई का गठन नहीं किया था? इसके बाद आप कैसे कह सकते हैं कि उन्हें काम नहीं करना चाहिए? उनके पास बोलने का क्या अधिकार है?

कर्नाटक विधानसभा में स्पीकर ने मुडा घोटाले पर चर्चा को किया खारिज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी भाजपा को झटका देते हुए स्पीकर यू टी खादर ने बुधवार को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले पर बहस की मांग करने वाले प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिससे कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया जुड़े हुए हैं।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने मुडा घोटाले पर स्थगन प्रस्ताव पेश किया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह 3,000 करोड़ रुपये का है। चर्चा की अनुमति दी जा सकती है या नहीं, इस पर गरमागरम बहस के बाद खादर ने फैसला सुनाया कि नियमों के अनुसार इसकी अनुमति नहीं है।

उन्होंने कहा मैं इसे खारिज कर रहा हूं क्योंकि यह कोई हालिया मुद्दा नहीं है और जांच आयोग का

गठन किया गया है। मुडा ने सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को 50:50 के अनुपात में भूखंड आवंटित किए, जिसका मतलब था कि उन्हें आधी जमीन विकसित भूखंडों के रूप में वापस मिल गई। उन्हें 3.16 एकड़ जमीन से अधिक कीमत के 14 प्लॉट दिए गए, जिसका इस्तेमाल लेआउट बनाने के लिए किया गया था। 14 जुलाई को, विधानमंडल के मानसून सत्र की शुरुआत से ठीक पहले, सरकार ने सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पी एन देसाई की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया। कानून मंत्री एच के पाटिल ने प्रक्रिया के नियमों के साथ-साथ कौल और शकधर का भी व्यापक रूप से हवाला देते हुए कहा कि जांच आयोग के समक्ष कोई भी मुद्दा स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से नहीं उठाया जा सकता। वरिष्ठ भाजपा विधायक एस सुरेश कुमार, जो पूर्व कानून मंत्री हैं, ने कहा कि विपक्ष चल रही जांच को प्रभावित किए बिना मुडा मामले पर चर्चा करेगा।

उन्होंने कहा यह हमारा कर्तव्य है कि हम इस मुद्दे पर चर्चा करें, जो राज्य और देश में चर्चा का विषय बन गया है। पाटिल ने फिर से नियम पुस्तिका पढ़ी और कहा कि जिस मुद्दे को उठाया जाना है, वह हाल ही में हुआ होना चाहिए और इसे पहले अवसर पर उठाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा पिछले आठ दिनों से यह मुद्दा क्यों नहीं उठाया गया? वे (भाजपा) बस सही राजनीतिक अवसर की तलाश में हैं। पाटिल ने पूछा कि क्या मुडा मामला वास्तव में एक जरूरी मामला है जिसे उठाया जाना चाहिए। विपक्ष के उपनेता अरविंद बेलाड ने जवाब दिया कि पूरा राज्य देख रहा है। सीएम ने अपनी पत्नी को 14 प्लॉट दिए। कस्टोडियन ने खुद लूट की है। इस पर कांग्रेस सदस्यों ने आपत्ति जताई और हंगामा शुरू हो गया। कुमार ने पाटिल से कहा, आप एक बहुत बुरे मामले का बचाव कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, संदेह की सुई सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति और उसके परिवार की ओर है। सत्र शुरू होने से एक दिन पहले 14 जुलाई को जांच आयोग का गठन किया गया था। इससे यह स्पष्ट होता है कि आप इसे उठाना नहीं चाहते और इस सदन को चर्चा से वंचित करना चाहते हैं। जब सत्तारूढ़ कांग्रेस के सदस्यों ने कहा कि सिद्धरामैया की पत्नी को प्लॉट देने वाली भाजपा सरकार थी, तो अशोक ने कहा चाहे कोई भी हो, उसे जेल में डालो।

सतर्क ट्रेन चालक दल ने बड़ी दुर्घटना को रोका

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

हाल ही में एक यात्रा के दौरान, ट्रेन संख्या 12619 मत्स्यगंधा एक्सप्रेस के चालक दल ने असाधारण सतर्कता और त्वरित कार्रवाई का प्रदर्शन किया, जिससे संभावित गंभीर दुर्घटना होने से बच गई। बरकुर और उडुपी सेक्शन के बीच पहुंचने पर, लोको पायलट और सहायक लोको पायलट ने ट्रैक पर एक बड़ा पेड़ गिरा हुआ देखा। उन्होंने तुरंत प्रतिक्रिया करते हुए आपातकालीन ब्रेक लगाया, जिससे लोकोमोटिव और एक कोच को पार करने के बाद ट्रेन को बिना किसी और जटिलता के सफलतापूर्वक रोक दिया गया। बाद में ओवरहेड उपकरण

(ओएचई) टीम द्वारा बाधा को हटा दिया गया, जिससे ट्रेन अपनी यात्रा फिर से शुरू कर सकी। उनकी सतर्कता और निर्णायक कार्रवाई के सम्मान में, जिसने एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया, कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) के सीएमडी, संतोष कुमार झा ने प्रत्येक चालक दल के सदस्य के लिए 15,000 रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की।

सरकार छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों की समस्याओं को लेकर आलोचनाओं का कर रही सामना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधानसभा में बुधवार को कांग्रेस सरकार पर एससी/एसटी छात्र छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों की दयनीय स्थिति को लेकर विधायकों सहित सत्तारूढ़ दल के विधायकों ने निशाना साधा। केजीएफ कांग्रेस विधायक एम रूपकला ने यह मुद्दा उठाया, जिन्होंने कहा कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों में छात्रों के लिए स्वस्थ माहौल नहीं है। रूपकला ने कहा 1,326 प्री-मैट्रिक छात्र छात्रावास हैं। हर साल एक लाख छात्र प्री-और पोस्ट-मैट्रिक छात्रावासों पर निर्भर रहते हैं। बुनियादी ढांचे की विफलताओं के कारण हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि छात्रावासों में वार्डन, रसोइया और सुरक्षाकर्मी नहीं हैं। रूपकला ने कहा गुणवत्तापूर्ण भोजन नहीं परोसा जा रहा है। उप निदेशक ठेकेदार बन गए हैं। उन्होंने कहा

कि सरकार हर साल सामुदायिक हॉल बनाने के लिए 1,300 करोड़ रुपये देती है। लेकिन जब छात्रावासों में बुनियादी ढांचे की बात आती है तो सरकार सौतेला व्यवहार करती है। वरिष्ठ भाजपा विधायक एस सुरेश कुमार ने चर्चा में अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा बीस दिन पहले, हिरियूर (चित्रदुर्ग) के एक नवोदय विद्यालय में, कक्षा 8 के एक लड़के ने आत्महत्या कर ली। अगले दिन, हावेरी के मोरारजी देसाई विद्यालय में, कक्षा 7 की एक लड़की ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा मेरा मन यह स्वीकार करने से इनकार करता है कि जिन बच्चों को जीवन से भरपूर होना चाहिए, वे आत्महत्या के बारे में भी सोचते हैं। कांग्रेस विधायक एस एन नारायणस्वामी, पी एम नरेंद्रस्वामी और प्रकाश कोलीवाड ने भी व्यवस्था की आलोचना की। नारायणस्वामी ने कहा कर्नाटक आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसायटी (केआरईआईएस) की शुरुआत शिक्षा के उद्देश्य से की गई थी। लेकिन आज, यह ठेकेदारों से भरी हुई है। कुछ छात्रावासों में शौचालय नहीं हैं। कुछ में भोजन के लिए प्लेटें भी नहीं हैं। नरेंद्रस्वामी ने कहा एक सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक के रूप में, मैं कह रहा हूं कि समाज कल्याण विभाग प्रशासनिक खामियों से भरा हुआ है। कोलीवाड ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में आवासीय विद्यालयों में 92 छात्रों ने आत्महत्या की है। सरकार की ओर से जवाब देते हुए आरडीपीआर मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि केआरईआईएस ने छात्रों की शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक भलाई पर परामर्श ढांचे के लिए रोटरी इंटरनेशनल के साथ समझौता किया है। प्रियांक ने सभी सांसदों को आईना भी दिखाया। उन्होंने कहा (राजनीतिक) दबाव में हम क्षमता से ज्यादा छात्रों को दाखिला दे देते हैं। वैज्ञानिक रूप से, एक छात्रावास में सात या नौ छात्रों के लिए एक शौचालय होना चाहिए। कुछ जगहों पर यह अनुपात 1:21 है। क्या इस सदन में यह संकल्प लेने का साहस है कि अगले चार सालों तक कोई नया सामुदायिक भवन नहीं बनाया जाना चाहिए, ताकि पैसे का इस्तेमाल शिक्षा के लिए किया जा सके? लेकिन फिर, अगर हम अंबेडकर भवन नहीं बनाते हैं, तो हमें वोट नहीं मिलेंगे।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

ईडी जांच में बाधा डालने का प्रयास करना अक्षम्य अपराध : विजयेन्द्र

मुख्यमंत्री काफी डरे हुए नजर आ रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि घोटाले में फंसने के बाद मुख्यमंत्री काफी डरे हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने विधानसौधा में मीडिया प्रतिनिधियों से बात की और विभिन्न सवालों के जवाब दिये। अनुसूचित जनजाति विकास निगम के 187 करोड़ से अधिक की लूट हुई।

ईडी मामले की ईमानदारी से जांच की जा रही है। इस पर पत्थर मारने का प्रयास करना अक्षम्य अपराध था। अगर आप ईमानदार हैं तो क्या आपके द्वारा गठित एसआईटी को तुरंत नागेंद्र को नोटिस देकर जांच के लिए नहीं बुलाना चाहिए? उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि क्या निगम अध्यक्ष दद्दल के खिलाफ तत्काल जांच करायी जानी चाहिए थी। कांग्रेस सरकार ने अनुसूचित जनजाति के विकास के लिए आवंटित राशि का दुरुपयोग किया है। इस पर सीबीआई, ईडी द्वारा चल रही जांच स्वागत योग्य है। उन्होंने सीएम से अनुरोध किया कि अगर वह ईमानदार हैं तो ईडी, सीबीआई की जांच में सहयोग करें। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में, कांग्रेस नेताओं ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि अगर आप राज्य सरकार, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों के व्यवहार को देखेंगे तो आपको बहुत दुख होगा। वाल्मीकि विकास निगम घोटाले में नागेंद्र अकेले नहीं हैं, बड़े सिर भी लुढ़कने वाले हैं। एक तरफ वाल्मीकि विकास निगम घोटाला है तो दूसरी तरफ मुडा घोटाला है। रिक्त भूमि आवंटन घोटाले में भी सीएम शामिल हैं। हमने लोगों को इन दोनों घोटालों के बारे में जानकारी दी। हमने विपक्षी दल के तौर पर लगातार संघर्ष किया है। ज्ञातव्य है कि कर्नाटक कांग्रेस के विधायकों ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें आदिवासी बोर्ड में अनियमितताओं में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री शिवकुमार और पूर्व मंत्री बी नागेंद्र का नाम लेने के लिए एक अधिकारी पर दबाव बनाने के कथित प्रयास की निंदा की गई। कांग्रेस ने विधान सौधा के परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन कर कहा ईडी अधिकारियों ने मामले में सीएम और उपमुख्यमंत्री का नाम लेने के लिए बोर्ड के पूर्व प्रबंध निदेशक (एमडी) बी कलेश को परेशान किया। महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने एकत्र हुए कांग्रेस विधायकों ने केंद्र के खिलाफ नारे लगाए और केंद्रीय एजेंसी ईडी की केंद्र सरकार के हाथों की कठपुतली बनने के लिए आलोचना की। कांग्रेस विधायकों ने विपक्षी दलों के खिलाफ ईडी, सीबीआई और आईटी विभाग का कथित तौर पर इस्तेमाल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की भी मांग की। कर्नाटक पुलिस ने सोमवार को बेंगलूरु के विल्सन गार्डन पुलिस स्टेशन में आदिवासी बोर्ड मामले की जांच कर रहे दो ईडी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। बोर्ड के पूर्व एमडी और समाज कल्याण विभाग में वर्तमान अतिरिक्त निदेशक बी कलेश द्वारा दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत के आधार पर दो ईडी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर में कहा गया है ईडी अधिकारियों ने कलेश को गिरफ्तार करने की धमकी दी थी और उसे यह कबूल करने के लिए मानसिक रूप से प्रताड़ित किया था कि पूर्व मंत्री बी नागेंद्र, उच्च सरकारी अधिकारियों और राज्य वित्त विभाग ने उसे एमजी रोड बैंक में पैसा जमा करने का निर्देश दिया था। ईडी ने कहा कि अगर वह उनके बयान से सहमत हो जाए तो वे उसकी मदद करेंगे।

दर्शन की पत्नी विजयलक्ष्मी ने उपमुख्यमंत्री से की मुलाकात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा की पत्नी विजयलक्ष्मी ने बुधवार को कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार से उनके आवास पर मुलाकात कर चर्चा की। दर्शन, उनके मित्र पवित्रा गौड़ा और 15 सहयोगी वर्तमान में रेणुकास्वामी हत्या मामले में जेल में बंद हैं। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि यह मुलाकात उनके बेटे विनेश थुगुदीपा के स्कूल में दाखिले के संबंध में थी। उन्होंने कहा उनका बेटा पहले हमारे स्कूल में पढ़ता था, लेकिन उसे दूसरे स्कूल में भेज दिया गया। अब वह चाहती है कि उसका बेटा एक बार फिर मेरे स्कूल में पढ़े। मैंने उनसे कहा है कि मैं प्रिंसिपल से बात करूंगा क्योंकि इसमें परीक्षा सहित कई औपचारिकताएं शामिल हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह रेणुकास्वामी मामले में उनकी मदद करेंगे, शिवकुमार ने कहा कि वह पुलिस जांच में हस्तक्षेप नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि विजयलक्ष्मी अपने बेटे की शिक्षा को लेकर चिंतित हैं। मामले की जांच कर रही पुलिस के अनुसार, दर्शन की प्रशंसक रेणुकास्वामी ने गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे स्टार नाराज हो गए और कथित तौर पर उनकी हत्या कर दी गई। उनका शव 9 जून को यहां सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के बगल में एक तूफानी पानी के नाले के पास मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, चित्रदुर्ग के मूल निवासी रेणुकास्वामी की मौत कई कुंद चोटों के परिणामस्वरूप सदमे और रक्तस्राव के कारण हुई। पुलिस ने कहा कि गौड़ा, जो आरोपी नंबर एक है, रेणुकास्वामी की हत्या के लिए मुख्य कारण थी, जिसमें कहा गया है कि जांच से यह साबित हो गया है कि उसने अन्य आरोपियों को उकसाया, उनके साथ साजिश रची और अपराध में भाग लिया।

मांड्या के कन्नड़ साहित्य सम्मेलन के लिए 100 करोड़ आरक्षित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कन्नड़ और संस्कृति मंत्री शिवराज थंगदागी ने कहा कि मांड्या में होने वाले अखिल भारतीय कन्नड़ साहित्य सम्मेलन के लिए 100 करोड़ रुपये रखे गए हैं और 30 करोड़ रुपये जारी करने का प्रस्ताव किया गया है। विधानसभा के प्रश्न सत्र के दौरान मांड्या विधायक रविकुमार के एक सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि 20-21 दिसंबर को आयोजित साहित्य सम्मेलन के लिए अनुदान जारी करने की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि 2024-25 की कार्ययोजना में पहले से ही साहित्य सम्मेलन के लिए अनुदान निर्धारित किया गया है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ, चिकपेट में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य श्री हेमप्रभसूरीश्वरजी के शिष्यरत्न आचार्य श्रीमद् विजय श्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी के आज्ञानुवर्ति श्री निर्मोहप्रभविजयजी ने फरमाया कि सभी पाप का प्रवेश द्वार आंख है। किसी ने कुछ कह दिया तो क्रोध नाम का रोग होता है। ग्राहक के साथ अनिति से लोभ नाम का रोग होता है। श्री धर्मरत्न प्रकरण जैन ग्रंथ में 21 गुणों का वर्णन है, जिसके नींव में है नम्रता गुण। जीवन में नम्रता आती है तो ही विकास प्रारंभ होता है। हमें एक लक्ष्य की ओर ध्यान देना चाहिए, एक ही इच्छा होनी चाहिए कि हम इच्छा-रहित हो जाए।*

ईडी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर

सीएम सिद्धरामैया ने हताशा में उठाया यह कदम: भाजपा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दो अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा आदिवासी कल्याण घोटाले में खुद को बचाने के लिए हताशा में उठाया गया कदम है। बुधवार को कर्नाटक भाजपा ने कहा कि ईडी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने वाले कलेश बी नामक अधिकारी को भ्रष्टाचार के आरोप में पिछले महीने राज्य सरकार ने निलंबित कर दिया था। कांग्रेस पार्टी ने कहा कि जब उसे पता चला कि कलेश ने ईडी जांच के दौरान मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की संलिप्तता के बारे में जानकारी दी है, तो उसने यह नाटक शुरू

कर दिया। भाजपा ने कहा कांग्रेस सरकार ने अपनी शक्ति का दुरुपयोग करते हुए कलेश नामक दागी अधिकारी से झूठी शिकायत दर्ज कराई।

कांग्रेस उसे प्रभावित और लालच देकर यह कहने के लिए मजबूर कर रही है कि ईडी अधिकारी उसे मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का नाम बताने के लिए मजबूर कर रहे हैं। भाजपा ने कहा हम मांग करते हैं कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया अपनी कुर्सी से चिपके रहने के बजाय वाल्मीकि आदिवासी कल्याण बोर्ड और मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटालों की नैतिक जिम्मेदारी लें, मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें और सीबीआई जांच में सहयोग करें। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को आरोप लगाया कि ईडी अधिकारियों ने आदिवासी कल्याण विकास बोर्ड के पूर्व प्रबंध निदेशक बी. कलेश को कथित मामले में उनका नाम लेने के लिए धमकाया। उन्होंने (ईडी) उन पर (अधिकारी कलेश) गिरफ्तारी का दबाव बनाया, उन्हें मानसिक दबाव में डाला और उन्हें जान से मारने की धमकी देकर मजबूर किया, ताकि मुझे मामले में कानूनी रूप से फंसाया जा सके।

कलेश ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उन्होंने अपनी आपबीती विस्तार से बताई। मुख्यमंत्री ने विधान सौधा में विरोध प्रदर्शन करते हुए ईडी की कथित मनमानी की निंदा की। कर्नाटक पुलिस ने सोमवार को आदिवासी कल्याण बोर्ड मामले की जांच कर रहे ईडी के दो अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। आदिवासी कल्याण बोर्ड के पूर्व प्रबंध निदेशक और समाज कल्याण विभाग में वर्तमान अतिरिक्त निदेशक बी. कलेश की पुलिस शिकायत के आधार पर बेंगलूरु के विल्सन गार्डन पुलिस स्टेशन ने एफआईआर दर्ज की।

इब्राहिम ने बेटे को टिकट देने की पैरवी की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सीएम इब्राहिम कांग्रेस नेताओं से पैरवी कर रहे हैं कि उनके बेटे को शिग्गाव निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव में टिकट दिया जाए। पहले सिद्धरामैया के विश्वासपात्र रहे सीएम इब्राहिम विधान परिषद में विपक्ष के नेता का पद नहीं मिलने से नाराज थे। उन्होंने पार्टी और नेताओं के खिलाफ खुलेआम बयानबाजी कर शर्मिंदगी पैदा कर दी थी। अंततः उन्होंने कांग्रेस विधान परिषद के सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया और जेडीएस में शामिल हो गए। वह वहां पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे। भाजपा के साथ गठबंधन के बाद वे नाराज हो गए और जेडीएस नेताओं की आलोचना करने लगे। सीएम इब्राहिम, जो तब से इससे बाहर हैं, राजनीतिक रूप से अस्थिर हैं। वह असमंजस में थे, कांग्रेस में वापस आने में असमर्थ थे और जेडीएस में कोई दर्जा पाने में असमर्थ थे। उनके बेटे फैयाज हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए हैं। सीएम इब्राहिम ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात की और दबाव डाला है कि उनके बेटे को शिग्गाव विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव लड़ने की अनुमति दी जानी चाहिए। हाल ही में, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, जिन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ा और निर्वाचित हुए, ने शिग्गाव निर्वाचन क्षेत्र से विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। खाली हुई सीट पर उपचुनाव होना है। इससे पहले 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में यासिर अहमद खान पठान ने कांग्रेस से चुनाव लड़ा था। इससे पहले सैयद अजीर कादरी ने 2018, 2013 और 2008 का चुनाव लड़ा था और हार गए थे। कांग्रेस शिग्गाव निर्वाचन क्षेत्र को अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित करती रही है। इस बार यासिर अहमद खान पठान दोबारा चुनाव लड़ने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच सीएम इब्राहिम अपने बेटे को मौका देने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी के इस्तीफे से खाली हुई चन्नपटना विधानसभा सीट और तुकाराम के सांसद बनने के बाद खाली हुई संदुर सीट पर भी उपचुनाव होने हैं। कांग्रेस पार्टी के नेता इन क्षेत्रों में अवसर उपलब्ध कराने के लिए पर्दे के पीछे से पैरवी कर रहे हैं। इस वक्त तक खुद को जेडीएस का नेता बता रहे सीएम इब्राहिम कांग्रेस में अपने बेटे को टिकट दिलाने की कोशिश कर रहे हैं।

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। *मध्यप्रदेश काडर के युवा आईपीएस अधिकारी धार जिला के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अंकित सोनी ने श्री सिध्दारुढ़ मठ स्वामीजी के दर्शन किये और देशभर में अमन शांति की प्रार्थना की। इस दौरान ट्रस्ट कमेटी के चेयरमैन बसवराज कल्यणशेट्टर, पूर्व चेयरमैन महेन्द्र सिंघी, वरिष्ठ अधिवक्ता के एल पाटिल, चनवीर मुंगरवाड़ी, रमेश बेलगावी सहित अन्य ने अंकित सोनी को सम्मानित कर उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।*

शक्ति योजना से परिवहन कंपनियों पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा: मंत्री रामलिंगारेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

परिवहन मंत्री रामलिंगारेड्डी ने स्पष्ट किया है कि बजट में पर्याप्त धनराशि उपलब्ध होने से शक्ति योजना के तहत परिवहन संगठनों पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। विधान परिषद में सदस्य भारती शेट्टी के एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बजट में 1400 करोड़ का अनुदान दिया है। हम धन की उपलब्धता के आधार पर परिवहन निगमों को वित्त पोषण प्रदान करते हैं। उन्होंने दोहराया कि किसी भी संस्था पर बोझ नहीं डाला जाएगा। कर्नाटक वाहन कर अधिनियम से छूट मिलने के कारण मुझे 600 करोड़ रुपये का अतिरिक्त अनुदान दिया जाएगा। साथ ही बसें खरीदने के लिए 580 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि संगठन अब सुधार की ओर बढ़ रहा है। दस साल पहले टिकट के दाम बढ़ाए गए थे। हमने चार साल से बीएमटीसी में किराए में संशोधन नहीं किया है। पहले ऐसी स्थिति थी कि निगम में वेतन देने के लिए कर्मचारियों को पीछे मुड़कर देखना पड़ता था। उन्होंने कहा कि अब काफी सुधार हुआ है। हम चरणबद्ध तरीके से 1,413 करोड़ की बकाया राशि का भुगतान करेंगे। उन्होंने सराहना की कि चूंकि मेरे पास बजट में पैसा है, इसलिए कोई समस्या नहीं है और ऊर्जा परियोजना बहुत सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है।

कलबुर्गी जिले में 4.77 लाख किसानों ने भूमि रिकॉर्ड को आधार से जोड़ा

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्व विभाग की आरटीसी (अधिकार, किरायेदारी और फसलों का रिकॉर्ड) को भूमि मालिकों के आधार से जोड़ने की महत्वाकांक्षी पहल को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और 4.77 लाख किसानों ने इस सुविधा का विकल्प चुना है। बुधवार को अपने कार्यालय में एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उपायुक्त फौजिया तरन्नुम ने कहा कि जिले के 67 प्रतिशत आरटीसी को भूमि मालिकों के आधार से जोड़ा गया है और शेष भूमि रिकॉर्ड अगले महीने के अंत तक कवर किए जाएंगे। हमारे पास जिले में 8,76,177 आरटीसी (पहानी) हैं और उनमें से 4,77,143 भूमि मालिकों के आधार के साथ जुड़े हुए हैं। आरटीसी-आधार सीडिंग एक क्रांतिकारी पहल है क्योंकि यह फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से धोखाधड़ी और अवैध लेनदेन से भूमि की रक्षा करता है। यह जमीन की त्वरित बिक्री या खरीद में मदद करता है क्योंकि जमीन और उसके मालिक का विवरण आसानी से उपलब्ध है। इससे प्रशासन को फसल क्षति मुआवजा, सूखा और बाढ़ राहत तथा अन्य लाभ भूमि मालिकों को शीघ्रता और आसानी से वितरित करने में भी मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में प्रशासन ने पाया कि 41,489 भूमि संपत्ति को ग्राम प्रशासनिक अधिकारियों (वीएओ) द्वारा परिवर्तित किया गया है और 67,375 भूमि मालिक मर चुके हैं। राजस्व भूमि की पूरी जानकारी हमारी उंगलियों पर होने से, अब हम भूमि से संबंधित कई मुद्दों को आसानी से हल कर सकते हैं। हम इस साल स्वतंत्रता दिवस पर एक विशेष अभियान, पौटी अभियान शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जो उन मालिकों की भूमि को उनके कानूनी उत्तराधिकारियों को हस्तांतरित करने के लिए है, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। कई मामलों में, मृत भूमि मालिकों के कानूनी उत्तराधिकारी प्रशासनिक बाधाओं के कारण अपने नाम पर भूमि हस्तांतरित नहीं करवा पाते हैं। हम, एक सक्रिय प्रशासन के रूप में, उनके लिए काम करेंगे। एक सवाल के जवाब में तरन्नुम ने कहा कि आरटीसी के साथ आधार को जोड़ना भूमि मालिकों की सहमति से किया गया है क्योंकि यह अनिवार्य नहीं है। यह अनिवार्य नहीं है, बल्कि वैकल्पिक है। हालांकि, मैं किसानों से आरटीसी-आधार सीडिंग करवाने की अपील करती हूं क्योंकि इससे भूमि अवैध लेनदेन से सुरक्षित रहती है और भूमि मालिकों को सूखा और बाढ़ राहत जैसे विभिन्न सरकारी लाभ शीघ्रता से प्राप्त करने में मदद मिलती है।

झारखंड में कुछ सीटों पर बढ़े मुस्लिम वोटर, भाजपा पहुंची चुनाव आयोग

रांची, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

झारखंड के संथाल परगना एवं अन्य इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठ की वजह से डेमोग्राफी में बदलाव और कई मतदान केंद्रों पर मुस्लिम मतदाताओं की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ा मुद्दा बना लिया है।

पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की अगुवाई में बुधवार को नई दिल्ली में भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त से मुलाकात कर उन्हें इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपा और मतदाताओं की संख्या में अचानक से हुई भारी बढ़ोतरी की जांच कराने की मांग की।

मरांडी ने कहा कि पार्टी ने चुनाव आयोग को 500 पृष्ठों की सर्वे रिपोर्ट सौंपी है, जिसके

आंकड़े यह बताते हैं कि सैकड़ों बूथों पर अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाताओं की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है और हिंदू बहुल मतदान बूथों पर मतदाताओं की संख्या में कमी हुई है। जिस तरह से मुस्लिम क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है, इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आशंका है कि फर्जी दस्तावेज के आधार पर मतदाता बनाए गए हैं। अमूमन पांच वर्षों में मतदाताओं की संख्या में 15 से 20 फीसदी तक वृद्धि होती है, मगर इस बार यह देखा गया है कि कुछ बूथों पर 136 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज हुई है।

भाजपा ने राज्य के 10 विधानसभा क्षेत्र में कराए गए सर्वे के आधार पर ऐसे मतदान केंद्रों की सूची सौंपी है, जहां मतदाताओं की संख्या बेहिसाब बढ़ी है। रिपोर्ट में जिन विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि का दावा किया गया है, उसमें राजमहल, बरहेट, पाकुड़, महेशपुर, जामताड़ा, मधुपुर, मझगांव, हटिया, बिशुनपुर और लोहरदगा शामिल हैं। बताया गया है कि राजमहल के 168 नंबर बूथ पर मतदाताओं की संख्या 20 से 123.74 प्रतिशत तक बढ़ी है। बरहेट विधानसभा क्षेत्र में 114 नंबर मतदान केंद्र पर 57.72 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। इसी तरह हटिया में बूथ नंबर 163 में 136.5 प्रतिशत, मधुपुर में बूथ नंबर 225 पर 117.62, जामताड़ा में बूथ नंबर 123 पर 68.8 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। चुनाव आयोग को सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि झारखंड के अति संवेदनशील बूथों पर जांच कराई जाए तो एक सोची-समझी योजना के तहत डेमोग्राफी बदलने का षड्यंत्र सामने आएगा। इसके पीछे की वजह विदेशी घुसपैठ है। इसमें राज्य सरकार की भी भूमिका है। चुनाव आयोग से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, प्रदीप वर्मा और राजमहल विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक अनंत ओझा शामिल रहे।

भारत 21वीं सदी की उभरती महाशक्ति : डेविड लैमी

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने बुधवार को कहा कि भारत 21वीं सदी की उभरती हुई महाशक्ति है और हरित परिवर्तन, नई प्रौद्योगिकियां, आर्थिक सुरक्षा तथा वैश्विक सुरक्षा जैसे विषयों पर दोनों देशों के साझा हित हैं।

वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी एच-सीएल टेक के नोएडा स्थित मुख्यालय के दौरे पर आए लैमी ने कंपनी की चेयरपर्सन रोशनी नादर मल्होत्रा से मुलाकात की और परिसर में स्थित एक इनोवेशन लैब का दौरा किया। लैमी ने कहा कि वह विदेश मंत्री बनने के बाद पहले महीने में ही भारत की यात्रा पर हैं क्योंकि हमारी सरकार घरेलू स्तर पर सुरक्षा और समृद्धि के लिए ब्रिटेन को किस प्रकार जोड़ती है, इसका एक महत्वपूर्ण अंग ग्लोबल साउथ के साथ हमारे संबंधों को नए सिरे से स्थापित करना है। इस दौरान भारत में

ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरून और दक्षिण एशिया के लिए ब्रिटिश व्यापार आयुक्त तथा पश्चिमी भारत के लिए उप उच्चायुक्त हरजिंदर कांग भी मौजूद थे।

लैमी ने कहा, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। मुक्त व्यापार समझौते की हमारी वार्ता साझा क्षमता को अनलॉक करने और बेंगलुरु से बर्मिंघम तक विकास लाने की हमारी महत्वाकांक्षा को दिखाती है। हरित संक्रमण, नई प्रौद्योगिकियों, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक सुरक्षा पर हमारे हित एक समान हैं। मल्होत्रा ने कहा कि एचसीएल टेक को ब्रिटेन के व्यवसायों और समग्र अर्थव्यवस्था के लिए डिजिटल परिवर्तन प्रवर्तक बनने पर बहुत गर्व है। उन्होंने कहा, हमें विश्वास है कि इस यात्रा से दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग और मजबूत होगा। कैमरून के कहा, हमारी तकनीकी साझेदारी ब्रिटेन की सेवाओं और व्यवसायों की दक्षता को बढ़ा रही है, साथ ही दोनों देशों को पारस्परिक लाभ भी पहुंचा रही है। एचसीएल टेक ने 1998 में ब्रिटेन में अपना व्यवसाय शुरू किया था और अपनी उन्नत नवाचार प्रयोगशा-लाओं के साथ देश में एक मजबूत उपस्थिति स्थापित की है। कंपनी ब्रिटेन में शीर्ष 10 सॉफ्टवेयर और आईटी सेवा कंपनियों में शुमार है, जिसमें 3,300 से अधिक पेशेवर कार्यरत हैं।

चमकी गरीब आदिवासी की किस्मत, खुदाई में मिला एक करोड़ का बेशकीमती हीरा

पन्ना, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

पन्ना की रत्नगर्भा धरती पर एक गरीब आदिवासी की किस्मत चमकी है। दरअसल, हीरा खदान में खुदाई के वक्त उसको 19.22 कैरेट हीरे की प्राप्ति हुई। हीरे की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपए बताई जा रही है। उसे ये हीरा कृष्ण कल्याणपुर (पटी) के उथली हीरा खदान में मिला है। पन्ना की धरती बेशकीमती हीरों के लिए विख्यात है। हीरा धारक चुनवादा आदिवासी ने प्राप्त हीरे को कार्यालय में जमा करवा दिया है। इसे आने वाली अगली नीलामी में रखा जाएगा।

बता दें कि पन्ना जिले के

अहिरगवां गांव के निवासी चुनव-ादा गोंड ने हीरा कार्यालय से मात्र 200 रुपए की रसीद कटवाई थी और 20 मई 2024 को कृष्ण कल्याणपुर के पटी क्षेत्र में हीरा खदान खोदने के लिए पट्टा बनवाया गई थी। पट्टा जारी करवाने के बाद गरीब आदिवासी चुनवादा ने दिन-रात पत्नी व बच्चों समेत खदान में हीरा तलाशने के लिए मेहनत की। करीब दो माह की मेहनत में उसको बेशकीमती 19.22 कैरेट का हीरा मिला। नीलाम होने पर 12 प्रतिशत टैक्स और 1 प्रतिशत टीडीएस काटकर बाकी रकम हीरा धारक के खाते में भेज दी जाएगी। पिता की तबीयत खराब होने के कारण उसके बेटे राजू गौड़ ने हीरे को हीरा कार्यालय में जमा करवाया।

अंतर संसदीय संघ की अध्यक्ष डा. एक्शन ने राष्ट्रपति मुर्मु से की मुलाकात

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

तंजानिया की नेशनल असेंबली की अध्यक्ष और अंतर-संसदीय संघ की अध्यक्ष डॉ. तुलिया एक्सन ने बुधवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने डॉ. एक्सन का स्वागत करते हुए उन्हें अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) का अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारत लंबे समय से आईपीयू का सदस्य रहा है। भारतीय सांसद कार्यकारी

समिति सहित इसकी विभिन्न समितियों में सक्रिय भागीदार हैं। उन्होंने महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के लिए सांसदों को एक मंच प्रदान करने के लिए आईपीयू की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईपीयू अध्यक्ष के रूप में डॉ. एक्सन सदस्य देशों के बीच समझ तथा संवाद को मजबूत करेंगी और आईपीयू के मूल्यों तथा उद्देश्यों को बनाए रखने की दिशा में काम करेंगी, साथ ही इसे अल्पसंख्यक देशों के लिए प्रासंगिक मुद्दों को उठाने के लिए एक मंच के रूप में उपयोग करेंगी। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारत और तंजानिया के बीच पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। तंजानिया में भारतीय समुदाय भारत-तंजानिया दोस्ती के एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करता है। उन्होंने अक्टूबर 2023 में भारत की राजकीय यात्रा के दौरान राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन के साथ हुई व्यापक बातचीत को भी याद किया।

कारगिल विजय दिवस : जिला मजिस्ट्रेट ने ड्रोन के उपयोग पर लगाया प्रतिबंध

श्रीनगर, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

कारगिल विजय दिवस 2024 और इसके समारोहों में भाग लेने वाली महत्व-पूर्ण हस्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, कारगिल जिला प्रशासन ने 24 से 26 जुलाई तक दरास और कारगिल तहसील में ड्रोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। विशेष रूप से, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर दरास में युद्ध स्मारक पर बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख का दौरा करेंगे।

जिला मजिस्ट्रेट कारगिल श्रीकांत बाला साहिब सुसे द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है, कारगिल विजय दिवस 2024 एवं 25 और 26 जुलाई को ड्यूरस में वी-वीआईपी की यात्रा के मद्देनजर, एसएसपी कारगिल ने इस कार्यालय को नियुक्त किया

है। प्रतिबंध लगाने का आदेश देने का अनुरोध किया गया है वीवीआईपी की सुरक्षा के लिए किसी भी खतरे को दूर करने के लिए मानव रहित हवाई वाहनों (ड्रोन) का उपयोग न किया जाए। आदेश में कहा गया है, इसलिए, भारतीय नागरिक सुरक्षा समिति, 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, मैं श्री कांत बाला साहब, जिला मजिस्ट्रेट, कारगिल को आदेश देता हूं कि 24 से 26 जुलाई तक उप- पत्र के अनुसार, द्रास डिवीजन और कारगिल जिले की सीमाओं और कारगिल तहसील को ड्रोन उड़ाने के लिए नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है और ड्रोन नियम 2021 के तहत मानव रहित हवाई वाहनों के संचालन के लिए क्षेत्र को रेड जोन घोषित किया गया है। यह आदेश पुलिस, अर्धसैनिक बल और एस-पीजी के साथ-साथ रक्षा बलों सहित सुरक्षा एजेंसियों पर लागू नहीं होगा, आ-पातकालीन और समय की कमी को देखते हुए, यह आदेश एकतरफा जारी किया जा रहा है और जनता को संबोधित किया जा रहा है।

यह आदेश उप-मंडल दारास और तहसील कारगिल की राजस्व सीमाओं में जारी किया जाएगा और सूचना और जनसंपर्क विभाग कारगिल द्वारा प्रिंट/डिजिटल/सोशल मीडिया के माध्यम से जिले की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा और इसकी प्रतियां उप-विभाजन को दी जाएंगी। दरास और कारगिल तहसील के कार्यालयों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर चिपकाया गया। आदेश के मुताबिक उक्त आदेश के अनुप-लन के लिए एसएसपी कारगिल जिम्मेदार होंगे। आदेश में कहा गया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

बता दें कि 1999 में कारगिल में पाकिस्तानी सेना पर भारतीय सेना की जीत को हर साल कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है, बाद में भारतीय सेना ने वायु सेना की मदद से पाकिस्तानी सेना और घुसपैठियों को पीछे धकेल दिया और तीन महीने बाद जीत हासिल की युद्ध में इन चोटियों पर पुनः कब्ज़ा कर लिया।

एक साल के अंदर भारत-पाक सीमा पर ड्रोन रोधी तकनीक स्थापित की जाएगी: पुरोहित

अमृतसर, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने बुधवार को सीमा क्षेत्र की गांव स्तरीय रक्षा समितियों के सदस्यों को संबोधित करते हुए घोषणा की कि एक साल के अंदर पूरे भारत-पाक सीमा पर ड्रोन रोधी तकनीक स्थापित की जायेगी, जिससे ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से आने वाले नशीले पदार्थों और हथियारों को रोका जा सकेगा।

श्री पुरोहित ने गांव धनोय में और बाद में गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के हॉल में अमृतसर और तरनतारन के वीएलडीसी सदस्यों से मुलाकात करते हुये केंद्र और पंजाब सुरक्षा एजेंसियों द्वारा नशे के खिलाफ अपनाई गये आक्रामक नीति की सराहना की और कहा कि नागरिक, पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं, इसलिये अच्छे परिणाम सामने आने लगे हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि भारत-पाक सीमा से सटे छह जिलों में अच्छा काम करने वाली समितियों को नकद पुरस्कार दिये जायेंगे, जिसमें प्रथम पुरस्कार तीन लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार दो लाख रुपये तथा तृतीय पुरस्कार एक लाख रुपये होगा। उन्होंने कहा कि राज्य भर में नशे के खात्मे के लिये हर जिले में गांव स्तर पर रक्षा समितियां बनाई जाएं तथा हर वर्ष जिला स्तरीय बैठक बुलायी जाये। उन्होंने नशे से संबंधित अदालती मामलों से निपटने के लिए वकीलों का विशेष पैनल बनाने तथा सजा सुनाये जाने के बाद आरोपी व्यक्ति की संपत्ति तुरंत जब्त करने के भी निर्देश दिये।

श्री पुरोहित ने यह भी निर्देश दिये कि वीएलडीसी सदस्यों को आवश्यकतानुसार शस्त्र लाइसेंस जारी किये जायें तथा इसके अलावा उन्हें पुलिस और नागरिक प्रशासन में सम्मान दिया जाये ताकि लोग आगे आकर इन तस्करों के खिलाफ काम करें। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सीमा क्षेत्र के पुलिस थानों को मजबूत किया जायेगा। उन्होंने कहा कि चूंकि पाकिस्तान के पास भारत से सीधे लड़ने की क्षमता नहीं है, इसलिये यह नशा तस्करी उसके द्वारा छेड़ी जा रही जंग है। उन्होंने सीमा पर बसे गांवों के लोगों की बहादुरी की प्रशंसा करते हुए कहा कि दुश्मन को परास्त करने में आपका सहयोग हमेशा कारगर साबित हुआ है और आज भी नशे की लत को रोकने के लिए पुलिस को आपकी मदद की जरूरत है।

यह बजट मजबूत भारत और विकसित जम्मू की नींव रखेगा : मनोज सिन्हा

श्रीनगर, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के पहले वित्त वर्ष 2024-25 का बजट संसद में पेश हो चुका है। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि यह विकसित भारत और जम्मू-कश्मीर के लिए एक ऐतिहासिक बजट है।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को मीडिया से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मैं पीएम मोदी और वित्त मंत्री का हृदय से स्वागत करता हूं। उन्होंने विकसित भारत के लिए एक ऐतिहासिक बजट संसद में पेश किया है। विकसित भारत की मजबूत बुनियाद के अलावा यह

विकसित जम्मू की भी नींव रखेगा। उन्होंने कहा कि किसान, महिला, युवा और गरीब, ये समाज के चार मुख्य तपके हैं। ये सभी बजट के केंद्र बिंदु रहे हैं। किसानों को कैसे ऑर्गेनिक खेती के जरिए लाभ पहुंचे और खेती की लागत कम हो। युवाओं को कैसे रोजगार मिले, महिलाओं का सशक्तिकरण कैसे किया जाए, बजट में इन सब अहम मुद्दों पर जोर दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार ने बजट में सूक्ष्म एवं लघु उद्योग को बढ़ावा देकर रोजगार को प्रोत्साहन दिया है। जम्मू कश्मीर के चौमुखी विकास के लिए भी केंद्र सरकार ने बजट आवंटित किया है। बजट पारित होने के बाद एक-एक बिंदु पर हम चर्चा करेंगे। वहीं बजट को लेकर विपक्षी पार्टियों के विरोध पर मनोज सिन्हा ने कहा कि जिन लोगों को बजट रास नहीं आ रहा है उनको लोगों ने जवाब दिया है। मैं समझता हूं कि कुछ दिनों में स्थिति सामान्य हो जाएगी। बता दें कि केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए 42 हजार 277 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। पिछले साल की तुलना में इस बार बजट में 1.2 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। जम्मू की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस विभाग को 9 हजार 789 करोड़ रुपये का अतिरिक्त फंड भी दिया गया है।

जम्मू कश्मीर में बिजली उत्पादन 15 फीसदी गिरा

लोग कर रहे बिजली कटौती का सामाना

जम्मू, 24 जुलाई (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में भीषण गर्मी और कम बारिश के कारण जलाशयों में पानी के कम होने से बिजली उत्पादन में 15 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। विभाग से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि अगर ऐसा ही रहा तो आगे और अधिक अभूतपूर्व बिजली कटौती का सामना करना पड़ सकता है।

जम्मू कश्मीर में कुल बिजली उत्पादन, जो मुख्य रूप से जलविद्युत परियोजनाओं से आता है, वर्तमान में 1000 मेगावाट से भी कम है, जबकि इस क्षेत्र में गर्मियों के मौसम में अधिकतम उत्पादन 1200 मेगावाट होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश की कमी के कारण जम्मू-कश्मीर में जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण के लिए आवश्यक नदियां और जल आपूर्ति सूख रही है। उन्होंने दावा किया कि अगर भीषण गर्मी और सूखा जारी रहा तो

ये समस्याएं और भी बढ़ सकती हैं।

मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक मुख्तार अहमद ने बताया कि कश्मीर में जुलाई महीने में अब तक लगभग 70 प्रतिशत कम बारिश हुई है। वादी में सामान्य 64 मिलीमीटर की तुलना में 10 मिलीमीटर से भी कम बारिश हुई। इसके परिणामस्वरूप जल संकट पैदा हो गया है और घरेलू आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। अगर सूखा जारी रहा तो इसका असर कृषि और बागवानी क्षेत्रों पर भी पड़ेगा। अहमद का कहना था कि इस साल सूखे जैसी स्थिति कश्मीर में जलविद्युत उत्पादकों के लिए भी समस्या पैदा करेगी क्योंकि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं।

बिजली विकास विभाग (पीडीडी) के प्रधान सचिव एच राजेश प्रसाद ने स्वीकार किया कि बिजली उत्पादन में कमी आई है, लेकिन उन्होंने कहा कि विभाग बिजली वितरण में मामूली बदलाव के कारण प्रबंधन कर रहा है। उन्होंने कहा कि झेलम और सिंध नदियों पर बिजली संयंत्रों में कुछ कमी आ रही है क्योंकि हमें घरेलू और कृषि जरूरतों के लिए कुछ पानी डायवर्ट करना पड़ता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि चिनाब नदी पर बगलिहार बिजली परियोजना अब पूरी क्षमता से काम कर रही है और प्रमुख जरूरत को पूरा कर रही है।

गौरतलब है कि सोमवार को मौसम विभाग ने दावा किया था कि बारिश की कमी के कारण झेलम नदी में जल स्तर में 30 प्रतिशत की कमी आई है। प्रधान सचिव ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में बिजली उत्पादन बारिश से नहीं बल्कि ग्लेशियरों से होता है, इसलिए ग्लेशियरों के प्रभावित होने पर हमें गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल हम आरामदायक स्थिति में हैं, लेकिन अगर गर्मी जारी रही तो हमारे लिए आगे कठिन समय होगा।

पूर्वांचल के पनियाले को मिलेगा पुनर्जीवन

पूर्वांचल के जिलों के लाखों किसान परिवार होंगे लाभान्वित

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। लुप्तप्राय हो रहे पूर्वांचल के पनियाले को मिलेगा पुनर्जीवन। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से संबद्ध लखनऊ स्थित केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान पिछले साल से इस बाबत पहल कर रहा है। इस कार्य में गोरखपुर स्थित जिला उद्यान विभाग और स्थानीय स्तर के कुछ प्रगतिशील किसान भी बागवानी संस्थान की मदद कर रहे हैं

केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के निदेशक टी दामोदरन ने बताया कि संस्थान का प्रयास होगा कि यहां से विकसित किए जाने वाले पौधों की फलत अधिक हो। लगने वाले फलों की गुणवत्ता भी बेहतर हो। बागवानों को कैनोपी प्रबंधन का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इससे बागों का रखरखाव भी आसान होगा।

उल्लेखनीय है कि पनियाला के पेड़ उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, देवरिया, महाराजगंज क्षेत्रों में पाये जाते हैं। पांच छह दशक पहले इन क्षेत्रों में बहुतायत में मिलने वाला पनियाला अब लुप्तप्राय है। स्वाद में यह खट्टा कुछ मीठा और थोड़ा सा कसैला होता है। जामुनी रंग के इसके कुछ गोल और चपटे पके फल को हाथ में लेकर थोड़ा घुलाने से इसका स्वाद थोड़ा मीठा हो जाता है। स्वाद में खास होने के साथ यह औषधीय गुणों से भरपूर

होता है।

पनियाला को लुप्त होने से बचाने और बेहतर गुणवत्ता के पौध तैयार करने के लिए पिछले साल भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से संबद्ध केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के वैज्ञानिकों ने गोरखपुर और पड़ोसी जिलों के पनियाला बाहुल्य क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया। इस दौरान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. दुष्यंत मिश्र एवं डा. सुशील कुमार शुक्ल ने कुछ स्वस्थ पौधों से फलों के नमूने लिए। दोनों वैज्ञानिकों ने बताया कि अब संस्था की प्रयोगशाला में इन फलों का भौतिक एवं रासायनिक विश्लेषण कर उनमें उपलब्ध विविधता का पता किया जा जाएगा। उपलब्ध प्राकृतिक वृक्षों से सर्वोत्तम वृक्षों का चयन कर उनको संरक्षित करने के साथ कलमी विधि से नए पौधे तैयार कर इनको किसानों और बागवानों को उपलब्ध कराया जाएगा।

डॉक्टर दुष्यंत ने बताया कि पिछले साल जब हम गए थे तो सीजन ऑफ हो गया था। फलों की गुणवत्ता उतनी अच्छी नहीं थी। फिर भी जो फल और पौधे लाए गए थे उनका एक ब्लॉक बनाकर विकास किया जा रहा है। इस साल दशहरे के आस पास जब पनियाला का पीक सीजन होता है उस समय संस्था की टीम जाकर गुणवत्ता के फल लाकर उनकी गुणवत्ता चेक करेगी। जो सबसे बेहतर गुणवत्ता के फल होंगे उनसे ही नर्सरी तैयार कर किसानों को दी जाएगी। निदेशक टी दामोदरन का कहना है कि संस्था किसानों को तकनीक के अलावा बाजार उपलब्ध कराने तक सहयोग करेगी।

मालूम हो कि पनियाला के पत्ते, छाल, जड़ों एवं फलों में एंटी बैक्टिरियल प्रापर्टी होती है। इसके नाते पेट के कई रोगों में इनसे लाभ होता है। स्थानीय स्तर पर पेट के कई रोगों, दांतों एवं मसूढ़ों में दर्द, इनसे खून आने, कफ, निमोनिया और खरास आदि में भी इसका प्रयोग किया जाता रहा है। फल, लीवर के रोगों में भी उपयोगी पाया गया है। पनियाला के फल में विभिन्न एंटीऑक्सीडेंट भी मिलते हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश के छठ त्योहार पर इसके फल 300 से 400 रुपए किलो तक बिक जाते हैं ।

इन्हीं कारणों से इस फल को भारत सरकार द्वारा गोरखपुर का भौगोलिक उपदर्श (ज्योग्राफिकल इंडिकेटर) बनाने का प्रयास जारी है। पनियाला के फलों को जैम, जेली और जूस के रूप में संरक्षित कर लंबे समय तक रखा जा सकता है। लकड़ी, जलावन और कृषि कार्यो के लिए उपयोगी है।

औषधीय गुणों से भरपूर पनियाला के लिए जीआई टैगिंग संजीवनी साबित होगी। इससे लुप्तप्राय हो चले इस फल की पूछ बढ़ जाएगी। सरकार द्वारा इसकी ब्रांडिंग से भविष्य में यह भी टेराकोटा की तरह गोरखपुर का खास ब्रांड होगा। कृषि विज्ञान केंद्र बेलीपार (गोरखपुर) के वरिष्ठ हॉर्टिकल्चर वैज्ञानिक डॉक्टर एस पी सिंह के अनुसार जीआई टैग मिलने का लाभ न केवल गोरखपुर के किसानों को बल्कि देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संतकबीरनगर, बहराइच, गोंडा और श्रावस्ती के बागवानों को भी मिलेगा। ये सभी जिले समान एग्रो क्लाइमेटिक जोन (कृषि जलवायु क्षेत्र) में आते हैं। इन जिलों के कृषि उत्पादों की खूबियां भी एक जैसी होंगी।

जीआई टैग किसी क्षेत्र में पाए जाने वाले कृषि उत्पाद को कानूनी संरक्षण प्रदान करता है। जीआई टैग द्वारा कृषि उत्पादों के अनाधिकृत प्रयोग पर अंकुश लगाया जा सकता है। यह किसी भौगोलिक क्षेत्र में उत्पादित होने वाले कृषि उत्पादों का महत्व बढ़ा देता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जीआई टैग को एक ट्रेडमार्क के रूप में देखा जाता है। इससे निर्यात को बढ़ावा मिलता है, साथ ही स्थानीय आमदनी भी बढ़ती है। विशिष्ट कृषि उत्पादों को पहचान कर उनका भारत के साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात और प्रचार-प्रसार करने में आसानी होती है।

पनियाला परंपरागत खेती से अधिक लाभ देता है। कुछ साल पहले करमहिया गांव सभा के करमहा गांव में पारस निषाद के घर यूपी स्टेट बायोडायवर्सिटी बोर्ड के आर. दूबे गये थे। पारस के पास पनियाला के नौ पेड़ थे। अक्टूबर में आने वाले फल के दाम उस समय प्रति किग्रा 60-90 रुपए थे। प्रति पेड़ से उस समय उनको करीब 3300 रुपए आय होती थी। अब तो ये दाम पांच से छह गुने तक हो गए हैं। लिहाजा आय भी इसी अनुरूप बढ़ गई। खास बात ये है कि पेड़ों की ऊंचाई करीब नौ मीटर होती है। लिहाजा इसका रखरखाव भी आसान होता है।

लापरवाह आरआई और एआरटीओ निलंबित

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। सरकारी कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर सीएम योगी का एक्शन जारी है। ताजा घटनाक्रम में योगी सरकार ने जनपद चित्रकूट के अंतर्गत स्कूली बस का फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने में लापरवाही पर एक्शन लेते हुए जिले के संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया, जबकि सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) के विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की संस्तुति की गई है। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सरकारी कार्यों में किसी भी तरह की हीला हवाली न की जाए। खासतौर पर भ्रष्टाचार और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मियों पर सीएम योगी ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए हैं।

मंगलवार 23 जुलाई को जनपद चित्रकूट के श्रीजी इंटर कॉलेज, खोह के छोटे-छोटे बच्चों को लेकर आ रही दो बसों को वाहन की फिटनेस समाप्त हो जाने के कारण सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) चित्रकूट की टीम द्वारा सीज कर बच्चों सहित 10 किमी दूर पुलिस लाइन ले जाया गया था। वाहन को 11:15 बजे सीज कर फायर सर्विस परिसर पुलिस लाइन में दाखिल किया गया व 13:05 बजे छोड़ा गया। इसके चलते करीब दो घंटे तक बस को खड़ा रखा गया। जानकारी के अनुसार, चित्रकूट जनपद के संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) गुलाब चंद्र को संबंधित स्कूलों में जाकर स्कूली बसों के फिटनेस चेक करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन उनके द्वारा आदेशों की अवहेलना की गई, जिसके कारण दोनों वाहनों का फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी नहीं हो पाया। ऐसे में वाहनों को सीज करना पड़ा, जिससे बच्चों को भी तकलीफ हुई।

बुधवार को मामला संज्ञान में आने के बाद योगी सरकार ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की। इसके तहत संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) गुलाब चंद्र को प्रथम दृष्टया उत्तरदायी पाए जाने के कारण उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं, मामले में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) विवेक कुमार शुक्ला के विरूद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने की संस्तुति की गई है।

देसी खेलों से परिचित हुए परिषदीय स्कूलों के छात्र

शिक्षा सप्ताह के तीसरे दिन हुआ खेल दिवस का आयोजन

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। योगी सरकार परिषदीय विद्यालयों में पढ़ाई के साथ-साथ छात्रों को खेलों में भी पारंगत बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। इसी क्रम में बुधवार को प्रदेश के सभी परिषदीय विद्यालयों में खेल दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने स्थानीय और स्वदेशी खेलों के विषय में जाना और इसमें हिस्सा भी लिया। उल्लेखनीय है कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर 22 से 28 जुलाई के बीच परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में शिक्षा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 24 जुलाई को खेल दिवस के अंतर्गत खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस आयोजन के संबंध में महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा की ओर से समस्त बीएसए, बीईओ एवं डीसीटी व डीसी गर्ल्स को गतिविधियों के संबंध में निर्देश प्रदान किए थे। शिक्षा सप्ताह के तीसरे दिन सभी परिषदीय विद्यालयों में खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान ऋस्थानीय खेलों के आयोजन के साथ ही स्वदेशी खेलों और उनके महत्व के बारे में छात्रों को जानकारी प्रदान की गई। इसके अलावा, प्राचीन भारतीय खेलों के इतिहास और महत्व की जानकारी एवं प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर रस्सी कूदना, विष-अमृत, खो-खो, कबड्डी इत्यादि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्सव के माहौल में किया गया। साथ ही, छात्रों को प्रेरित करने के लिए स्थानीय प्रेरक व्यक्तित्व को भी आमंत्रित किया गया। इनमें एसएमसी, माता-पिता एवं सामाजिक संगठनों को स्थानीय खेलों की महत्ता के बारे में जानकारी देने के लिए आमंत्रित किया गया। इस दौरान विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की प्रतिभागिता भी सुनिश्चित की गई।

योगी सरकार का आदेश : तहसील में ही रहेंगे उपजिलाधिकारी और तहसीलदार

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। जनता की समस्याओं को सुनने और समय पर उनकी समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित कराने के लिए योगी सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। गुड गवर्नेंस की अपनी प्रतिबद्धता का अनुकरण करते हुए सरकार ने प्रदेश भर की विभिन्न तहसीलों में तैनात उपजिलाधिकारी (एसडीएम) एवं तहसीलदार को अब उसी तहसील में निवास करने का आदेश जारी किया है।

इस आदेश का उद्देश्य यह है कि उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार ज्यादा से ज्यादा समय अपनी तहसील में बिताएं एवं जनसामान्य की समस्याओं को सुनकर निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत उसका निराकरण करने का प्रयास करें। इससे न सिर्फ अधिकारियों की, बल्कि सरकार की छवि में भी सुधार होगा। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की ओर से सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें मंडलायुक्त और जिलाधिकारियों को इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य सचिव की ओर से मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को जो निर्देश दिए गए हैं, उसके अनुसार जनसमस्याओं का ससमय निराकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार की गुड गवर्नेंस की प्रतिबद्धता के लिए यह आवश्यक है कि तहसील स्तरीय प्रशासन पूरी सजगता व तत्परता से कार्य करें। इस निर्देशन व पर्यवेक्षण को सशक्त बनाने के लिए यह आवश्यक है कि संबंधित तहसीलदार एवं उपजिलाधिकारी जिस तहसील में तैनात हैं, वहीं निवास करें। तहसील राजस्व प्रशासन के अंतर्गत सौंपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी तरह हो, यह सुनिश्चित करना संबंधित जिलाधिकारी व मंडलायुक्तगण का प्राथमिक दायित्व है। संबंधित जिलाधिकारी व मंडलायुक्तगण यह सुनिश्चित करेंगे कि संबंधित तहसीलदार व उपजिलाधिकारी जिस तहसील में तैनात किए गए हैं, वहीं निवास करें। सभी जिलाधिकारी ईमेल आईडी पर 7 दिन के अंदर इस आशय का सर्टिफिकेट उपलब्ध कराएंगे। वहीं संबंधित मंडलायुक्त एवं शासन स्तर से इस विषय का आकस्मिक निरीक्षण व जांच भी की जाएगी। संबंधित तहसीलदार व उपजिलाधिकारी यदि तहसील में निवासरत नहीं पाए गए तो उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही संबंधित जिलाधिकारी का भी उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा। इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

युवाओं को दृश्य कला से जोड़ने के लिए सरकार ने शुरू किया नया कोर्स

लखनऊ, 24 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के युवाओं को विभिन्न सेक्टर में स्किल्ड बनाने के लिए तमाम प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में अब संस्कृति विभाग की ओर से उप्र राज्य ललित कला अकादमी ने भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के साथ मिलकर युवाओं को दृश्यकला से जोड़ने का अभिनव प्रयास किया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट (बीवीए चित्रकला) की नियमित 4 वर्षीय कोर्स को शैक्षणिक सत्र 2024-25 से प्रारम्भ किया जा रहा है। इसमें प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिसकी अंतिम तिथि भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल के माध्यम से 15 अगस्त 2024 तक है।

राज्य ललित कला अकादमी की निदेशक डॉ. श्रद्धा शुक्ला के अनुसार बीवीए (चित्रकला) में 20 सीटें हैं। इसमें प्रवेश लेने के लिए पंजीकरण शुल्क सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 500 रुपए तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ईडब्लूएस एवं महिला अभ्यर्थियों के लिए 300 रुपए निर्धारित हैं। आवेदन करने वाले छात्र-छात्राओं ने किसी भी मान्यता प्राप्त इण्टर कॉलेज से इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की हो। अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।

निदेशक ने बताया कि प्रति सेमेस्टर शुल्क 6000 रुपए एवं परीक्षा शुल्क 800 रुपए अतिरिक्त देय होगा। अकादमी द्वारा बीवीए शैक्षणिक सत्र के दौरान लखनऊ की प्रसिद्ध वॉश तकनीकी जो कि बंगाल स्कूल ऑफ आर्ट्स से प्रचलित होकर लखनऊ की पहचान बनी, इस तकनीकी का ज्ञान एवं संवर्धन अध्ययनरत छात्रों को कराया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न लोक चित्रशैली की तकनीकी का शिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा छात्र-छात्राओं में सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देकर उनके सर्वांगीण विकास के लिए भी कार्य किया जाएगा।

फिरोजाबाद के ट्रांसपोर्ट नगर और पचवन में होगा कमर्शियल टाउनशिप का विकास

लखनऊ/फिरोजाबाद, 24 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश के तौर पर विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने कांच नगरी के तौर पर विख्यात फिरोजाबाद में 'फ्यूचरिस्टिक टाउनशिप' के विकास की तैयारी शुरू कर दी है। सीएम योगी के विजन अनुसार, फिरोजाबाद स्थित ट्रांसपोर्ट नगर तथा पचवन क्षेत्र में विकसित की जा रही टाउनशिप कई मायनों में विशिष्ट होगी। इसे शहर के इकोनॉमिक ग्रोथ के भागीदार के तौर पर विकसित करने के साथ ही रेजिडेंशियल, टूरिज्म, हॉस्पिटैलिटी व कमर्शियल एक्टिविटी के हब के तौर विकसित करने की तैयारी की जा रही है। इन कार्यों को पूरा करने और डिजाइन, डीटेल्ड ले-आउट प्लान और एग्जिक्यूशन के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एजेंसी के निर्धारण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। फिरोजाबाद-शिकोहाबाद विकास प्राधिकरण ने इस प्रक्रिया की शुरुआत करते हुए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) माध्यम से आवेदन मांगे हैं। उल्लेखनीय है कि इस टाउनशिप की योजना मुख्य रूप से फिरोजाबाद आने वाली अस्थायी आबादी के एक हिस्से को समायोजित करने के लिए बनाई गई है। शहर में पर्यटकों की आमद और सुविधाओं के विकास के साथ ये टाउनशिप उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने का माध्यम बनेंगी।

टाउनशिप में स्टार होटल और गेस्ट हाउस, सेवा आबादी के लिए आवासीय विकास के साथ-साथ आवश्यक सहायक वाणिज्यिक, खुले और हरे भरे स्थान, जल धारण तालाब, कुटीर उद्योग, गोदाम और अन्य सामाजिक बुनियादी ढांचे के लिए जगह उपलब्ध कराई जाएगी। टाउनशिप एक एकीकृत टाउनशिप है जिसका ध्यान आवासीय, स्टार होटल, संस्थानों, उत्कृष्टता केंद्रों, वाणिज्यिक और अन्य सहायक बुनियादी ढांचे के विकास पर है। टाउनशिप की परिकल्पना एक उत्पादक संस्कृति के तनाव मुक्त शहर के रूप में की गई है। नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए टाउनशिप में उत्कृष्टता के संस्थानों की स्थापना की जाएगी जो पूर्वी यूपी के विकास के लिए एक हब के रूप में कार्य करेगा। टाउनशिप को एक सस्टेनेबल मॉडल पर विकसित किया जाएगा जो कि प्रदूषण, शोर और तनाव से मुक्त होगा और उसे प्राकृतिक नियमों के अनुरूप एक समग्र संरचना के रूप में डिजाइन किया गया जाएगा, यानी सेल्फ सफिशिएंट टाउनशिप के तौर पर विकसित किया जाएगा।

5 मिनट सिटी कॉन्सेप्ट के आधार पर टाउनशिप का विकास किया जाएगा जिसके अंतर्गत 5 मिनट के अंतराल में किसी सेक्टर में मौजूद सुविधाओं तक पहुंचा जा सकेगा। टाउनशिप में नर्सरी से लेकर माध्यमिक तक के स्कूल, स्वास्थ्य सेवा केंद्र, डाक सेवाएं, पुलिस स्टेशन/नियंत्रण केंद्र, ई-सुविधा केंद्र, खेल केंद्र क्लब आदि जैसी सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इतना ही नहीं, टाउनशिप में मुख्य सड़क की दोनों तरफ 2 विशेष ईवी लेन का निर्माण किया जाएगा। यहां ईवी फास्ट चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की जाएगी जिससे ई-रिक्शा व ई-व्हीकल्स की चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इसके अतिरिक्त, नॉन मोटराइज्ड ट्रांसपोर्ट साइकिल लेन व पार्किंग जैसी सुविधाओं का भी विकास किया जाएगा।

टाउनशिप में ब्लू व ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास किया जाएगा। ग्रीन स्पेस को लैंडस्केप व हेरिटेज थीम पर विकसित किया जाएगा जिसे रिटेंशन पॉन्ड्स व जल स्रोतों से भी जोड़ा जाएगा।

संपादकीय

बेतुके आदेशों से सांप्रदायिक सौहार्द पर आंच

सावन के माह में शिवभक्तों की कांवड़ यात्रा का लंबा पौराणिक इतिहास रहा है। आस्था के साथ इसका सांप्रदायिक सौहार्द का पक्ष भी सबल रहा है। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार के एक हालिया आदेश से एक अनावश्यक विवाद को बल मिला है। दरअसल, प्रदेश सरकार ने आदेश दिया है कि कांवड़ मार्गों पर सभी खाद्य व पेय पदार्थों की दुकानों तथा होटलों के संचालकों व मालिकों को अपना नाम व पहचान प्रदर्शित करनी होगी। दलील दी गई है कि कांवड़धारियों की आस्था की पवित्रता को बनाये रखने तथा कांवड़ियों की शांतिपूर्ण आवाजाही सुनिश्चित करने के लिये आधिकारिक तौर पर यह कदम उठाया गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हलाल-प्रमाणित उत्पाद बेचने वाले विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए विपक्षी दलों के नेताओं व अन्य संप्रदायों के लोगों ने आदेश को अल्पसंख्यकों को अलग-थलग करने की कोशिश बताया है। दरअसल, एक पखवाड़े से अधिक समय तक चलने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों और दुकानदारों के बीच अक्सर हिंसा देखने में आती रही है। जिसकी मुख्य वजह यह रही है कि कांवड़ियों और दुकानदारों के बीच मांसाहारी भोजन को लेकर बहस व विवाद होता रहा है। यही वजह है कि अगस्त, 2018 में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कांवड़ यात्रा के दौरान भड़की हिंसा व टकराव में निजी व सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता से लिया था। इतना ही नहीं, वर्ष 2022 में हरिद्वार में हरियाणा के कांवड़ियों के साथ हुए विवाद में सेना के एक जवान की कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। निस्संदेह, कांवड़ यात्रा के दौरान विभिन्न प्रकार के टकरावों से बचने के लिये राज्य सरकारों का दायित्व बनता है कि यात्रा मार्ग पर पर्याप्त संख्या पर पुलिसकर्मियों को तैनात करे। ताकि किसी भी प्रकार की हिंसा व गड़बड़ी को टाला जा सके। लेकिन एक बात तय है कि अल्पसंख्यकों द्वारा संचालित दुकानों को चिन्हित करने से न केवल सांप्रदायिक अलगाव को बढ़ावा मिलेगा, इस बात की भी कोई गारंटी नहीं है कि इससे कांवड़ियों व राहगीरों के बीच कोई टकराव नहीं होगा। दूसरी ओर केंद्र में सत्तारूढ़ राजग सरकार में शामिल भाजपा के दो सहयोगियों जनता दल यूनाइटेड तथा लोक जनशक्ति पार्टी ने भी यूपी सरकार के इस आदेश की आलोचना की है। वहीं बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस आदेश को असंवैधानिक बताया है। यह साफ है कि उत्तर प्रदेश में हाल के लोकसभा चुनावों में ध्रुवीकरण की रणनीति भाजपा के लिये लाभदायक साबित नहीं हुई थी। लेकिन पार्टी राज्य में होने वाले विधानसभा उपचुनाव से पहले इसे फिर आजमाने के प्रलोभन से बच नहीं पायी है। दरअसल, चुनावी उलटफेर के बाद अपेक्षित चुनाव परिणाम हासिल न कर पाने वाली भाजपा अपने निराश बहुसंख्यक मतदाताओं को फिर अपने पाले में करने के लिये लालायित नजर आ रही है। लेकिन राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि यह चाल भाजपा के लिए उलटी भी पड़ सकती है।

आस्था के साथ इसका सांप्रदायिक सौहार्द का पक्ष भी सबल रहा है। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार के एक हालिया आदेश से एक अनावश्यक विवाद को बल मिला है। दरअसल, प्रदेश सरकार ने आदेश दिया है कि कांवड़ मार्गों पर सभी खाद्य व पेय पदार्थों की दुकानों तथा होटलों के संचालकों व मालिकों को अपना नाम व पहचान प्रदर्शित करनी होगी। दलील दी गई है कि कांवड़धारियों की आस्था की पवित्रता को बनाये रखने तथा कांवड़ियों की शांतिपूर्ण आवाजाही सुनिश्चित करने के लिये आधिकारिक तौर पर यह कदम उठाया गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हलाल-प्रमाणित उत्पाद बेचने वाले विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए विपक्षी दलों के नेताओं व अन्य संप्रदायों के लोगों ने आदेश को अल्पसंख्यकों को अलग-थलग करने की कोशिश बताया है। दरअसल, एक पखवाड़े से अधिक समय तक चलने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों और दुकानदारों के बीच अक्सर हिंसा देखने में आती रही है। जिसकी मुख्य वजह यह रही है कि कांवड़ियों और दुकानदारों के बीच मांसाहारी भोजन को लेकर बहस व विवाद होता रहा है। यही वजह है कि अगस्त, 2018 में पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कांवड़ यात्रा के दौरान भड़की हिंसा व टकराव में निजी व सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता से लिया था।

बजट में जहां बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष योजनाओं से जोड़ा गया है वहीं महंगाई को नियंत्रित करने की मंशा साफ दिखाई दी

अर्थव्यवस्था को तीव्र गति एवं महाशक्ति बनाने वाला बजट

ललित गर्ग

तीसरे कार्यकाल का प्रथम सम्पूर्ण बजट वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रस्तुत किया, उनकी ओर से प्रस्तुत यह बजट एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला है। संभावना है कि इस बजट में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, नौकरीपेशा का थोड़ी राहत, बुनियादी ढांचे में निवेश, पर्यटन को बढ़ावा, आदिवासी उन्नयन, क्षमता विस्तार, हरित एवं कृषि विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी के नये भारत-सशक्त भारत-विकसित पर बल दिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का प्रथम सम्पूर्ण बजट वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रस्तुत किया, उनकी ओर से प्रस्तुत यह बजट एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला है। संभावना है कि इस बजट में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, नौकरीपेशा का थोड़ी राहत, बुनियादी ढांचे में निवेश, पर्यटन को बढ़ावा, आदिवासी उन्नयन, क्षमता विस्तार, हरित एवं कृषि विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी के नये भारत-सशक्त भारत-विकसित पर बल दिया गया है। वित्त मंत्री ने सरकार की 9 प्राथमिकताओं - खेती में उत्पादकता और मजबूती बढ़ाना, रोजगार और स्किल डेवलपमेंट, मानव संसाधन का समावेशी विकास और सामाजिक न्याय, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज, अर्बन डेलपमेंट, एनर्जी सिक्योरिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, इन्नोवेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म्स का ऐलान किया है, जो देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति देगा। बजट में जहां बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष योजनाओं से जोड़ा गया है वहीं महंगाई को नियंत्रित करने की मंशा साफ दिखाई दी है। विकास, स्टार्टअप और रोजगार सृजन के कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह बजट देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा। सातवीं बार बजट प्रस्तुत कर वित्तमंत्री सीमारमण ने पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई द्वारा स्थापित रिकॉर्ड को तोड़ दिया है, जिन्होंने वित्त मंत्री के रूप में पांच वार्षिक बजट और एक अंतरिम बजट पेश किया था।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था को तीव्र गति देने की दृष्टि से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को लोकसभा में प्रस्तुत आम बजट इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित

अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है, जो इस बजट से पूर्ण होता हुआ दिखाई देता है। इस बजट में मध्यम वर्ग को लम्बे अन्तराल के बाद 7 लाख रुपये तक की कुल कमाई करने वालों को बड़ी राहत दी है। नए टैक्स रिजीम के तहत स्टैंडर्ड डिडक्शन की लिमिट 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दिया गया है। साथ ही नए टैक्स रिजीम में टैक्स स्लैब में बदलाव किया गया है। बजट में लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स में भी कुछ अहम बदलाव करने का एलान किया है। मौजूदा नियमों के तहत एक वित्त वर्ष के दौरान अधिकतम 1 लाख रुपये तक के लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन पर कोई टैक्स नहीं लगता है। इस लिमिट को बढ़ाकर 1.25 लाख रुपये सालाना कर दिया गया है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'नवाचार, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिये बुनियादी अनुसंधान और प्रोटोटाइप विकास के लिए अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान कोष की स्थापना की घोषणा की। वाणिज्यिक स्तर पर निजी क्षेत्र द्वारा संचालित अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का वित्तपोषण पूल भी बनाया जाएगा। मोबाइल फोन और मोबाइल पीसीबीएस तथा मोबाइल चार्जर पर बीसीडी को घटाकर 15 प्रतिशत करने का प्रस्ताव किया गया है। वित्तीय घाटा 2024-25 तक सकल घरेलू उत्पाद का 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। लक्ष्य घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे पहुंचाने का लक्ष्य है। 25,000 ग्रामीण बस्तियों को सभी मौसमों के अनुकूल सड़कें प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चरण 4 का शुभारंभ किया जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास बनाए जाएंगे। छात्रावासों और क्रेच के माध्यम से कार्यबल में महिलाओं की अधिक भागीदारी को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय सहयोग नीति लाएगी। घरेलू संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख तक के ऋण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने का भी प्रस्ताव है। इस वर्ष शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

भारत की अर्थव्यवस्था को तीव्र गति देने की दृष्टि से यह बजट कारगर साबित होगा, जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे, रोजगार के नये अवसर सामने आयेंगे, उत्पाद एवं विकास को तीव्र गति मिलेगी। चालू वित्त वर्ष में आर्थिक क्षेत्र में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन इन सब स्थितियों के बावजूद इस बजट प्रावधानों के माध्यम से देश को स्थिरता की तरफ ले जाते दिखाई पड़ रहे हैं। बजट हर वर्ष आता है। अनेक विचारधाराओं वाले वित्तमंत्रियों ने विगत में कई बजट प्रस्तुत किए। पर हर बजट लोगों की मुसीबतें बढ़ाकर ही जाता रहा है। लेकिन इस बार बजट ने अर्थव्यवस्था में नयी परम्परा के साथ राहत की सांसें दी है तो नया भारत- सशक्त भारत-विकसित के निर्माण का संकल्प भी व्यक्त किया है। इस बजट में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रेलों का विकास, सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचागत क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ किसानों, आदिवासियों, गांवों और गरीबों को ज्यादा तवज्जो दी गयी है। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक आर्थिक विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी। इस बार के बजट से हर किसी ने काफी उम्मीदें लगा रखी थीं और उन उम्मीदों पर यह बजट खरा उतरा है। विशेषतः नौकरीपेशा लोगों ने राहत की सांस ली है।

संभवतः इस बजट को नया भारत निर्मित करने की दिशा में लोक-कल्याणकारी बजट कह सकते हैं। यह बजट वित्तीय अनुशासन स्थापित करने की दिशाओं को भी उद्घाटित करता है। आम बजट न केवल आम आदमी के सपने को साकार करने, आमजन की आकांक्षाओं को आकार देने और देशवासियों की आशाओं को पूर्ण करने वाला है बल्कि यह देश को समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण एवं दूरगामी सोच से जुड़ा कदम है। बजट के सभी प्रावधानों एवं प्रस्तावों में जहां 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है।

दृष्टि कोण

शेख हसीना को चरम भ्रष्टाचार और विकराल बेरोजगारी पर पाना होगा काबू तभी दे पाएंगी नया संदेश

बांग्लादेश एक बार फिर संकट के कगार से वापस लौट आया है, जिसमें न्यायालय के उस निर्णय से मदद मिली है, जिसमें 1971 में पाकिस्तान के साथ मुक्ति युद्ध में संघर्ष करने वाले लोगों के वंशजों के लिए शैक्षणिक संस्थानों एवं नौकरियों में आरक्षण कोटे में भारी कटौती की गई है। अदालत ने स्वतंत्रता सेनानियों के कोटे को 30 फीसदी से घटाकर पांच फीसदी कर दिया है, जबकि नस्लीय अल्पसंख्यकों के दो फीसदी के कोटे को बरकरार रखा है और योग्यता आधारित चयन के लिए 93 फीसदी सीटें खुली रखी हैं। शीर्ष अदालत ने आरक्षण को पूरी तरह खत्म नहीं किया, बल्कि निचली अदालत के उस फैसले को रद्द किया है, जिससे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था। शीर्ष अदालत के इस फैसले ने शेख हसीना सरकार और आंदोलनकारी छात्रों, दोनों की प्रतिष्ठा बचाई है। लेकिन काफी कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि हसीना सरकार, जो विरोध प्रदर्शन की गंभीरता का आकलन करने में पूरी तरह विफल रही, बाद के हालात से कैसे निपटती है। यह एक लंबी प्रक्रिया की केवल शुरुआत है, जबकि सभी स्तरों पर भ्रष्टाचार और युवाओं में बेरोजगारी जैसे गहरे कारण अब भी बने हुए हैं। हसीना के इस बयान ने भी आंदोलन को हवा दी कि 'अगर स्वतंत्रता सेनानियों को नहीं, तो क्या रजाकारों के लिए आरक्षण होना चाहिए।' उनका यह बयान इस्लामवादियों के खिलाफ उनके राजनीतिक हमले का एक हिस्सा था, जो अंदर और बाहर से उन्हें चुनौती देते रहते हैं। 'रजाकार' उन समूहों को कहा जाता है, जिनका इस्तेमाल पाकिस्तानी अधिकारियों ने 1971 में बांग्लादेश के हितों के खिलाफ किया था। इसने आंदोलनकारियों को भड़का दिया, जो किसी भी राजनीतिक दल के साथ संबद्धता से इन्कार करते हैं। लेकिन बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथियों के आंदोलन का एक लंबा इतिहास है, जिन्हें कथित रूप से बाहर से बढ़ावा मिलता है, जो किसी भी विरोध प्रदर्शन को हथिया लेते हैं और मौजूदा प्रदर्शन इसका अपवाद नहीं है। आंदोलनकारी छात्र आरक्षण की इस व्यवस्था को भेदभावपूर्ण मानते हैं और योग्यता के आधार पर भर्ती की मांग करते हैं। आजादी के बाद से यह बांग्लादेश का सबसे खराब संकट है, जिसमें अनुमानतः 100 से 130 लोगों की मौतें हुई हैं (आलोचकों का दावा है कि वास्तविक संख्या इससे अधिक है)। आंदोलन कई हफ्तों तक चला। इस आंदोलन में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया, जमात-ए इस्लामी एवं अन्य सामाजिक रूप से शक्तिशाली इस्लामी कट्टरपंथी समूहों की भूमिका देखी जा सकती है। पंद्रह साल से अधिक समय से लगातार सत्ता में काबिज हसीना, दुनिया की सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली महिला नेता हैं, जो वस्तुतः एकतरफा शासन करती हैं और उन पर तानाशाही के आरोप हैं। उन्हें बढ़ते मध्यम वर्ग से भी निपटना है, जो उनकी सरकार की आर्थिक प्रगति से मजबूत हुआ है, जो महत्वाकांक्षी है और नौकरी व बेहतर जीवन चाहता है। मुक्ति आंदोलन बांग्लादेशियों की भावनात्मक जीवन रेखा है, लेकिन आबादी के एक बड़े वर्ग ने उसमें भाग नहीं लिया था। इसी वर्ग की तीसरी पीढ़ी स्वतंत्रता सेनानियों एवं उनकी तीसरी-चौथी पीढ़ियों को मिलने वाले आरक्षण को गैर-जरूरी मानती है, और अपनी कीमत पर कुछ लोगों को विशेषाधिकार दिए जाने से नाराज है। 17 करोड़ की आबादी वाले इस दक्षिण एशियाई राष्ट्र में आंदोलन कोई नई बात नहीं है, पिछले हफ्ते के प्रदर्शन जितने तीव्र थे, वैसे आज तक नहीं देखे गए। हालांकि 2009 में शेख हसीना के सत्ता में लौटने के बाद से बांग्लादेश तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, लेकिन अन्य विकासशील देशों की तरह इसने पर्याप्त नौकरियां पैदा नहीं की है। यह कोविड-19 महामारी के कारण मंदी से जूझ रहा था, जब यूक्रेन युद्ध के कारण तेल की कीमतों में भारी वृद्धि हुई। एक अनुमान के मुताबिक, 1.8 करोड़ बांग्लादेशी युवा रोजगार की तलाश में हैं। कम पढ़े-लिखे की तुलना में उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं में बेरोजगारी दर ज्यादा है। यह संकट मुल्क में सामाजिक बदलाव की स्थिति को भी दर्शाता है। पिछले आंदोलनों का नेतृत्व सरकारी विश्वविद्यालयों ने किया था, लेकिन इस बार निजी विश्वविद्यालयों की भागीदारी भी बराबर रही, जहां धनी परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं। इस संकट ने बांग्लादेश के पड़ोसी देशों को भी चिंतित किया। वास्तव में यह आंदोलन तभी पनपने लगा था, जब हाल ही में हसीना ने दो बार भारत का दौरा किया। हसीना सरकार के प्रति दोस्ताना रवैया रखने वाले भारत ने इसे बांग्लादेश का अंदरूनी मामला बताया है, जबकि बांग्लादेश के साथ सीमा साझा करने वाले भारत के पूर्वोत्तर राज्यों ने नेपाली, भूटानी एवं अन्य राष्ट्रों के छात्रों को वहां से निकलने में मदद की। 4,300 किलोमीटर की सीमा के दोनों ओर 600 से ज्यादा ट्रक फंसे हुए हैं, जिससे व्यापार और मानव आवाजाही प्रभावित हो रही है।

कुछ अलग

बहुत कुछ गप है मगर सर्वर ठप है

माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर ठप हो गया, तो तमाम एयरलाइंस, टीवी चैनल, बैंक वगैरह समेत जाने क्या-क्या ठप हो गया। सर्वर ने जो ठप न किया, उसे कई निकम्मे एंप्लाइज़ ने ठप कर दिया। एक सरकारी बैंक के कर्मचारी ने जवाब दिया कि आज कुछ न हो सकता, सर्वर ठप है। जबकि कस्टमर ने सिर्फ यह पूछा था कि भाई साहब बहुत गर्मी है पानी मिल सकता है क्या। भानगढ़ किले के भूत ने उस भुतहा टीवी कार्यक्रम में आने से इनकार कर दिया यह कहते हुए कि सर्वर ठप है। वैसे भानगढ़ किले का भूत परमानेंट न्यूज से गायब हो जाये, ऐसे सर्वर ठप्पीकरण का तो वेलकम किया जाना चाहिए। हर तरफ सर्वरी हल्ला रहा। सर्वर चलता रहा है, तो कोई न पूछता था। सर्वर रुक गया, तो चर्चा हो गयी। मतलब मामला कुछ-कुछ शादी के नाराज फूफा टाइप हो लिया। किसी शादी में कोई फूफा टाइप बहुत शराफत से खा-पीकर चले जायें, तो कोई नोटिस नहीं करता। अगर कोई फूफा नाराज हो जायें, हल्ला-सा काट दें, तो सब तरफ उनका नोटिस लिया जाता है। कई निकम्मों ने अपने निकम्मेपन की जिम्मेदारी सर्वर पर डाल दी। एक शराबी दारू पीकर दादर स्टेशन पर लुढ़क गया, पुलिस ने डपटा तो उसने बताया कि सर्वर ठप है। अब बस यह न हो कि राहजन आपको रिवाल्वर दिखाकर कहे कि निकाल दीजिये रकम और यह बहाना मत बनाइये कि सर्वर ठप है, बिना सर्वरबाजी के आपकी रकम मेरी जेब में आ सकती है। सर्वर ठप हुआ तो प्लेन न उड़े, जिसके पास जितने एडवांस्ड कंप्यूटर वाले प्लेन उसके प्लेन उतने ही ज्यादा ठप। पाकिस्तानी एयरफोर्स ने बयान जारी करके कहा कि हम तो अमेरिकन सर्वर पर डिपेंड ही नहीं करते, हम तो चाईनीज प्लेन्स पर डिपेंड हैं, दस में पांच बार तो चाईनीज प्लेन उड़ ही जाते हैं। तालिबानियों ने कहा कि हमारा क्या काम कंप्यूटर सर्वर से, हम तो हाथ से खींचकर ले जाते हैं रॉकेट, सर्वर चले या न चले, हमें क्या। तो हम पर कोई असर नहीं। टीवी चैनलों ने पूजा खेडकर के बारे में जितना दिखाया, उससे यह अंदाजा लगता है कि पूजा है तो मुमकिन है। जमीन पर कब्जा मुमकिन है, आडी गाड़ी मुमकिन है। कुछ भी मुमकिन है। अब यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन यानी यूपीएससी ने बताया कि पूजा ने फर्जीवाड़ा करके अपने सिग्नेचर, मां-बाप का नाम भी बदला। मुझे डर है कि अब चैनल कहीं यह न बता दें कि पूजा दरअसल इच्छाधारी नागिन है, यह रूप बदलकर आईएएस ऑफिसर भी हो सकती है। चैनल है, तो मुमकिन है।

देश दुनिया से

समाज के अंतिम व्यक्ति को मिले विकास का लाभ

मोदी शासन का पहला आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत होने से पहले देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों की राय ली जा रही है ताकि ये आर्थिक लाभ कतार में खड़े आखिरी आदमी तक पहुंच सके। अर्थशास्त्रियों से यह राय ली जा रही है कि देश में गरीबी कैसे कम होगी। अमीर-गरीब का भेद कैसे कम होगा। देश की पिछड़ती हुई कृषि में नई जान कैसे डाली जाएगी। कृषि आज भी देश का महत्वपूर्ण व्यवसाय है और इस क्षेत्र में आबादी का 50 प्रतिशत संलग्न है। प्रश्न यह है कि कृषि का योगदान सकल घरेलू आय में क्यों घटता जा रहा है? वर्तमान में, यह सकल आय के आधे हिस्से से घटकर केवल 15 प्रतिशत का रह गया है।

तीसरी पारी शुरू होते ही नई सरकार कह रही है कि देश में जितना आर्थिक विकास उनके शासनकाल में हुआ, उतना उनकी पूर्ववर्ती सरकारों ने नहीं किया। अब देश को नई पहचान देने का प्रयास हो रहा है। मोदी शासन का पहला आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत होने से पहले देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों की राय ली जा रही है ताकि ये आर्थिक लाभ कतार में खड़े आखिरी आदमी तक पहुंच सके। अर्थशास्त्रियों से यह राय ली जा रही है कि देश में गरीबी कैसे कम होगी। अमीर-गरीब का भेद कैसे कम होगा। देश की पिछड़ती हुई कृषि में नई जान कैसे डाली जाएगी। कृषि आज भी देश का महत्वपूर्ण व्यवसाय है और इस क्षेत्र में आबादी का 50 प्रतिशत संलग्न है। प्रश्न यह है कि कृषि का योगदान सकल घरेलू आय में क्यों घटता जा रहा है? वर्तमान में, यह सकल आय के आधे हिस्से से घटकर केवल 15 प्रतिशत का रह गया है। छोटे किसान निराशा, बदहाली और पिछड़ेपन के गर्त में हैं। गरीबी को दूर करने के लिए सिर्फ परिभाषाएं बदलना पर्याप्त नहीं है। यह आवश्यक है कि जनता के जीवन स्तर में सुधार हो और उनकी मूलभूत जरूरतें पूरी हों। मोदी सरकार अपनी तीसरी पारी का पहला बजट संसद में पेश करने जा रही है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का यह सातवां बजट है। हालांकि, नई राह पर चलने का दावा करने वाले आर्थिक विशेषज्ञों के सामने अभी कई प्रश्न हैं, जिन पर विचार करना आवश्यक है। यदि सरकार अपने पहले कदमों के रूप में इनकी घोषणा कर सके तो बेहतर होगा। एक समतावादी समाज की स्थापना संविधान का महत्वपूर्ण लक्ष्य रहा है, लेकिन जब निजी क्षेत्र को प्राधान्य मिलने लगा, तो निजी और सार्वजनिक भागीदारी के नाम पर धन का असमान वितरण और बढ़ गया। गरीब और गरीब होते गए, जबकि अमीरों की आर्थिक सामर्थ्य लगातार बढ़ती रही। यह कैसा विरोधाभास है जबकि दुनिया में भारत आर्थिक ताकत के रूप में मजबूत होता जा रहा है और यहां करोड़ों गरीब बदहाल हैं। अनियमित रोजगार है। बेरोजगार युवा स्थायी रोजगार न मिलने के कारण विदेशों की ओर पलायन कर रहा है या नशे की गर्त में डूब रहा है। इस समय सरकार के सामने सवाल यह है कि मध्यम और कमजोर वर्ग को कैसे राहत दी जाए? इस समय जो विकास हो रहा है, वह मुख्यतः निवेशकों के प्रयासों से है। यह विकास निजी क्षेत्र के डिजिटल, रोबोट युग के आगमन और कृत्रिम मेधा के कारण है। इसके बावजूद, देश के आम आदमी की बेरोजगारी की समस्या हल नहीं हो रही है। आंकड़े बताते हैं कि शहरों की तुलना में गांवों में बेरोजगारी बढ़ने लगी है। इसका कारण यह है कि हमने फसलें उगाने के बाद अपने खाद्य पदार्थों को फिनिश प्रोसैसिंग में नहीं डाला, जैसा कि सभी प्रगतिशील देश इस समय कर रहे हैं। अगर यह प्रसंस्करण उद्योग लघु और कुटीर उद्योगों के रूप में गांवों के आसपास स्थापित हो जाते, तो आज किसानों में बढ़ती बेरोजगारी की समस्या पैदा न होती। वैसे लघु और कुटीर उद्योगों का प्रशस्तिगायन हर बजट में किया जाता है। मोदी सरकार की तीसरी पारी के इस पहले बजट में भी इसकी प्रशंसा की जा रही है, लेकिन वास्तविकता में इसका प्रभाव कहीं नजर नहीं आ रहा है। लघु और कुटीर उद्योगों में रोजगार देने की बहुत क्षमता है। हालांकि, न तो छोटे उद्यमियों, छोटे निवेशकों, या नौजवानों ने इस दिशा में ध्यान दिया है। इसके विपरीत, हाल के दिनों में लाल डोरा क्षेत्र, जहां ये उद्योग विकसित किए जा सकते थे, वहां संपन्न निवेशकों को भी निवेश करने की इजाजत दे दी गई। किसानों की आय दोगुनी करने के वादे के बाद भी किसानों को उनकी मेहनत का पूरा मूल्य नहीं मिल रहा है। उनकी फसलों के लिए नियमित न्यूनतम समर्थन मूल्य एक कानूनी अनिवार्यता के रूप में सामने नहीं आ रहा है। इस समय महंगाई का बड़ा कारण पेट्रोल और डीजल की कीमतें हैं। इनकी कीमतों को जीएसटी के तहत लाने की मांग की जा रही है। जबकि पेट्रोलियम कम्पनियों को भारी लाभ होने के बावजूद कीमतें घटाई नहीं जा रही हैं। इस समय देश की जरूरत का 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात किया जाता है जो देश की विनिमय दरों और रुपये के मूल्य को निरंतर घटाता है। आयात महंगे हो जाते हैं और निर्यात सस्ते। जाहिर है कि महंगाई के कारण रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति में भी यथास्थितिवाद का बोलबाला है। रेपो रेट में पिछली सात-आठ घोषणाओं में कोई परिवर्तन नहीं किया गया। जब तक ब्याज दर कम न होगी, नए निवेश को प्रोत्साहन कैसे मिलेगा? सरकार को अपनी तीसरी पारी शुरू करते हुए इन समस्याओं पर गंभीरता से विचार करना होगा। यह सुनिश्चित करना होगा है कि आर्थिक विकास की उपलब्धियां केवल कागजी न रहकर, जमीनी स्तर पर लागू हों और समाज के हर वर्ग तक पहुंच सकें।

आप का नजरिया

जानलेवा प्रदूषण

यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि भारत के दस बड़े शहरों में हर दिन होने वाली मौतों में सात फीसदी से अधिक का मुख्य कारण हवा में व्याप्त प्रदूषण है। वहीं दुनिया में सबसे प्रदूषित राजधानी दिल्ली में यह आंकड़ा साढ़े ग्यारह प्रतिशत है। पिछले दिनों चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी चर्चित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका लासेंट के अध्ययन में ये आंकड़े सामने आए हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन शहरों में निर्धारित मानकों से अधिक प्रदूषण है, वहा भी प्रदूषण नियंत्रण के लिये केंद्र द्वारा आवंटित राशि का बड़ा हिस्सा अनुपयोगी रह जाता है। विडंबना देखिए कि 131 शहरों को आवंटित धनराशि का महज 60 फीसदी ही खर्च किया जाता है। यह स्थिति तब है जब देश के अधिकांश शहर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने इस चुनौती के मुकाबले के लिये राष्ट्रीय वायु स्वच्छता कार्यक्रम के क्रियान्वयन की घोषणा 2019 में की थी। जिसका मकसद था कि खराब हवा के कारण नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को कम किया जा सके। कोशिश थी कि देश के चुनिंदा एक सौ तीस शहरों में वर्ष 2017 के मुकाबले वर्ष 2024 तक घातक धूल कणों की उपस्थिति को बीस से तीस फीसदी कम किया जा सके। कालांतर नये लक्ष्य निर्धारित किये गए और कहा गया कि दो वर्ष का समय आगे बढ़ाकर लक्ष्य को चालीस फीसदी कर दिया जाए। दरअसल, इस अभियान के अंतर्गत वार्षिक आधार पर वायु स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जाता है। इस अभियान के तहत वातावरण में व्याप्त धूल को नियंत्रित करने वाले कदम उठाये जाते हैं। मसलन सार्वजनिक यातायात को प्रोत्साहन, शहरों में पौधरोपण करके हरियाली का दायरा बढ़ाना, कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन, इलेक्ट्रानिक वाहनों को प्रोत्साहन तथा इन वाहनों के लिये चार्जिंग स्टेशन बनाने जैसे अभियान को गति देना। यह कार्यक्रम प्रदूषण से ग्रस्त चुनिंदा शहरों में चलाया जाना था। लेकिन राज्य सरकारों व स्थानीय प्रशासन की तरफ से इस दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया। उल्लेखनीय है कि इस अभियान की निगरानी केंद्र सरकार के कुछ विभागों के अलावा राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण भी करता रहा है। लेकिन स्थानीय निकायों व प्रशासन ने संकट की गंभीरता को नहीं समझा। इस दिशा में अपेक्षित सक्रियता नजर नहीं आई। उल्लेखनीय है कि प्रदूषित शहरों को वार्षिक लक्ष्यों के अनुरूप कार्यक्रम संचालित करने थे। ये वे शहर थे जहां पांच सालों तक हवा की गुणवत्ता लक्षित मानकों से कम रही थी। केंद्रीय पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने इस लक्ष्य को पूरा करने के लिये करीब साढ़े दस हजार करोड़ रुपये की राशि आवंटित की थी। लेकिन सिर्फ साठ फीसदी राशि ही इस मकसद के लिये खर्च की गई। वहीं सत्ताईस शहरों ने बजट का तीस फीसदी ही खर्च किया। कुछ शहरों ने तो इस मकसद के लिये आवंटित धन का बिल्कुल उपयोग नहीं किया। यह स्थिति इस गंभीर चुनौती को लेकर आपराधिक लापरवाही को ही दर्शाती है। जाहिर है ऐसी लापरवाही से इन शहरों की हवा सुधारने के लक्ष्य हासिल करना असंभव ही लगता है।

इमरान के पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए अदियाला जेल पहुंची फोरेंसिक टीम, पूर्व प्रधानमंत्री ने किया इंकार

लाहौर, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

पूर्व प्रधानमंत्री ने आदियाला जेल फॉरेंसिक को पॉलीग्राफ और वॉयस मैचिंग टेस्ट कराने से मना कर दिया। दरअसल इमरान खान पर पिछले साल हुई हिंसा के सिलसिले में मुकदमा चल रहा है। इस मामले की जांच लाहौर पुलिस द्वारा शुरू की गई है। फॉरेंसिक टीम के 12 सदस्य इमरान खान के टेस्ट के लिए आदियाला जेल पहुंचे थे।

पिछले साल हुई हिंसा के मामले की जांच के लिए फॉरेंसिक टीम जब आदियाला जेल पहुंची, तो इमरान खान ने टेस्ट कराने से इंकार कर दिया। 71 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 190 मिलियन पाउंड के भ्रष्टाचार के मामले में राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) द्वारा गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 9 मई 2023 को देशभर में दंगे भड़क गए थे। उन पर 200 से अधिक मामले दर्ज हैं और वे पिछले साल अगस्त से जेल में कैद हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में लाहौर पुलिस की टीम जब परीक्षण करने के लिए जेल परिसर पहुंची, तब उनके साथ पंजाब फोरेंसिक साइंस एजेंसी (पीएफएसए) के विशेषज्ञ भी थे। पीएफएसए विशेषज्ञों को पूर्व प्रधानमंत्री पर पॉलीग्राफ, वॉयस मैचिंग और फोटोग्रामेट्री परीक्षण करने थे।

पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई संस्थापक इमरान खान ने पुलिस के सवालों का 15 मिनट तक जवाब दिया। जब डीएसपी आसिफ ने न्याय करने की कसम खाई। लेकिन पंजाब फोरेंसिक साइंस एजेंसी की टीम के सामने इमरान खान ने पॉलीग्राफ और वाइस मैचिंग टेस्ट और फोटोग्रामेट्री परीक्षण से इनकार कर दिया। इमरान खान ने कहा कि वह कई संस्थानों की जांच के दायरे में हैं। वे अपनी पिछली जांच पूरी होने के बाद पुलिस को समय देंगे। बता दें कि 9 मई के विरोध प्रदर्शन के दौरान, कथित पीटीआई कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जनरल मुख्यालय और स्मारकों सहित सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला किया और तोड़फोड़ की। इस अभूतपूर्व हिंसा के बाद देश के अधिकारियों ने पीटीआई के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की। इसके साथ ही सैन्य अदालतों में 100 से अधिक पीटीआई कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा भी चलाया। स्वीकार की शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की बात इमरान खान ने सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने के आदेश देने से इनकार किया।

न्यूज ब्रीफ

पीएम हसीना ने कर्फ्यू के आदेश पर दी सफाई, कहा- जनता की सुरक्षा के लिए उठाया था कदम

ढाका। बांग्लादेश में पुलिस और प्रदर्शनकारी छात्रों के बीच झड़प हुई। जिसके बाद प्रधानमंत्री ने कर्फ्यू लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही हिंसा करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदेश भी दिए। अब प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपने इस आदेश की सफाई देनी पड़ रही है। उन्होंने अपनी सफाई में कहा है कि उस दौरान उठाए गए कदम लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए थे। बांग्लादेश में पुलिस और छात्र प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं थी। छात्र विवादास्पद नौकरी कोटा प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे थे, जिसके तहत 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में लड़ने वाले दिग्गजों के रिश्तेदारों के लिए सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था। सर्वोच्च न्यायालय ने भूतपूर्व सैनिकों के लिए कोटा घटाकर मात्र 5 प्रतिशत कर दिया। इस प्रकार, सिविल सेवा की 93 प्रतिशत नौकरियां अब योग्यता आधारित होंगी। जबकि शेष 2 प्रतिशत जातीय अल्पसंख्यकों, ट्रांसजेंडर और शारीरिक रूप से विकलांग लोगों के लिए आरक्षित रहेंगी। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि पुलिस और छात्रों के बीच हुई हिंसक झड़प में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं दूसरी ओर सरकार अब तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं दे सकी है। बता दें कि इस हिंसा के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कर्फ्यू लागू करने और देखते ही गोली मारने के आदेश दिए थे। अदालत का फैसला आने के बाद अब प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सफाई देनी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि पूर्ण बंद कार्यक्रम के लागू होने और आरक्षण आंदोलन से संबंधित हाल की घटनाओं के कारण पूरे देश के आम लोगों का जीवन और आजीविका प्रभावित हो गई है। हसीना ने कहा कि इन परिस्थितियों को देखते हुए सरकार ने लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा जीवन को सामान्य स्थिति में लाने के लिए अस्थायी रूप से कर्फ्यू लगाया। देशव्यापी हिंसा के बाद इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गईं। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप, निम्न आय वर्ग और कामकाजी लोगों, विशेषकर रिक्शा और वैन चालकों, फेरीवालों, विक्रेताओं, दिहाड़ी मजदूरों और परिवहन श्रमिकों जैसे दैनिक वेतन भोगियों की सामान्य आय-सृजन गतिविधियां बाधित हुई हैं, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें अकल्पनीय पीड़ा का सामना करना पड़ रहा है।

अमेरिका की सबसे बड़ी अधीनस्थ कोर्ट में कामकाज ठप, काउंटी की सभी 36 अदालतें रहीं बंद

लॉस एंजिलिस । अमेरिका की सबसे बड़ी अधीनस्थ अदालत 'सुपीरियर कोर्ट ऑफ लॉस एंजिलिस काउंटी' पिछले सप्ताह रैनसमवेयर हमले के कारण बंद रही। अदालत के अधिकारियों ने बताया कि यह सप्ताहांत तक बंद रही। अदालतें काम- काज के लिए खुली रहीं लेकिन काउंटी की सभी 36 अदालतें नहीं खुलीं। पीठासीन जज सामंथा पी. जेसनर ने कहा, कोर्ट में अप्रत्याशित साइबर हमले से क्षति रोकने, सूचना की अखंडता-गोपनीयता की रक्षा करने तथा भविष्य में नेटवर्क स्थिरता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगभग सभी नेटवर्क प्रणालियों को बंद करना पड़ा। अब सभी 36 अदालतें भारतीय समयानुसार पुनः खुलेंगी। अधिकारियों ने कहा, यह हमला माइक्रोसॉफ्ट से संबंधित सॉफ्टवेयर 'अपडेट' की वजह से उपकरणों के प्रभावित होने की घटना से जुड़ा हुआ नहीं है। इसलिए यह काफी खतरनाक भी है। डाटा से छेड़छाड़ नहीं अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि उपयोगकर्ताओं के डाटा से छेड़छाड़ की गई थी।

ब्रिटेन की नई सरकार प्रवासियों के लिए नौका आवास पर रोक लगाएगी, कहा- पट्टे का नवीनीकरण नहीं करेंगे

लंदन । ब्रिटेन की नई लेबर सरकार ने घोषणा की कि वह अगले साल से प्रवासियों के लिए विवादास्पद नौका आवास पर रोक लगाएगी। गृह मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार जनवरी में इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर स्थित बिब्बी स्टॉकहोम के उपयोग के लिए पट्टे की अवधी खत्म होने पर इसका नवीनीकरण नहीं करेगी। मंत्रालय ने आगे कहा कि शरण देने के लिए 500 लोगों के लिए इसे बनाया गया था। पिछली कंजर्वेटिव सरकार के द्वारा बनाया गया नौका आवास की लगातार आलोचना हुई है और पिछले साल अगस्त से ही वहां प्रावासियों को ले जाया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सनक के प्रशासन ने कहा था कि ऐसा करने से शरण के दावेदारों की आवास लागत कम करने में मदद मिलेगी। ब्रिटिश विदेश सचिव डेविड लैमी आज से भारत दौरे पर हैं ब्रिटिश विदेश सचिव डेविड लैमी भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आएंगे।

प्रचार अभियान के लिए कमला हैरिस ने तीन दिन में करोड़ों जुटाए, ट्रंप की टीम पहुंची चुनाव आयोग

वॉशिंगटन, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतवंशी कमला हैरिस ने 50 घंटे से भी कम समय में राष्ट्रपति अभियान के लिए 11 लाख से अधिक लोगों से 10 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। इसी को लेकर अब विवाद खड़ा हो गया है। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सियासी गलियारों में लगातार हलचल मची हुई है। यहां आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट्स की तरफ से कमला हैरिस मैदान में हैं। दोनों प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। इस बीच, ट्रंप की प्रचार टीम ने संघीय चुनाव आयोग (एफईसी) में एक शिकायत दी है। उनका कहना है अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की प्रचार टीम द्वारा जुटाए गए धन को उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को नहीं सौंपा जा सकता। यह है मामला गौरतलब है, जो बाइडन ने एलान किया था कि वह राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से बाहर हो रहे हैं। साथ ही उन्होंने भारतवंशी कमला हैरिस के नाम का समर्थन किया था। हैरिस ने 50 घंटे से भी कम समय में राष्ट्रपति अभियान के लिए 11 लाख से अधिक लोगों से 10 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। इसी को लेकर अब विवाद खड़ा हो गया है। इस अधिनियम का उल्लंघन ट्रंप की प्रचार टीम के वकील डेविड वरिंगटन ने शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने तर्क दिया कि हैरिस की प्रचार टीम को धन सौंपना 1971 के संघीय चुनाव अभियान अधिनियम का खुलेआम उल्लंघन होगा। हालांकि, हैरिस की प्रचार टीम ने इन आरोपों को निराधार बताया। इतिहास में सबसे बड़ा योगदान वरिंगटन ने बाइडन द्वारा हैरिस को करीब 10 करोड़ डॉलर का योगदान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने शिकायत में कहा कि यह इतिहास में सबसे बड़ा उल्लंघन हैं। आयोग चुप नहीं बैठ सकता, जब एक उम्मीदवार इतना धन ले रहा है। यह पूरी तरह से गलत है। उनका कहना है, कमला हैरिस जो बाइडन के प्रचार अभियान द्वारा जुटाए गए 9.15 करोड़ डॉलर को पाने की कोशिश कर रही हैं। यह संघीय चुनाव अभियान अधिनियम 1971 के इतिहास में सबसे अधिक योगदान और उल्लंघन होगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर कमला हैरिस 2024 में किसी पद के लिए उम्मीदवार होतीं, तो संघीय कानून के अनुसार उन्हें उम्मीदवारी का एक बयान दाखिल करना होता और उनका नाम उनकी अधिकृत समिति के नाम पर दिखाई देना चाहिए। लेकिन कमला हैरिस का नाम उनकी कथित अधिकृत समिति, राष्ट्रपति पद के लिए बाइडन के नाम पर नहीं दिखाई देता है और उनके लिए उम्मीदवारी का कोई बयान मौजूद नहीं था। रिपब्लिकन ध्यान भटकाने के लिए लगा रहे आरोप: हैरिस की टीम हैरिस की प्रचार टीम के प्रवक्ता चार्ल्स क्रेचमर लुटवाक ने शिकायत का जवाब देते हुए कहा, रिपब्लिकन जल सकते हैं कि डेमोक्रेट डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगियों को हराने के लिए उत्साहित हैं, लेकिन आधारहीन कानूनी दावे केवल उनका ध्यान भटकाएंगे, जबकि हम स्वयंसेवकों को शामिल कर रहे हैं, मतदाताओं से बात कर रहे हैं और यह चुनाव जीत रहे हैं। एफईसी के एक प्रवक्ता ने प्रवर्तन मामलों पर चर्चा नहीं करने पर एजेंसी की नीति का हवाला देते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने के बाद बाइडन राष्ट्र को संबोधित करेंगे, सेहत को लेकर चल रहीं थी अफवाहें

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने के बाद राष्ट्र को संबोधित करेंगे। अपने संबोधन में बाइडन अपने देशवासियों को अपने फैसले के बारे में बताएंगे और नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी डिप्टी कमला हैरिस का समर्थन करेंगे। बिडेन ने ओवल ऑफिस से राष्ट्र को संबोधित करूंगा कि आगे क्या होने वाला है, तथा मैं अमेरिकी लोगों के लिए काम कैसे पूरा करूंगा। यह इस महीने दूसरी बार होगा जब बिडेन राष्ट्र को संबोधित करेंगे। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रम्प पर हत्या की असफल कोशिश के एक दिन बाद 14 जुलाई को देश को संबोधित किया था। कोरोना संक्रमित होने के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखे बाइडन कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन पहली बार सार्वजनिक तौर पर दिखाई दिए। जो बाइडन की अनुपस्थिति को लेकर सोशल मीडिया पर अफवाहों का दौर चल रहा था। दरअसल कोरोना संक्रमण के चलते आइसोलेशन में रहने के दौरान ही बाइडन ने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से हटने का एलान किया था। यही वजह है कि बाइडन की अनुपस्थिति को लेकर अफवाहों का दौर शुरू हो गया था। सोशल मीडिया पर चल रहीं थी अफवाहें सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों में कहा जा रहा था कि 81 वर्षीय जो बाइडन की सेहत लगातार खराब हो रही है। कुछ लोगों ने यहां तक दावा कर दिया कि बाइडन की हालत इतनी गंभीर है कि उनका बचना अब मुश्किल है। सोशल मीडिया पर जो कहां हैं ट्रेंड भी करने लगा था। हालांकि अब सार्वजनिक तौर पर बाइडन के दिखाई देने पर इन सभी अफवाहों पर रोक लग गई है। कोरोना संक्रमित होने के बाद से ही जो बाइडन डेलावेयर स्थित अपने घर में आइसोलेशन में थे। बीमार होने के बाद पहली बार जो बाइडन सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए।

श्रीलंका ने माफी मांगी: कोविड पीड़ित मुस्लिमों का कराया था जबरन दाह संस्कार, कहा- भविष्य में ऐसा नहीं होगा

कोलंबो, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

श्रीलंका की सरकार ने औपचारिक रूप से मुस्लिम कोविड पीड़ितों के जबरन दाह संस्कार करने के लिए माफी मांगी है। साथ ही भविष्य में ऐसी गलती ना करने का आश्वासन दिया है।

श्रीलंकाई सरकार ने माफी मांगते हुए कहा कि कोविड काल के दौरान डब्ल्यूएचओ के आश्वासन की अनदेखी की गई थी। जिसमें इस्लामी संस्कारों के अनुरूप दफनाना सुरक्षित था। सरकार ने आगे कहा कि एक नया कानून दफनाने या दाह-संस्कार के अधिकार की गारंटी देगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य में मुसलमानों या किसी अन्य समुदाय के अंतिम संस्कार रीति-रिवाजों का उल्लंघन न हो।

मुस्लिम प्रतिनिधियों ने किया स्वागत

श्रीलंका के सदन में मुस्लिम प्रतिनिधियों ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। साथ ही कहा कि मुस्लिम की आबादी द्वीप की कुल आबादी का 10 प्रतिशत है और कोविड काल के बाद से अब तक मुसलमान सदमे में हैं। श्रीलंका में बौद्ध बहुसंख्यक हैं परंपरागत रूप से मुसलमान अपने मृतकों को मक्का की ओर मुंह करके दफनाते हैं। श्रीलंका के बहुसंख्यक बौद्धों का आम तौर पर अंतिम संस्कार किया जाता है, जैसा कि हिंदुओं का होता है।

सरकार ने कहा था- दफनाने से महामारी फैल जाती है

कोविड काल के दौरान श्रीलंका की सरकार ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए मृतकों को दफनाने की अनुमति नहीं दी थी। उसने कुछ विशेषज्ञों का हवाला देते हुए दावा किया था कि कोविड-19 से मरे लोगों को दफनाने से पानी दूषित हो जाएगा, जिससे महामारी और फैल जाएगी। सरकार के इस आदेश की संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने भी आलोचना की थी। कई अधिकार समूहों ने कहा था कि श्रीलंका मृतकों और उनके परिजनों, खासतौर पर मुस्लिमों, कैथोलिक और कुछ बौद्धों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने में विफल रहा है। इस्लामी देशों के संगठन (ओआईसी) ने भी इस फैसले को पलटने के लिए जिनेवा में अपील की थी।

माल्विनास द्वीप के पास मछली पकड़ने वाली नाव पलटी, 8 की मौत

ब्यूनस आयर्स, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

माल्विनास द्वीप समूह के पास सोमवार को एक मछली पकड़ने वाली नाव के पलट जाने से आठ लोगों की मौत हो गई, जिसे अंग्रेजी में फ़ॉकलैंड द्वीप समूह कहते हैं। इस द्वीप पर अर्जेंटीना अपना दावा करता है लेकिन यह ब्रिटेन द्वारा शासित है। यह जानकारी अर्जेंटीना और स्पेनिश मीडिया ने दी।अर्जेंटीना के दैनिक समाचारपत्र ला नासियोन ने कहा कि सोमवार को मछली पकड़ने वाली नौका टूथफिश की तलाश में माल्विनास द्वीप के पास नौकायन कर रही थी, तभी उसका पतवार टूट गया और वह डूब गया। अधिकारियों ने मंगलवार सुबह नाव पर सवार चालक दल के तीन सदस्यों की मौत की सूचना दी। दैनिक समाचारपत्र ने कहा, पिछले कुछ घंटों में, जहाज में डूबे शेष 27 लोगों को खोजने के लिए बचाव अभियान चलाया गया - जिनमें से 10 स्पेनिश नागरिक हैं और जीवनरक्षक नौकाओं के सहारे हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, बाद में मृतकों की संख्या बढ़कर आठ हो गई और 14 लोगों को बचा लिया गया। दक्षिण अटलांटिक में एक विदेशी ब्रिटिश क्षेत्र, सेंट हेलेना द्वीप का झंडा फहराने वाले मछली पकड़ने वाली नाव ने एक संकट संकेत दिया था, जब वह माल्विनास द्वीप समूह में प्यूर्टो अर्जेंटीनो से लगभग 200 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व में स्थित था।

2023 में हर मिनट एक एड्स रोगी ने गंवाई अपनी जिंदगी आम इन्सान की पहुंच से बाहर 40,000 डॉलर के दो इंजेक्शन

संयुक्त राष्ट्र, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

बीते साल दुनिया में लगभग 4 करोड़ लोगों में एड्स की बीमारी देने वाला एचआईवी वायरस पाया गया था। इनमें से 90 लाख लोग इसका कोई इलाज नहीं करवा पाए। नतीजन, हर मिनट कोई न कोई रोगी एड्स की वजहों से मर रहा था।

यह खुलासा संयुक्त राष्ट्र ने अपनी ताजा रिपोर्ट में किया है। यह हाल तब है जब दुनिया में एड्स महामारी को खत्म करने की दिशा में प्रगति की जा रही है। यूएन की रिपोर्ट बताती है कि इसकी प्रगति की रफ्तार अब धीमी पड़ने लगी है। इसका कारण फंड का कम होना है। इस वजह से तीन नए क्षेत्रों मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका, पूर्वी यूरोप, मध्य एशिया और लैटिन अमेरिका में इसका संक्रमण बढ़ रहा है।

बीते साल 6 लाख से अधिक लोगों की गई जान - एड्स से जुड़ी बीमारियों से 2023 में लगभग 6,30,000 लोग मारे गए। यह 2004 की 21 लाख मौतों के मुकाबले बहुत कम है। इस महामारी को खत्म करने की वैश्विक कोशिशों का नेतृत्व कर रही संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, नवीनतम आंकड़ा 2025 के लिए रखे गए 2,50,000 की कम मौतों के लक्ष्य से दोगुना से भी अधिक है।

2030 तक एड्स खत्म करेंगे - यूएनएड्स की कार्यकारी निदेशक विनी ब्यानिमा ने कहा, वैश्विक नेताओं ने 2030 तक एड्स को खत्म करने का संकल्प लिया है। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में नए संक्रमण तीन गुना से अधिक यानी 13 लाख थे। लैंगिक असमानता से अफ्रीका के कुछ हिस्सों में किशोरियों और युवा महिलाओं में एचआईवी के मामले बढ़े। हाशिए पर रहने वाले समुदायों में वैश्विक स्तर पर नए संक्रमणों का अनुपात 2010 के 45 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 55 प्रतिशत हुआ। एक साल के लिए दो इंजेक्शन के दाम 40,000 डॉलर (33.47 लाख रु.) हैं, जो आम आदमी की पहुंच से बाहर है।

84 साल में सबसे गर्म रहा जुलाई का यह दिन, वैश्विक तापमान के पिछले रिकॉर्ड से कितना अधिक

पेरिस, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

यूरोपीय संघ की कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा के निदेशक कार्लो बुओंटेम्पो ने कहा कि जैसे-जैसे जलवायु गर्म होती जा रही है, हम आने वाले महीनों और वर्षों में नए रिकॉर्ड देखेंगे। जलवायु परिवर्तन के भयानक परिणाम दिखने शुरू हो गए हैं। दुनियाभर में भीषण गर्मी, बाढ़, बेमौसम बरसात जैसी घटनाएं आम हो चुकी हैं। इस बीच वैश्विक स्तर पर तापमान के परिवर्तन पर नजर रखने वाली एजेंसी ने झुलसा देने वाली गर्मी को लेकर आंकड़े जारी किए। पिछले हफ्ते अमेरिका समेत यूरोपीय देशों में लू और गर्मी ने लोगों को परेशान कर दिया था। ताजा आंकड़ों के अनुसार 21 जुलाई सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए दुनिया के इतिहास का अब तक का सबसे गर्म दिन बन गया है। इस दिन औसत तापमान पिछले 84 वर्षों के तुलना में अधिक दर्ज किया गया।

पिछले साल जुलाई के तापमान का रिकॉर्ड तोड़ा

लंदन स्थित यूरोपीय संघ की कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा के अनुसार, पहली बार वैश्विक औसत सतही वायु तापमान 17.09 डिग्री सेल्सियस (62.76 डिग्री फारेनहाइट) दर्ज किया गया है। जिसने पिछले साल जुलाई के तापमान का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पिछले साल 17.08 डिग्री सेल्सियस (62.74 फारेनहाइट) तापमान दर्ज किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले सप्ताह संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और रूस के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी का प्रकोप देखा गया। कॉपरनिकस का कहना है कि 21 जुलाई को इस बार दैनिक औसत तापमान का पुराना रिकॉर्ड टूट गया।

जीवाश्म ईंधन के कारण जलवायु परिवर्तन

रूस के उन इलाकों में भी लोगों के पसीने निकल रहे थे, जहां ठंड होती है। कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा के अनुसार, गर्मी ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 1940 के बाद सबसे गर्म दिन 21 जुलाई था, जो पिछले साल की छह जुलाई के 17.08 डिग्री सेल्सियस के रिकॉर्ड को पार कर गया। पिछले साल की बात करें तो तीन से लेकर छह जुलाई तक रोजाना गर्मी के रिकॉर्ड टूटे थे। वैज्ञानिकों ने बताया था कि जीवाश्म ईंधन के कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है। निदेशक कार्लो बुओंटेम्पो ने कहा कि पिछले 13 महीनों में तापमान और पिछले रिकॉर्ड के बीच का अंतर चौंका देने वाला है। जैसे-जैसे जलवायु गर्म होती जा रही है, हम आने वाले महीनों और वर्षों में नए रिकॉर्ड देखेंगे।

उत्तरी गोलार्ध पर गर्मी का प्रकोप अधिक

दुनिया बड़े पैमाने पर जलवायु परिवर्तन के संकट को टालने के लिए विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार करने के कगार पर खड़ी है। जुलाई इस तय सीमा के करीब पहुंचने का लगातार 13वां महीना है। सी3एस के वैज्ञानिकों के मुताबिक, पिछले साल जून के बाद से हर महीना रिकॉर्ड पर सबसे गर्म महीना रहा है। कोपरनिक्स के अनुसार जून 2023 से लेकर लगातार 13 महीने की बात करें तो पर्यावरण में तेजी से बदलाव देखने को मिले हैं। उत्तरी गोलार्ध में गर्मी का प्रकोप अधिक देखने को मिला है। 21 जुलाई ग्रह पर सबसे गर्म दिन रहा है। वैज्ञानिकों ने आशंका जताई है कि पिछले साल के बाद टूटा ये रिकॉर्ड अंतिम नहीं हो सकता। अभी जुलाई के कई दिन बाकी हैं। यह रिकॉर्ड भी टूट सकता है। अप्रैल में जलवायु परिवर्तन और मौसम की प्राकृतिक घटना अल नीनो के कारण गर्मी का कम ही प्रकोप देखने को मिला था। लेकिन अब उसका असर जुलाई के महीने पर देखने को मिल रहा है।

भारत विमेंस एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंचा : नेपाल टीम शेफाली दयालन जितने रन भी नहीं बना सकीं, कोई बैटर 20 पार नहीं

दांबुला, 24 जुलाई (एजेंसियां) ।

7 बार की चैंपियन भारतीय टीम ने विमेंस एशिया कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम इंडिया ने नेपाल को 82 रन के अंतर से हराया। यह भारत की लगातार तीसरी जीत है। रंगिरी दांबुला स्टेडियम में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। भारत ने शेफाली वर्मा और देयालन हेमलता की शतकीय साझेदारी के सहारे 20 ओवर में 3 विकेट पर 178 रन का स्कोर बनाया। जवाबी पारी में नेपाल की पूरी टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 96 रन ही बना सकी। नेपाल की सभी बल्लेबाज शेफाली-दयालन जितने रन भी नहीं बना सकी। शेफाली ने 81 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच विनर- शेफाली वर्मा - ओपनर शेफाली वर्मा भारतीय टीम के लिए मैच विनर साबित हुईं। वे ओपनर करने उतरीं और 48 बॉल पर 168.75 के स्ट्राइक रेट से 81 रन बना डाले। उनकी पारी में 12 चौके और एक छक्का शामिल रहा। उन्होंने दयालन हेमलता के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप की। भारतीय टीम ने इस मुकाबले के लिए ओपनिंग जोड़ी में बदलाव किया। शेफाली के साथ दयालन हेमलाता पारी की शुरुआत करने आईं। उन्होंने 42 बॉल पर 47 रनों की पारी खेली। हेमलता ने 5 चौके और एक छक्का लगाया। स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने अपने कोटे के 4 ओवर में 13 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने रूबीना छेत्री, कविता जोशी और विकेटकीपर काजल श्रेष्ठ के विकेट लिए। राधा यादव ने 3 ओवर में महज 12 रन दिए और दो विकेट हासिल किए। उन्होंने कप्तान इंदु बर्मा और डॉली भट्ट को आउट किया। मिडियम पेसर अरुंधति रेड्डी पारी का दूसरा ओवर लेकर आईं और समझना खड़का को बोल्ड किया। उन्होंने 17वें ओवर में सीता राणा मगर को भी बोल्ड किया।

टर्निंग पॉइंट: शेफाली-दयालन की शतकीय साझेदारी - भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा और दयालन हेमलता की ओपनिंग साझेदारी मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। दोनों ने 84 बॉल पर 122 रन बनाए। इस साझेदारी के दम पर भारतीय टीम 178 रन का स्कोर बनाने कामयाब रही।

फाइटर ऑफ मैच- सीता राणा मगर - सीता राणा मगर मैच की फाइटर ऑफ द मैच रहीं। उन्होंने गेंदबाजी में दो विकेट लिए। साथ ही रन चेज में ओपनर के रूप में उतरी और 11वें ओवर तक एक छोर संभाले रखा। उन्होंने सबसे ज्यादा 18 रन बनाए।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत : स्मृति मंधाना (कप्तान), शेफाली वर्मा, दयालन हेमलता, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह, राधा यादव, तनुजा कंवर, अरुंधति रेड्डी और सजीवन साजना।

नेपाल : इंदु बर्मा (कप्तान), समझना खड़का, सीता राणा मगर, कबिता कुंवर, डॉली भट्ट, रूबीना छेत्री, पूजा महतो, काजल श्रेष्ठ (विकेटकीपर), कविता जोशी, सबनम राय और बिंदु रावल।

न्यूज ब्रीफ

जोफ्रा आर्चर टेस्ट क्रिकेट में जल्द करेंगे वापसी, 2025-26 एशेज सीरीज खेल सकते हैं तेज गेंदबाज

नई दिल्ली। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की नजरें ऑस्ट्रेलिया में 2025-26 एशेज सीरीज पर हैं

क्योंकि उनका लक्ष्य टेस्ट क्रिकेट में वापसी करना है। पिछले तीन वर्षों में लगातार पीठ और कोहनी की चोटों के कारण, 29 वर्षीय खिलाड़ी फरवरी 2021 से लंबे प्रारूप से अनुपस्थित हैं। हालाँकि, इंग्लैंड के हालिया टी20 विश्व कप अभियान में उनकी पूर्ण भागीदारी ने उम्मीद जगाई थी कि उनकी चोट की समस्या आखिरकार पीछे छूट सकती है। आर्चर ने कहा, मैं इस साल के बाकी समय का उपयोग यह सुनिश्चित करने के लिए करने जा रहा हूं कि अगली एशेज में खेलना कम से कम एक संभावना है। मैं इंस्टाग्राम पर जाकर और 'वह अगले दो हफ्तों में फिजियो के बिस्तर पर होगा' जैसी पोस्ट देखकर थक गया हूं। मैं बाकी साल कुछ लोगों को गलत साबित करने में बिताना चाहता हूं और उम्मीद है कि मैं एक और एशेज में खेलूंगा। आर्चर का प्रभाव इंग्लैंड के 2019 विश्व कप विजेता अभियान के दौरान गहराई से महसूस किया गया, जहां उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में निर्णायक सुपर ओवर फेंका। बाद में उस गर्मी में, उन्होंने लॉर्ड्स में एशेज की शुरुआत भी की। इंग्लैंड के प्रबंध निदेशक रॉब की ने संकेत दिया है कि आर्चर की टेस्ट क्रिकेट में वापसी का वास्तविक लक्ष्य भारत के खिलाफ 2025 की घरेलू श्रृंखला है। आर्चर ने अगली गर्मियों की शुरुआत में प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने का इरादा व्यक्त करते हुए इस भावना को दोहराया। आर्चर ने कहामैं अपने आप को यथासंभव सर्वोत्तम तरीके से प्रबंधित करूंगा और कम से कम अगले साल चैंपियनशिप की शुरुआत तक खुद को इसमें सफल रखूंगा। मैं संभवत: उनमें से कुछ (मैच) खेलूंगा और उस कार्यभार के लिए तैयारी जारी रखूंगा। आर्चर द हंड्रेड में अपना बहुप्रतीक्षित डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, जब साउथेम्प्टन में सदर्न ब्रेव का मुकाबला लंदन स्पिरिट से होगा। उन्होंने कहा, मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं और कुछ मैच खेलना चाहता हूं। मैं सफेद गेंद वाले क्रिकेट के इस छोटे चरण का आनंद लेने जा रहा हूं।

ओलंपिक स्वर्ण जीतने पर सबसे अधिक इनाम सर्बिया देगा

नई दिल्ली । 26 जुलाई से होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों में दुनिया भर के शीर्ष खिलाड़ी भाग लेंगे।

ओलंपिक में पदक कितना मायने रखता है इसका अंदाजा इसी से होता है कि इसमें भाग ले रहे खिलाड़ियों पर जीत के बाद इनामों की बारिश हो जाती है और वे रातों रात स्टार बन जाते हैं। सभी देश अपने खिलाड़ियों को प्रेरित करने इनामों की भी घोषणा करती है। इस बार सबसे अधिक इनाम की घोषणा सर्बिया सरकार ने की है। विजेता को रिकॉर्ड 2.15 लाख डॉलर करीब 1.79 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है। ये ओलिम्पिक इतिहास में किसी एथलीट को उसके देश की सरकार की ओर से दी जाने वाली सबसे बड़ी राशि है। सर्बिया के अलावा मलेशिया और मोरक्को ने भी स्वर्ण पदक विजेता को करीब 2 लाख डॉलर करीब 1 करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। वहीं भारत ने सभी स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए 75 लाख रुपए के पुरस्कर की घोषणा की है। हैरानी की बात है कि अमेरिका ने 61 लाख रुपए के इनाम की घोषणा की है। सबसे अधिक इनाम की घोषणा करने वाले सर्बिया का रिकॉर्ड ज्यादा अच्छा नहीं है। उन्होंने अब तक के ओलंपिकों में कुल 24 पदक ही जीते हैं जिनमें 6 स्वर्ण , 7 रजत और , 11 कांस्य शामिल हैं। वहीं भारत सरकार की ओर से स्वर्ण विजेता को 75 लाख, रजत विजेता को 50 लाख जबकि कांस्य पदक विजेता को 30 लाख रुपये का प्रस्ताव दिया गया है।

लवलीना-निकहत की तैयारी के लिए कोच धर्मेंद्र ने किया त्याग, नहीं हुए बेटे की शादी में शामिल

नई दिल्ली । पेरिस ओलंपिक में देश के मुक्केबाजों को पदक दिलाने के लिए भारतीय मुक्केबाजी टीम के कोच

और अपने समय के नामी मुक्केबाज अर्जुन अवॉर्डी धर्मेंद्र यादव ने अपने बेटे की शादी छोड़ दी। बुलंदशहर के धर्मेंद्र के सामने बीते सप्ताह बड़ा धर्मसंकट खड़ा हो गया कि वह बेटे की शादी में शामिल हों या सारब्रुकेन (जर्मनी) में भारतीय मुक्केबाजी टीम की तैयारियां छोड़ दें। यह उलझन सिर्फ शादी तक सीमित नहीं थी। देश के पहले पेशेवर बॉक्सर धर्मेंद्र की मां की तबियत अचानक बिगड़ गई थी। उन्हें आईसीयू में दाखिल कराना पड़ा था। मां के कहने पर ही पोते की शादी आनन-फानन में करनी पड़ रही थी। ओलंपिक से ठीक पहले धर्मेंद्र का तैयारियां छोड़ना ठीक नहीं था। कहा वह राष्ट्रीय कोच की भूमिका निभाएं, बाकी सब वे संभाल लेंगे। वीडियो कॉल के जरिये जयमाल में हुए शामिल 1990 के राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य जीतने वाले धर्मेंद्र ने शादी में नहीं आने का फैसला लिया।

पेरिस में दम दिखाने के लिए तैयार हैं दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी, कई सितारों का दावा बेहद मजबूत

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां) ।

पेरिस ओलंपिक में दुनिया भर के दिग्गज एथलीटों का मेला लगेगा। कई खिलाड़ियों की तो उपलब्धियां और रुतबा इतना बड़ा है कि उनका भाग लेना ही पदक की गारंटी माना जा रहा है। भारत के अलावा अन्य देशों के खिलाड़ियों की बात करें तो इनमें स्वीडन के बांसकूद खिलाड़ी आर्मंड मोंडो डुप्लेंटिस से लेकर अमेरिकी जिमनास्ट सिमोन बाइल्स शामिल हैं। मैराथन धावक केन्या के किपचोगे हैं तो अमेरिकी तैराक कैटी लेडेकी भी हैं। कई दिग्गज एथलीटों का यह अंतिम ओलंपिक माना जा रहा है इनमें बास्केटबाल स्टार अमेरिका के लेब्रोन जेम्स, जमैका की धाविका शैली एन फ्रेजर प्राइज और टेनिस स्टार राफेल नडाल शामिल हैं। ऐसे में युवाओं के साथ उनकी अच्छी होड़ देखने को मिल सकती है। पेरिस में 206 देशों के 10500 से ज्यादा एथलीट हिस्सा ले रहे हैं, पदकों के लिए कड़ी होड़ होंगी लेकिन कुछ खास सितारों का दावा बेहद मजबूत माना जा रहा है।

प्राइज की शैली जुदा - जमैका की तीन बार की ओलंपिक चैंपियन और आठ बार की पदक विजेता शैली एन फ्रेसर प्राइज को 37 साल की होने के बावजूद कम करके नहीं आंका जा सकता। उनके पेरिस में 100 मीटर में हिस्सा लेने की संभावना है।200 मीटर में उनका भाग लेना निश्चित नहीं है। यह उनका अंतिम ओलंपिक माना जा रहा है और वह कोई कोर-कसर नहीं रखेंगी। बीजिंग से शुरू हुई उनकी ओलंपिक यात्रा में उन्होंने अब तक तीन स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक जीता है।

शकारी को पहले ओलंपिक पदक की तलाश - अमेरिका की 100 और 200 मीटर रेस की 24 साल की धाविका शकारी रिचर्ड्सन पिछली बार टोक्यो

ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने में सफल रही थीं, लेकिन डोप टेस्ट में विफल रहने के कारण उन्हें टीम से हटा दिया गया था। पिछले साल बुडापेस्ट में हुई विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वालीं एथलीट पेरिस में पदक जीतना चाहेंगी। बुडापेस्ट में उन्होंने फर्राटा रेस के अलावा चार गुणा 100 मीटर रिले में भी स्वर्ण जीता था।

तैराकी में लेडेकी की निगाह 11वें ओलंपिक पदक पर - अमेरिका की 27 साल की तैराक कैटी लेडेकी का यह चौथा ओलंपिक होगा। वह लंदन 2012, रियो डि जेनेरियो 2016 और टोक्यो ओलंपिक 2020 के तीन ओलंपिक में 10 पदक जीत चुकी हैं जिसमें सात स्वर्ण और तीन रजत पदक हैं। उन्होंने फ्री स्टाइल की 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर और 1500 मीटर में क्वालिफाई कर लिया है। उनके पेरिस में अपने ओलंपिक पदकों की फेहरिस्त में और इजाफा करने की पूरी उम्मीद है।

अमेरिकी जिम्नास्ट बाइल्स में बड़ा बल - अपने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अमेरिका की 27 साल की दिग्गज जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स ने टोक्यो में सिर्फ बैलेंस बीम स्पर्धा में भाग लिया था जहां उन्हें केवल कांस्य से संतोष करना पड़ा था। उन्होंने टीम स्पर्धा में रजत पदक दिलाने में भूमिका निभाई थी। रियो में उन्होंने चार स्वर्ण सहित पांच पदकों पर कब्जा किया था। पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदक के साथ उन्होंने संकेत दिया है कि पेरिस में फिर वह रियो ओलंपिक वाला कमाल दिखा सकती हैं।

नडाल के सामने छाप छोड़ने की चुनौती - पेरिस ओलंपिक की टेनिस स्पर्धाएं रोला गैरों में खेली जाएंगी और इस सतह पर सबसे सफल स्पेन के राफेल नडाल हैं जिन्होंने 14 ग्रैंडस्लैम यहां जीते हैं। हालांकि वह 38 साल की उम्र में चोट और फिटनेस की समस्या से जूझ रहे हैं। लेकिन हाल में ही बस्टाड ओपन के फाइनल में पहुंचे थे। वह ओलंपिक में एकल और युगल दोनों स्पर्धाओं में भाग लेंगे। युगल में वह कार्लोस अल्कारेज के साथ उतरेंगे जो फ्रेंच ओपन विजेता हैं। क्लेकोर्ट के किंग के रूप में विख्यात नडाल का यह तीसरा ओलंपिक है। वह एकल और युगल दोनों में स्वर्ण अपने नाम कर चुके हैं।

छठे गोल्ड की तलाश में टेबल टेनिस स्टार लोंग - चीन के टेबल टेनिस खिलाड़ी मा लोंग अपने आप में बेजोड़ हैं। विश्व स्तर पर उनके पदक उनकी महानता की कहानी बयां कर देते हैं। 35 साल के मा लोंग पहले ही पांच ओलंपिक स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। तीन बार 2015, 2017 और 2019 में विश्व चैंपियन रहे हैं। रियो और टोक्यो ओलंपिक में उन्होंने दो-दो स्वर्ण जीते थे। पेरिस में एकल में नहीं उतरेंगे, लेकिन टीम स्पर्धाओं में वेंग चुकिन और फेन जेंगडोन के साथ उतरेंगे।

बांसकूद के चैंपियन आर्मंड मोंडो डुपलेंटिस - स्वीडन के आर्मंड मोंडो डुपलेंटिस पेरिस में उन एथलीटों में शामिल हैं जिनका पदक पक्का समझा जा रहा है। पिछले कई वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में इस खिलाड़ी का दबदबा चल रहा है। वह सात बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। इसी साल उन्होंने 6.24 मीटर का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। टोक्यो ओलंपिक में उन्होंने स्वर्ण पदक पर कब्जा किया था। विश्व चैंपियनशिप में उनके नाम दो स्वर्ण और एक रजत पदक है। इनडोर चैंपियनशिप,और यूरोपियन चैंपियनशिप में पांच स्वर्ण पदक हैं और डायमंड लीग में तीन बार पहले स्थान पर रहे हैं।

लेवरोन 400 मीटर बाधा दौड़ की मलिका - महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में अमेरिकी सिडनी मैकलाघलिन लेवरोन खिताब की दावेदार हैं। वह उन दो महिलाओं में शामिल हैं जिन्होंने 400 मीटर की बाधा दौड़ 51 सेकेंड से कम समय में पूरी की है। विश्व रैंकिंग में नंबर-1 लेवरोन ने टोक्यो ओलंपिक में 400 मीटर बाधा दौड़ और चार गुणा 400 मीटर में स्वर्ण पदक जीते थे।

टी20 सीरीज से पहले बहुत बड़ा झटका, ये दिग्गज चोट के चलते बाहर

नई दिल्ली, 24 जुलाई ।

भारत के खिलाफ सीरीज शुरू होने से पहले श्रीलंकाई टीम के दुष्मंथा चमीरा चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। श्रीलंका की कई मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चमीरा को बाहर कर दिया गया है और श्रीलंका क्रिकेट जल्द ही उनके प्रतिस्थापन की घोषणा करेगा। दुष्मंथा चमीरा चोट के कारण भारत सीरीज से बाहर हो गए हैं। प्रतिस्थापन की घोषणा जल्द ही की जाएगी। हालांकि, उम्मीद है कि भारत के खिलाफ सीरीज के लिए चोटिल चमीरा की जगह असिथा फर्नांडो को शामिल किया जा सकता है। लंका प्रीमियर लीग के फाइनल में असिथा ने बेहतरीन गेंदबाज़ी की। उन्होंने जाफना किंग्स को गॉल मार्वल्स को हराने में तीन विकेट चटकाए।

तीन टी20 मैच 27 जुलाई, 28 जुलाई और 30 जुलाई को पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। फिर, 2 अगस्त से कोलंबो में 3 वनडे मैच खेले जाएंगे।

भारत के टी20 मैचों के लिए श्रीलंका की टीम: चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसंका, कुसल जेनिथ परेरा, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, दिनेश चांडीमल , कामिंदु मेंडिस, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, डुनिथ वेलालागे, चामिंडु विक्रमसिंघे, मथीशा पथिराना, नुवान तुषारा, बिनुरा फर्नांडो ।

भारत के खिलाफ यह सीरीज जयसूर्या के लिए भी उनका पहला असाइनमेंट है, जिन्होंने अंतरिम कोच के रूप में जिम्मेदारी संभाली है। जयसूर्या को इस महीने की शुरुआत में पूर्व कोच क्रिस सिल्वरवुड के इस्तीफे के बाद नियुक्त किया गया था। टी20 विश्व कप 2024 में खराब प्रदर्शन के बाद श्रीलंका की नजर वापसी पर होगी, जबकि टी20 विश्व चैंपियन भारत नए कोच और कप्तान के साथ अच्छी शुरुआत करना चाहेगा। नए कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ भारतीय टीम श्रीलंका के लिए रवाना हुई थी।

संन्यास के बाद भी मिल रहा है फैंस से अद्भुत प्यार : ब्रेट ली

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां) ।

संन्यास ले चुके क्रिकेटरों के लिए ओल्ड एज लीग वरदान बन गई है। कई देशों के दिग्गज क्रिकेटर इसमें खेलते नजर आते हैं। वहीं, पूर्व आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि किसी क्रिकेटर के लिए संन्यास के बाद भी क्रिकेट खेलना रोमांचक होता है।

ब्रेट ली ने कहा कि दर्शकों से भरे स्टेडियम को देखकर उन्हें जो खुशी मिलती है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

ब्रेट ली और पूर्व भारतीय गेंदबाज इरफान पठान ने क्रिकेट से संन्यास के बाद एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर वापसी के बारे में बात की।

ब्रेट ली ने क्रिकेटरों को फैंस से मिलने वाले सपोर्ट और प्यार के बारे में बात करते हुए पॉडकास्ट सीरीज 180 नॉट आउट में अपने विचार शेयर किए।

ब्रेट ली ने कहा, यहां तक कि जब आप संन्यास ले लेते हैं और पेशेवर दृष्टिकोण से नहीं खेल रहे होते हैं, तब भी इन लीगों में खेलने का मौका और 40 की उम्र के बाद भी खचाखच भरी भीड़ हमारे लिए रोमांचक है। हमें बेहद खुशी होती है कि अभी भी ऐसे लोग हैं जो हमें खेलते हुए देखना चाहते हैं।

इरफान पठान ने पिछले कई दशक के अपने संघर्ष के बारे में भी बात की।

इरफान पठान ने कहा, जब मैं दो साल के लिए जम्मू कश्मीर क्रिकेट में आया था, तो मेरा

अनुबंध लगभग... मैं पैसे की बात नहीं करता, लेकिन मेरा अनुबंध कैरिबियन प्रीमियर लीग से मिलने वाले पैसे का केवल 20 प्रतिशत था। मेरे पास और भी कई लीग का ऑफर था। इसकी तुलना में मुझे जम्मू में केवल 15-20 फीसदी राशि मिल रही थी, इसलिए यह पैसे के बारे में नहीं था, मैं क्रिकेट को कुछ वापस देना चाहता था, वह भी भारतीय क्रिकेट को।

इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने वह निर्णय लिया और जम्मू-कश्मीर क्रिकेट की सेवा करने आया, जिससे न केवल मैंने एक संरक्षक के रूप में, बल्कि समग्र जम्मू और कश्मीर क्रिकेट की भी मदद की और बहुत सारे खिलाड़ी सामने आए।

क्वालीफिकेशन दौर से अपने अभियान की शुरुआत करेंगे भारतीय तीरंदाज, दीपिका-तरुणदीप पर होंगी नजरें

पेरिस, 24 जुलाई (एजेंसियां) ।

पेरिस ओलंपिक की आधिकारिक तौर पर शुरुआत 26 जुलाई से होगी, लेकिन इससे एक दिन पहले भारतीय तीरंदाज अपने अभियान का आरंभ करेंगे। तीरंदाजी वो स्पर्धा है जिसमें भारत अब तक कोई ओलंपिक पदक हासिल नहीं कर सका है और अब भारतीय तीरंदाज लेस इनवैलिड्स गार्डन में क्वालीफिकेशन राउंड के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। अनुभवी तरुणदीप राय और दीपिका कुमारी अपने चौथे ओलंपिक में भाग ले रहे हैं। उनकी अगुआई में टीम को पसंदीदा ड्रॉ हासिल करने के लिए क्वालीफिकेशन में कम से कम शीर्ष 10 में जगह बनानी होगी। तीरंदाजी को ओलंपिक में 1988 में शामिल किया गया था और तब से भारतीय तीरंदाज लगभग हर ओलंपिक खेल में हिस्सा ले रहे हैं लेकिन अभी तक पोडियम तक पहुंचने में नाकाम रहे हैं। लंदन ओलंपिक 2012 के बाद यह पहला अवसर है जब भारतीय

टीम में सभी छह खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने रैंकिंग के आधार पर ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया जिसका मतलब है कि इस बार भारतीय तीरंदाज पांच स्पर्धाओं में भाग लेंगे। क्वालीफिकेशन से तय होगी वरीयता प्रत्येक तीरंदाज 72 तीर चलाएगा और क्वालीफिकेशन दौर में भाग ले रहे 53 देश के 128 खिलाड़ियों के स्कोर के आधार पर शुरू होने वाली मुख्य नॉकआउट प्रतियोगिता के लिए वरीयता तय की जाएगी। भारतीय टीम के लिए क्वालीफिकेशन दौर महत्वपूर्ण होगा जो अक्सर निचली वरीयता हासिल करती रही हैं और ऐसे में नॉकआउट चरण में उन्हें दक्षिण कोरिया जैसी मजबूत टीम का सामना करना पड़ता है। टोक्यो में पुरुष तीरंदाजों का निराशाजनक रहा था प्रदर्शन टोक्यो ओलंपिक में भारत के सभी पुरुष तीरंदाज शीर्ष 30 में जगह नहीं बना पाए थे जिससे भारतीय टीम को नौवीं वरीयता मिली थी। भारत की एकमात्र महिला तीरंदाज दीपिका ने नौवां स्थान हासिल किया था। भारत को तब अपने अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया से हार का सामना करना पड़ा था। भारत को पुरुष टीम से काफी उम्मीद है जिसने इस साल शंघाई में विश्व कप के फाइनल में कोरिया को हराकर इतिहास रचा था। भारतीय टीम में राय और पिछले ओलंपिक में भाग लेने वाले प्रवीण जाधव के रूप में अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं, जबकि युवा खिलाड़ी धीरज बोम्मादेवरा एक महीने पहले अंताल्या विश्व कप में टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता इटली के मौरो नेस्पोली को हराकर कांस्य पदक जीत कर उत्साह से लबरेज होंगे। दीपिका पर रहेंगी नजरें महिला वर्ग में सभी की निगाहें दीपिका पर टिकी रहेंगी। उन्होंने मां बनने के 16 महीने के अंदर शंघाई में विश्व कप के पहले चरण में रजत पदक जीत कर शानदार वापसी की थी। महिला टीम में उनके साथ देने के लिए अंकिता भकत और भजन कौर हैं। इन दोनों का यह पहला ओलंपिक होगा लेकिन वह वर्तमान ओलंपिक चक्र में भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं और उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

हॉकी के जादूगर ने ठुकरा दिया था हिटलर का ऑफर, स्वर्ण जीतने पर तिरंगा न देख रो पड़े थे

नई दिल्ली, 24 जुलाई (एजेंसियां) ।

ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने आठ स्वर्ण पदक समेत कुल 12 पदक जीते हैं, लेकिन 1936 के बर्लिन ओलंपिक का स्वर्ण कुछ ज्यादा ही खास है। 1936 में 15 अगस्त के ही दिन भारत ने तानाशाह हिटलर के सामने दद्दा ध्यानचंद की अगुआई में जर्मनी को 8-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। ध्यानचंद के खेल से हिटलर इतना प्रभावित हुआ था कि उसने उन्हें नागरिकता देने तक का मन बना लिया था। लेकिन ध्यानचंद बिल्कुल डिगे तक नहीं। 1936 ओलंपिक उनका आखिरी ओलंपिक था। उन पर कई आरोप भी लगे, लेकिन ये आरोप कभी सिद्ध नहीं हो पाए। आज ध्यानचंद के नाम पर खिलाड़ियों को भारत के सबसे प्रतिष्ठित खेल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित भी किया जाता है।

करियर में 400 से अधिक गोल - 29 अगस्त, 1905 को प्रयागराज (तब के इलाहाबाद) में जन्में मेजर ध्यानचंद का हॉकी खेल में पूरी दुनिया में कोई सानी नहीं था। उन्होंने करीब 22 साल तक भारत के लिए हॉकी खेला और इस दौरान 400 से अधिक इंटरनेशनल गोल दागे। उन्होंने लगातार तीन ओलंपिक (1928 में एम्सटर्डम, 1932 में लॉस एंजेलिस और 1936 में बर्लिन) में भारत को हॉकी खेल में अपने दम पर स्वर्ण पदक दिलाया था। मेजर ध्यानचंद के पिता सेना में थे और उसके लिए हॉकी खेलते थे। महज 16 वर्ष की उम्र में ध्यानचंद ने भी आर्मी जॉइन कर ली थी। इसी दौरान उन्हें भी मानो जैसे हॉकी से प्रेम ही हो गया था। ध्यानचंद को दुनिया में लगभग 55 देशों के 400 से अधिक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। इन्हीं उपलब्धियों के कारण उनके जन्मदिन को देश में 29 अगस्त को खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

जब ठुकराया था हिटलर का प्रस्ताव - कहानी साल 1936 में हुए बर्लिन ओलंपिक की है। जर्मनी के खिलाफ खेले गए हॉकी के मुकाबले में भारत ने उस पर 8-1 से बेहतरीन जीत दर्ज की थी। मैच में मेजर ध्यानचंद के खेल से जर्मनी का तानाशाह एडोल्फ हिटलर भी मुरीद हो गया था।

मैच के बाद हिटलर ने मेजर ध्यानचंद से मुलाकात की और उन्हें अपनी सेना में बड़े पद का प्रस्ताव दिया। हालांकि, उन्होंने बड़ी ही विनम्रता के साथ हिटलर के इस ऑफर को ठुकरा दिया था। उन्होंने इस कदम से पूरी दुनिया में तारीफें बटोरी थी। ध्यानचंद की न सुनते ही हिटलर चुपचाप वहां से चला गया। यह मुलाकात भले ही चंद मिनटों की थी लेकिन इस मुलाकात ने दिखा दिया की ध्यानचंद के लिए अपने देश से बड़ा कोई ओहदा नहीं था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 1936 में स्वर्ण पदक जरूर जीता था, लेकिन राष्ट्रीय ध्वज लहराता न देख ध्यानचंद का मन अंदर ही अंदर दुखी था। हिटलर ने पदक विजेताओं को पार्टी दी थी, लेकिन ध्यानचंद उसमें नहीं गए। वह खेल गांव में ही बैठ गए। उनकी आंखों में आंसू थे। जब टीम के एक साथी ने उनसे पूछा कि आज तो टीम जीती है तो फिर वह रो क्यों रहे हैं, इस पर ध्यानचंद का जवाब था काश यहां यूनियन जैक (ब्रिटिश इंडिया का झंडा) की जगह तिरंगा होता तो उन्हें बेहद खुशी होती। लंदन ओलंपिक में जाने से किया था मना अशोक बताते हैं कि देश के आजाद होने के बाद जब भारतीय टीम को लंदन ओलंपिक में खेलने के लिए जाना था, तब ध्यानचंद की उम्र 43 वर्ष की हो चुकी थी। बावजूद इसके उनसे टीम में खेलने के लिए पूछा गया, लेकिन उन्होंने कहा कि अब युवाओं को मौका दिया जाना चाहिए। उन्होंने लंदन ओलंपिक में खेलने से इनकार कर दिया था। हालांकि पूर्वी अफ्रीका ने 1948 में भारतीय टीम को अपने यहां खेलने का निमंत्रण दिया था, लेकिन साथ में यह भी कहा था कि इस टीम में ध्यानचंद हर हाल में होने चाहिए। तब ध्यानचंद इस दौरे पर गए और 43 की उम्र में भी उन्होंने उस दौरे पर 52 गोल किए थे। दांत टूटे, नंगे पैर खेले पर कम नहीं होने दिया हौसला भारत ने ग्रुप ए के अपना सभी मैचों की जीतकर आसानी से सेमीफाइनल में प्रवेश किया, तो वहीं दूसरी ओर जर्मनी ज्यादा आक्रामक हो गई और ग्रुप बी से आगे बढ़ने में सफल रही। भारतीय हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में फ्रांस पर 10-0 की जीत के साथ ओलंपिक के फाइनल में जगह बना ली। इस मैच में ध्यानचंद ने चार गोल किए थे। फाइनल में भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। हालांकि, जर्मन गोलकीपर टिटो वार्नहोल्ट्ज से टकराने के बाद उनके दांत भी टूट गए थे। ध्यानचंद इलाज के बाद मैदान पर लौटे और कहा जाता है कि दूसरे हाफ में उन्होंने तेजी से दौड़ने के लिए अपने जूते तक उतार दिए।

रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी 30 जुलाई को होगा लॉन्च, फुल वाटर प्रूफ है स्मार्ट फोन

नई दिल्ली,24 जुलाई (एजेंसियां)।

शुरू के दिनों में जब स्मार्टफोन आए थे तब उनकी टेक्नोलॉजी वैसी नहीं थी जो अब है। पहले ब्लर फोटो और सुस्त परफॉर्मेंस से लेकर कमजोर स्क्रीन और शॉर्ट बैटरी लाइफ आम बात होती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है।पिछले कुछ सालों में, हमने स्मार्टफोन की क्वालिटी में उल्लेखनीय विकास देखा है, जिसमें हर जनरेशन का फोन इनोवेशन और यूजर एक्सपीरियंस की सीमाओं को आगे बढ़ा रहा है। आज के स्मार्टफोन पहले से कहीं ज्यादा पावरफुल और टिकाऊ हैं।किसी भी तेजी से विकसित हो रही टेक्नोलॉजी की तरह, इसमें हमेशा सुधार की गुंजाइश होती है। बेहतरीन स्मार्टफोन की तलाश इंडस्ट्री को आगे बढ़ाता रहता है। अपने 13 प्रो सीरीज 5जी के अपकमिंग लॉन्च के साथ, रियलमी एक्सीलेंस की गारंटी दे रहा है। ब्रांड का प्राइमरी फोकस सभी सेगमेंट में अपने प्रोडक्ट की क्वालिटी में सुधार करना है। 13 प्रो सीरीज 5जी के साथ, रियलमी का लक्ष्य न केवल प्रभावशाली जानकारी देना है, बल्कि क्वालिटी की नींव पर निर्मित प्रीमियम स्मार्टफोन एक्सपीरियंस प्रदान करना है, जो खास तौर से मिड-हाई सेगमेंट में कस्टमर्स की जरूरतों और डिमांड को पूरा करता है। बेहतर क्वालिटी वाले स्मार्टफोन और बेहतर एक्सपीरियंस प्रदान कर रियलमी का लक्ष्य मिड-हाई स्मार्टफोन मार्केट में अपनी स्थिति को मजबूत करना है। रियलमी एक ऐसे भविष्य की कल्पना करता है जहां बैटरी की परेशानी न हो, एक ऐसा भविष्य जो ज्यादा कैपेसिटी, स्मार्ट पावर मैनेजमेंट और ऐसी टेक्नोलॉजी से संचालित हो जो आपके लाइफ के साथ चलती रहे। यह केवल परफॉर्मेंस के बारे में नहीं है, यह मजबूती के बारे में है। रियलमी ऐसे डिवाइस बनाने का प्रयास करता है, जो टिकाऊ और पावरफुल हो, जो डेली लाइफ की परेशानियों को आसानी से हल कर सके। कल्पना कीजिए कि आप अचानक बारिश में फंस गए, आपका फ्यूचर रियलमी स्मार्टफोन, अपनी आईपी65 प्लस रेटिंग के साथ, बारिश को ऐसे झेल जाएगा जैसे कुछ भी नहीं हुआ हो। फ्यूचर रियलमी स्मार्टफोन पानी में गिरने के बाद भी पूरी तरह से काम करते रहेंगे।

न्यूजब्रीफ

गुजरात में भूटान के राजा और प्रधानमंत्री से अरबपति कारोबारी अडाणी की मुलाकात, मकसद-सहयोग के अवसर तलाशना

नई दिल्ली । भूटान के राजा और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत दौरे पर आया। गुजरात की अपनी दो दिवसीय यात्रा पर इस दल ने मुंद्रा और खावड़ा में अदाणी समूह के प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजना स्थलों का दौरा किया। अदाणी ने दोनों के साथ मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कीं। भारत के अरबपति उद्योगपति गौतम अदाणी ने भूटान के राजा और प्रधानमंत्री से गुजरात में मुलाकात की। दोनों के साथ मुलाकात की तस्वीरें शेयर कर अदाणी ने कहा भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक और प्रधानमंत्री भूटान दाशो त्शेरिंग टोबगे की मेजबानी कर बेहद खुश हैं। उन्होंने खावड़ा और मुंद्रा बंदरगाह में 30 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा साइट का दौरा करने के लिए दोनों का आभार भी प्रकट किया। अदाणी ने कहा कि भारत और भूटान स्थायी और हरित भविष्य के लिए थंडर ड्रैगन की भूमि के साथ सहयोग को बढ़ावा देने को प्रतिबद्ध हैं। ऐसे में वे भी अपनी भूमिका को लेकर उत्साहित हैं। सूत्रों ने कहा कि भूटान के शीर्ष नेताओं की यात्रा का प्राथमिक उद्देश्य अदाणी समूह के साथ कई क्षेत्रों में व्यापक सहयोग के अवसरों का पता लगाना था। मुंद्रा में, अदाणी समूह भारत के सबसे बड़े वाणिज्यिक बंदरगाह का संचालन करता है, जबकि खावड़ा में यह दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क विकसित कर रहा है। भूटान का लक्ष्य बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास में समूह की विशेषज्ञता को देखते हुए सहयोग करना है। अदाणी ने कहा कि भूटान की जीवंत भावना और पर्यावरण-अनुकूल पहलों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को देखकर उन्हें काफी प्रेरणा मिलती है। गौरतलब है कि जलविद्युत भूटान की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो इसके सकल घरेलू उत्पाद और निर्यात राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देती है। भूटान अपनी उत्पादित बिजली का एक बड़ा हिस्सा भारत को निर्यात करता है, जिससे भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में भी मदद मिलती है।

जल्द आ रहा मोटोरोला का नया स्मार्टफोन, मिलेगी 68वॉट की चार्जिंग, लुक भी जबरदस्त

नई दिल्ली । मोटोरोला कंपनी का नए स्मार्टफोन जल्द लॉन्च होने वाला है। फोन की लॉन्च डेट के बारे में कंपनी की तरफ से अभी कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं दी गई है। कंपनी के इस अपकमिंग फोन का नाम मोटोरोला एग्ज 50 नीयो है। इस फोन के फोटोज लीक कर दिये है। इस लीक में फोन के कलर और डिजाइन को देखा जा सकता है। शेयर किए गए फोटो से अंदाजा लगाया जा रहा है कि कंपनी इस फोन में 6.4 इंच का फुल एचडी+ पीओएलईडी ऑफर कर सकती है। इसके रियर में तीन कैमरे दिए गए हैं। फोन वीगन लेदर फिनिश और पैंटोन कलर्स में आएगा। लीक रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी इस फोन में 6.4 इंच का फुल एचडी+ पीओएलईडी डिस्प्ले ऑफर कर सकती है।

व्हाट्सएप ला रहा है नया फीचर, नाम से कर सकेंगे चैट

नई दिल्ली । व्हाट्सएप एक नया फीचर लेकर आ रही है। इसमें बिना नंबर के नाम के आधार पर चैटिंग की सुविधा मिलेगी। व्हाट्सएप मे चैटिंग करने पर प्राइवेसी सुरक्षित रहेगी। व्हाट्सएप नए फीचर की टेस्टिंग कर रही है। इसकी टेस्टिंग पूरी हो जाने के बाद यूजर नेम के नाम से व्हाट्सएप में आसानी से चेट किया जा सकेगा। किसी नंबर को सेव करने की जरूरत नहीं होगी। सर्च इंजन के माध्यम से व्हाट्सएप नई सुविधा शुरू करने जा रहा है। सोशल मीडिया में प्राइवेसी को लेकर सरकार तरह-तरह के कानून बना रही है। उसी तरीके से आईटी कंपनियां भी संदेश भेजने के लिए अपने उपभोक्ताओं की प्राइवेसी के लिए नए-नए तरीके निकाल रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बांग्लादेश के मोंगला...

पर्यवेक्षकों का कहना है कि हिंद महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच भारत ने बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाह पर एक टर्मिनल के संचालन अधिकार हासिल करके रणनीतिक जीत हासिल की है। बांग्लादेश से हुआ यह समझौता अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस समझौते को विदेशी बंदरगाहों पर अर्ध-नियंत्रण हासिल करने की वैश्विक समुद्री दौड़ में बीजिंग को पछाड़ने के नई दिल्ली के प्रयासों के नाते देखा जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि चटगांव के बाद बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है मोंगला बंदरगाह। ईरान में चाबहार और म्यांमार में सित्तवे बंदरगाहों के बाद हाल के वर्षों में विदेशी बंदरगाहों के संचालन अधिकार पाने के मामले भारत की तीसरी सफलता है। मोंगला बंदरगाह समझौते का ब्यौरा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय के एक वरिष्ठ भारतीय अधिकारी ने बताया है कि टर्मिनल का संचालन इंडियन पोर्ट ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजी-ीएल) द्वारा किया जाएगा।

बंदरगाह और नौवहन के विशेषज्ञों का कहना है कि समुद्री क्षेत्र में भारत की पहले उतनी साख नहीं थी, लेकिन इधर 10 वर्षों में मोदी सरकार की धारदार कूटनीति और प्रयासों से इस क्षेत्र में भारत एक बड़ा नाम बनकर उभरा है। हाल के कुछ वर्षों में ही इस क्षेत्र में काफी निवेश भी मिला है। वैश्विक स्तर पर प्रमुख बंदरगाहों पर अर्ध-नियंत्रण किसी देश की अपनी समुद्री शक्ति को दर्शाता है। इस लिहाज से भारत का बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाह भारत के संचालन में आना चीन के लिए निश्चित तौर पर परेशानी पैदा करने वाला होगा। पता चला है कि चीन 63 देशों में 100 से अधिक बंदरगाहों में निवेश किए हुए है। हिंद महासागर क्षेत्र चीन की समुद्री रेशम मार्ग पहल की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। बीजिंग जबूती में 7.8 करोड़ डॉलर से लेकर पाकिस्तान के ग्वादर में 1.6 अरब डॉलर तक निवेश कर रहा है।

यहां यह भी ध्यान देने की बात है कि इस वक्त हिंद महासागर में 17 बंदरगाहों में चीनी कंपनियों का दखल है। इनमें से 13 का चीनी कंपनियां निर्माण कर रही हैं और आठ परियोजनाओं में उनकी हिस्सेदारी है। हिंद महासागर से इतर, चीनी कंपनियों ने संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में बंदरगाहों या टर्मिनलों के लिए पट्टों पर भी हस्ताक्षर किए हैं। दिलचस्प बात यह भी है कि मोंगला बंदरगाह समझौता तब हुआ था जब पिछले महीने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आई थीं। यहां उन्होंने अपने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपनी वार्ता में इस मुद्दे पर भी विस्तार से बात की थी। तब दोनों देशों के बीच समुद्री सहित कई सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर हुए थे।

भारत-बांग्लादेश के बीच यह समझौता कितना प्रभावशाली है, इस संबंध में विशेषज्ञों की यह टिप्पणी बहुत कुछ बताती है कि, मोंगला बंदरगाह टर्मिनल का प्रबंधन हिंद महासागर के पश्चिमी और पूर्वी किनारों के प्रमुख समुद्री स्थानों पर भारत के प्रभाव को बढ़ाएगा और क्षेत्रीय सुरक्षा में इसकी भूमिका को मजबूत करेगा। दरअसल आज की परिस्थिति में बंदरगाहों का निर्माण और प्रबंधन बंदरगाह-कूटनीति का एक रूप है, एक नवीनीकृत राष्ट्रीय शक्ति उपकरण है, जिसका रणनीतिक महत्व बढ़ता जा रहा है।

ध्यान रहे कि साल 2018 में, बांग्लादेश ने भारत को पारगमन और कार्गो शिपिंग के लिए चटगांव तथा मोंगला बंदरगाहों तक पूरी पहुंच प्रदान की थी। अब नि:संदेह मोंगला में टर्मिनल का परिचालन नियंत्रण हासिल करने से भारत की व्यापार कनेक्टिविटी में विस्तार होगा। भारत की दृष्टि से इस तथ्य को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि चीन के ऊर्जा आयात का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा हिंद महासागर क्षेत्र से होकर गुजरता है। यही वजह है कि बंदरगाह इसके रणनीतिक निवेश की दृष्टि से महत्व-पूर्ण बन गए हैं। भारत का इस क्षेत्र में बढ़ता प्रभुत्व हिंद महासागर ही नहीं, बल्कि अन्य महासागरों में भी अपना प्रभाव बढ़ाने के प्रयासों के लिए विशेष संबल माना जा सकता है।

बांग्लादेश ने भारत...

तो हम निश्चित रूप से उन्हें पश्चिम बंगाल में शरण देंगे।

उनका यह बयान बांग्लादेश में हाल के दिनों में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद आया था। बांग्लादेश में जुलाई माह की शुरुआत से ही सरकारी नौकरियों में आरक्षण को लेकर प्रदर्शन हो रहे थे। यह प्रदर्शन आरक्षण खत्म किए जाने को लेकर हो रहे थे। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण में बदलाव के निर्णय के बाद प्रदर्शनों को रोक दिया गया है।

दरअसल, बांग्लादेश के हाईकोर्ट ने 1 जुलाई 2024 को दिए गए फैसले में देश में 56 प्रतिशत आरक्षण दोबारा से चालू करने का फैसला किया था। इसमें से 30 प्रतिशत आरक्षण 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वालों के वंशजों को दिया जाता था। यह 56 प्रतिशत आरक्षण 2018 में शेख हसीना की सरकार ने ही खत्म कर दिया था। हाईकोर्ट के इस निर्णय का छात्र विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि सरकारी नौकरियों में आरक्षण बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में लड़ने वाली तीसरी पीढ़ी को क्यों मिल रहा है। हाईकोर्ट के इस निर्णय में बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने बदलाव कर दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी नौकरियों में केवल 5 प्रतिशत आरक्षण छोड़ कर शेष आरक्षण खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 95 फीसदी सरकारी नौकरियां मेरिट के आधार पर योग्य अभ्यर्थियों को दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद से प्रदर्शनकारी शांत हैं। इन प्रदर्शनों में लगभग 150 से अधिक मौतें हुई हैं।

अभी नहीं ...

और बख्तरबंद गाड़ियां लेकर आना चाहते हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसान ऐसा प्रदर्शन नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार और किसानों के बीच विश्वास की कमी की बात कही। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान पंजाब का भी पक्ष सुना जिसने कहा कि शंभू बॉर्डर बंद होने के कारण उसे आर्थिक नुकसान हो रहा है।

गौरलतब है कि पंजाब और हरियाणा के बीच पड़ने वाला शंभू बॉर्डर बीते फरवरी माह से ही बंद है। यहां किसानों ने डेरा जमाया हुआ है और वह दिल्ली आकर प्रदर्शन करना चाहते हैं। उन्होंने हाल ही में 15 अगस्त को दिल्ली आकर प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने हाल ही में इस मामले पर सुनवाई करते हुए हरियाणा को आदेश दिया था कि वह बैरिकेड हटा दे। इस निर्णय के विरुद्ध हरियाणा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था जिसने हाई कोर्ट के फैसले से इतर बॉर्डर खोलने पर अभी के लिए रोक लगाई है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई जाने वाली समिति किसानों और अन्य हितधारकों से मिलकर उनकी बात सुनेगी और ऐसा व्यवहारिक समाधान खोजेगी, जो निष्पक्ष, न्यायसंगत और सभी के हित में हो। शंभू सीमा पर किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह एक स्वतंत्र समिति गठित करने का प्रस्ताव देता है। यह समिति किसानों और अन्य हितधारकों से संपर्क उनकी मांगों का व्यावहारिक समाधान निकालेगी, जो निष्पक्ष, न्यायसंगत और सभी के हित में हो। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने नेशनल हाईवे-1 पर शंभू बॉर्डर को एक सप्ताह में खोलने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार, 24 जुलाई यानी आज तक शंभू बॉर्डर को खोला जाना था, लेकिन हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ हरियाणा सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। हरियाणा सरकार ने कानून व्यवस्था का हवाला देकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। हरियाणा हाईकोर्ट पर सुनवाई करते हुए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी और कहा कि शंभू बॉर्डर के पास यथास्थिति बनाए रखी जाए, जहां किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं।

किसानों को...

जिक्र किया है। हमने आकलन किया है और इसे लागू किया जा सकता है। हमने अभी एक बैठक की, जिसमें तय किया गया कि हम विपक्षी गठबंधन के दूसरे नेताओं से बात करेंगे और सरकार पर दबाव डालेंगे कि देश के किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाए।

22 जुलाई को संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने कहा था कि वे देशभर में मोदी सरकार के पुतले जलाएंगे और नए सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे। इसके अलावा विपक्ष द्वारा निजी विधेयकों का समर्थन करने के लिए मार्च भी निकालेंगे। प्रदर्शनकारी किसान 15 अगस्त को देश भर में ट्रैक्टर रैली निकालेंगे। और नए क्रिमिनल बिल की कॉपियां भी जलाएंगे। किसान संगठनों ने कहा था कि किसानों का दिल्ली चलो मार्च 31 अगस्त को 200 दिन पूरा करेगा। संगठनों ने किसानों से पंजाब-हरियाणा के खनौरी-शंभू बॉर्डर पर पहुंचने की अपील भी की है। कांग्रेस इस मसले पर किसानों के आंदोलन-प्रदर्शन का समर्थन कर रही है और पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार इसे लगातार हवा दे रही है।

कांवड़ मार्गों पर...

कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में जयपुर की महापौर सौम्या गुर्जर ने कहा, जयपुर में 150 वार्ड हैं, मैं कई बार लोगों के बीच गई हूं, लोगों ने इस संबंध में शिकायत की थी। बताया गया था कि कैसे दुकानों पर गंदगी होती है। अब एग्जीक्यूटिव कमेटी ने फैसला लिया है कि जहां लोग रहते हैं, उसके आसपास मीट की मंडी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मीट की दुकानों का लाइसेंस नगर निगम उन्हीं को देगा, जिसके पास दुकान का कमर्शियल पट्टा होगा। इसके अलावा महापौर ने कांवड़ यात्रा मार्गों की पवित्रता का भी ध्यान रखते हुए कांवड़ियों के रास्ते में और शिव मंदिर के निकट खुले में मीट बिक्री पर रोक लगाने की बात कही।

जो लोग अपने नाम और धर्म को छिपाकर अलग नाम से धंधा करते हैं उन लोगों के लिए महापौर ने कहा कि सियाराम नाम से कंपनी चलाने वाले तीन मालिक मुस्लिम हैं। ऐसे में पता चलना चाहिए कि कोई हिंदू देवी-देवताओं के नाम से गलत काम तो नहीं कर रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के मद्देनजर सरकारों ने आदेश जारी किया था कि था दुकानदारों को अपना नाम सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित करना होगा। इसके बाद कई तस्वीरें सामने आई जिसमें दुकानदारों ने ऐसा किया भी हुआ था। हालांकि बाद में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश जारी कर इस फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी।

बिहार विधानसभा...

उन गड़बड़ियों को रोकने के लिए नियम बनाए हैं। वह पूरे देश में लागू हो गया है। अब बिहार में भी अलग से सख्त कानून लाया जा रहा है। लेकिन इन बातों को सुने बगैर विपक्षी सदस्य हंगामा करते हुए सदन से बाहर चले गए। विधानसभा अध्यक्ष ने विपक्ष को शांत करने की कोशिश की लेकिन वह नहीं माने और सदन से बाहर चले गए।

विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने सदन की कार्यवाही देखने आए बच्चों के सामने इज्जत बनाए रखने की दुहाई देते हुए टोका, लेकिन बात नहीं बनी। अध्यक्ष ने कहा कि अपनी इज्जत बचाइए, बच्चे आपके बारे में क्या राय लेकर जाएंगे? लेकिन, इसपर विपक्षी सदस्य अपनी हरकतों से बाज नहीं आए। मंत्री विजय कुमार चौधरी ने भी उठकर कहा कि जिन सवालों पर विपक्ष हंगामा कर रहा है, उसपर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सब कुछ साफ-साफ कह चुके हैं।

बहरहाल, एंटी पेपर लीक विधेयक के विधानसभा में पास होने के बाद वह विधान परिषद से पास होगा। उसके बाद इसे राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। विधेयक पेश करते हुए संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष ऐसे महत्वपूर्ण कानून का हिस्सा नहीं बनना चाहता, जिसका उद्देश्य युवाओं के लिए एक स्वच्छ परीक्षा प्रणाली सुनिश्चित करना है। विजय चौधरी ने कहा कि यह विधेयक किसी भी तरह से परीक्षाओं को प्रभावित करने वाले पेपर लीक में शामिल संगठित गिरोहों और असामाजिक लोगों को रोकने के लिए कठोर दंड देता है, क्योंकि यह समय की मांग है। मुझे पता चला है कि पिछले 16 दिनों में देशभर में ऐसे 48 मामले सामने आए हैं। बिहार पर भी असर पड़ा है। केंद्र का कानून जुलाई से प्रभावी हो गया है और बिहार ने भी अपना कानून बना लिया है। अगर परीक्षा प्रणाली में छेड़छाड़ करने वाले ऐसे तत्वों पर मामला दर्ज किया जाएगा तो विपक्ष को क्या दिक्कत हो सकती है? यह दुखद है, बिहार की जनता सब देख रही है।

हालांकि विपक्ष ने कई संशोधन पेश किए थे, लेकिन उन्हें आगे बढ़ाने के लिए कोई नहीं था, जिसके बाद स्पीकर को विपक्ष को यह बताने के लिए मजबूर होना पड़ा कि क्या वे सरकार की मदद करना चाहते हैं या अपने विधायकों को इतने महत्वपूर्ण विधेयक में संशोधन पेश करने से रोकना चाहते हैं। हालांकि, विपक्ष वॉकआउट करने से पहले नारेबाजी करता रहा।

विधेयक में साफ है कि कानून के अधीन अपराधों में लिप्त व्यक्ति को न्यूनतम 3 साल की सजा होगी, जो 5 सालों तक की होगी। अगर कोई अभ्यर्थी नियमों का उल्लंघन करते पाया जाता है तो उसे तीन से पांच साल की सजा और 10 लाख से एक करोड़ रुपए के जुर्माने का प्रावधान नए बिल में किया गया है। परीक्षा में शामिल सेवा प्रदाता अगर कानून का उल्लंघन करते हैं तो उनके लिए एक करोड़ जुर्माने का प्रावधान है। परीक्षा की लागत भी सेवा प्रदाता से ही वसूली जाएगी। उसे चार साल के लिए ब्लैक लिस्टेड कर दिया जाएगा।

कोई व्यक्ति या ग्रुप जिनके साथ सर्विस प्रोवाइडर की मिलीभगत हो तो 5 से 10 वर्ष की सजा और एक करोड़ का जुर्माना लगेगा। संस्था की संपत्ति की कुर्की का भी प्रावधान है। अगर किसी अधिकारी की संलिप्तता पेपर लीक में पाई गई तो उसे 10 साल तक जेल हो सकती है और एक करोड़ तक जुर्माना भी लगेगा। साथ ही अब पेपर लीक की जांच भी डीएसपी रैंक के अधिकारी करेंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पहले ही मॉनसून सत्र में पेपर लीक पर नया बिल लाने की घोषणा की थी। इस बिल का उद्देश्य लोक परीक्षा प्रणाली में अधिक पारदर्शिता, निष्पक्षता लाना है। उन व्यक्तियों, संगठित समूहों या संस्थानों को प्रभावी ढंग से और कानूनी रूप से रोकना है, जो अनुचित तरीकों में लिप्त हैं और लोक परीक्षा प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। जो अब विधानसभा से पास हो गया है। आज सदन स्थगित होने से पहले दो और विधेयक, माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2024 और बिहार लाइट और एस्केलेटर विधेयक, 2024 भी पारित किए गए।

केंद्र सरकार ने ...

जानकारी के मुताबिक, इसके तहत पेपर लीक में दोषी पाए जाने पर 2 साल से लेकर आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी और एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

भेदभाव के ...

यह सिर्फ सबको खुश करने के लिए है। जबकि कांग्रेस के ही नेता पी चिदंबरम ने कल कहा था कि मोदी सरकार का बजट, कांग्रेस के मेनिफेस्टो की नकल है। बजट के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा से भी वॉकआउट किया। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान केंद्रीय बजट के खिलाफ विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी की।

मुठभेड़ में एक ...

पाकिस्तानी घुसपैठिया होने की आशंका के चलते पुलिस लगातार जांच कर रही है। दो दिन पहले भी बेहदिया गांव में 2 संदिग्धों ने एक घर में जाकर रोटी मांगी थी। सुजानपुर के चक माधो सिंह गांव में भी सेना की वर्दी में 4 संदिग्ध देखे गए।

मंगलवार की रात पठानकोट के गांव फागतोली में 7 संदिग्ध देखे गए। फागतोली गांव की रहने वाली सीमा देवी ने बताया कि कुछ लोग जंगल की ओर से उनके घर में घुस आए और पानी मांगा। पानी पिलाने के बाद वे फिर से जंगल में घुस गए, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। डीएसपी समीर सिंह मान ने कहा कि मंगलवार को देर शाम संदिग्ध लोगों को देखे जाने की खबर सामने आई है, जिसके आधार पर हम सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। ये लोग मजदूर भी हो सकते हैं। यह इसलिए भी संभव है, क्योंकि पीछे जंगल का इलाका है। वहां मजदूर काम कर रहे हैं।

जम्मू कश्मीर में ....

इनके खिलाफ आगे की कार्रवाई भी की जा रही है। यह पहली बार नहीं है जब जम्मू कश्मीर में सरकारी कर्मचारी आतंक की मदद करते पाए गए हों।

जम्मू कश्मीर में इससे पहले जून में भी 4 कर्मचारियों पर ऐसी ही कार्रवाई की गई थी। इसके पहले नवंबर 2023 में भी 4 कर्मचारी नौकरी से निकाले गए थे, इन पर भी आतंकियों से संबंध रखने का आरोप था। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया था कि सरकार कम से कम 55 ऐसे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर चुकी है जिनके आतंकियों से संबंध थे। सरकार ने ऐसे कर्मचारियों की पहचान के लिए एक टास्कफोर्स का भी गठन किया हुआ है। नौकरी से निकाले जाने वाले अधिकांश कर्मचारी जम्मू कश्मीर के शिक्षा विभाग या फिर पुलिस विभाग से जुड़े हैं। यह आतंकियों के लिए जमीन तैयार करने का काम करते हैं।

देशवासियों का...

गृह राज्य मंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर सरकार ने पर्यटन के क्षेत्र में भी कई उपाय किए गए हैं, जिससे पर्यटन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इसमें पर्यटन नीति 2020 और जम्मू और कश्मीर औद्योगिक नीति 2021 के तहत प्रोत्साहन प्राप्त करने के लिए पर्यटन क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देना भी शामिल है।

जम्मू कश्मीर आने वाले पर्यटकों के आंकड़े हितधारकों के लिए बहुत अच्छी खबर है। कोविड में नौकरी छूटने के बाद टूर और ट्रैवल एजेंसी शुरू करने वाले 40 वर्षीय सज्जाद अहमद ने कहा कि यह साल उनके लिए सबसे अच्छा रहा। उन्होंने कहा, मेरी बुकिंग में 100 परसेंट की वृद्धि हुई है और हमारा व्यवसाय बढ़ रहा है। सज्जाद कहते हैं, धारा 370 हटाया जाना तो हम जैसे लोगों के लिए वरदान साबित हुआ है। देशभर से लोगों की कश्मीर में अभूतपूर्व भीड़ उमड़ रही है। उन्होंने कहा कि उनके पास कश्मीर के अलावा प्राकृतिक सुंदरता को देखने का कोई विकल्प नहीं है, जो उन्हें यूरोप में ही मिल सकती है। कश्मीर सुंदरता के मामले में यूरोपीय रिसॉर्ट्स के बराबर है और यह बहुत सस्ता भी है। कश्मीर में पर्यटन में उछाल, बेहतर सुरक्षा परिदृश्य के अलावा, कश्मीर में जी-20 जैसी अंतरराष्ट्रीय बैठकों के आयोजन के कारण भी हुआ है।

होटल व्यवसायी और कश्मीर चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के महासचिव फैज बख्शी ने कहा कि मार्च, अप्रैल, मई और जून पर्यटन के लिए सबसे अच्छे महीने थे। उन्होंने कहा कि अमरनाथ यात्रा के दरम्यान अन्य नियमित पर्यटकों की संख्या में कमी आई है। हमने सरकार से अमरनाथ यात्रियों को यात्रा करने के बाद कश्मीर के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर जाने की अनुमति देने और उन्हें सुरक्षा काफिले तक सीमित न रखने के लिए कहा है। उन्होंने कहा, हमने यात्रा अवधि के दौरान यात्रियों को भारी छूट देने का फैसला किया है।

क्या है नेपाल के प्रसिद्ध मंदिर पशुपतिनाथ का इतिहास

नेपाल माता सीता की जन्मस्थल है और महर्षि वाल्मीकि की कर्मस्थली है। नेपाल आदि काल से ही साधु संतों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यह देश हिमालय की गोद में प्रकृति की खूबसूरती को सदियों से अपने में समेटे हुए है। नेपाल पूरी दुनिया में अपनी ऊंचे-ऊंचे पर्वतों, धर्म, कला और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विख्यात है और इसी खूबसूरत देश की राजधानी काठमांडू से सिर्फ तीन किलोमीटर दूर देव पाटन गांव में बागमती नदी के तट पर भगवान शिव का प्राचीन मंदिर पशुपति भी स्थित है। भगवान पशुपति भगवान शिव के ही दिव्य स्वरूप हैं। यहां दर्शन के लिए हर साल भारत और दूसरे देशों से हजारों हिंदू श्रद्धालु नेपाल की यात्रा करते हैं। कहते हैं पशुपति का मतलब होता है सभी चीजों के स्वामी अर्थार्थ पूरे ब्रह्मांड में जीतने भी जीव हैं उन सबके भगवान श्री पशुपति जी हैं। यह मंदिर नेपाल का सबसे बड़ा मंदिर है और सबसे पवित्र माना जाता है। ऐसी भी मान्यता है कि जो कोई इस मंदिर में भगवान के दर्शन कर लेता है या फिर उसका अंतिम संस्कार किया जाता है। तो उसके सारे पाप धुल जाते हैं और फिर उसके बाद उसका जन्म सिर्फ मनुष्य योनि में ही होता है। अपने जीवन के अंतिम समय लोग इस मंदिर में बिताने के लिए आते हैं क्योंकि लोगों का मानना है कि यहां पर जिसकी भी मृत्यु होती है उसे सारे पापों से मुक्ति मिल जाती है और वह स्वर्ग की प्राप्ति करता है। इसलिए मंदिर परिसर में आपको बहुत से वृद्ध व्यक्ति साधना करते हुए दिख जाएंगे।

भगवान पशुपतिनाथ मंदिर को यूनेस्को ने विश्व धरोहर के रूप में भी मान्यता दी है। मंदिर पूरे विश्व में अपनी दिव्यता और रहस्यों के लिए भी जाना जाता है।

भगवान पशुपति के दर्शन के लिए इस मंदिर में केवल हिन्दू श्रद्धालु ही प्रवेश कर सकते हैं। अन्य धर्मों के लोग मुख्य मंदिर में प्रवेश नहीं कर सकते हैं। इसलिए उनके लिए बाहर ही व्यवस्था की गई है। जहां से वो सभी लोग पशुपतिनाथ भगवान के दर्शन कर सकें। भगवान शिव के कुल 1008 नाम है जिसमें भगवान पशुपति नाम सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली माना जाता है। इस रूप को भगवान शिव का मनुष्य रूप भी समझा जाता है।

मंदिर पहुंचने के लिए नेपाल सरकार ने हर तरह की सुविधा दे रखी है। राजधानी काठमांडू में एयरपोर्ट और बस स्टैंड दोनों हैं जिसकी सहायता से आप काठमांडू पहुंच सकते हैं। काठमांडू से देव पाटन गांव पहुंचने के लिए बस, रिक्शा और टेम्पो की सुविधा भी उपलब्ध है।

पशुपतिनाथ मंदिर की कहानी क्या है?

ऐसा माना जो आता है कि इस लिंगम को वेद लिखे जाने से पहले ही स्थापित किया गया था। इस मंदिर को लेकर आज हमारे पास जो भी साक्ष्य है वो सभी तेरहवीं शताब्दी के ही हैं। लेकिन, इस मंदिर को लेकर मान्यता है की मंदिर का निर्माण तीसरी शताब्दी से पूर्व में सोमदेव राजवंश के राजा पशु प्रेक्ष ने किया था। दुबारा से ग्यारहवीं सदी में इसे बनवाया गया था। श्री पशुपतिनाथ मंदिर को अंतिम बार 1697 में राजा नरेश भूपेन्द्र मल ने बनवाया था। ऐसे में देखा जाए तो ये मंदिर को लेकर एक नहीं लोगों में कई मान्यताएं हैं। जिसमे एक मान्यता महाभारत से भी जुड़ी हुई है। महाभारत युद्ध के दौरान पांडवों ने लाखों लोगों को मारा था जिसका उन्हें बहुत ज्यादा दुःख था और वो इसी से दुखी होकर भगवान श्री कृष्ण से मिलते हैं। श्री कृष्ण ने उन्हें इस पाप से मुक्ति पाने के लिए भगवान शिव की शरण में जाने के लिए कहते हैं। इसके बाद युद्धेश्वर अपने भाइयों के साथ भगवान शिव की खोज करने लगते हैं।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान शिव पांडवों से नाराज थे और इसलिए वे इन्हें दर्शन नहीं देना चाहते थे लेकिन पांडवों ने भी प्रतिज्ञा कर ली थी कि वे भगवान शिव से माफी मांग कर ही रहेंगे। भगवान शिव कैलाश पर्वत छोड़ वाराणसी में निवास करने लगते हैं लेकिन पांडव भी वहां पर पहुंच गए। जिसके बाद भगवान शिव? एक बैल का रूप धारण कर कैलाश पर्वत पर जाकर जानवरों के एक झुंड में मिल जाते हैं। पांडवों को जैसे ही स्वैस्य का पता चलता है वे सभी कैलाश पर्वत पर पहुंच जाते हैं, लेकिन वे पहचान नहीं पाते कि उन जानवरों में से भगवान शिव कौन है। तभी भीम अपना विशाल रूप धारण करके जानवरों के रास्ते को रोक देते हैं, जिसके कारण सभी जानवर तो निकल जाते हैं लेकिन भगवान शिव रूपी बैल नहीं निकल पाता जिसके कारण पांडवों को सच्चाई का पता लग जाता है। तभी वह बैल जमीन में धंसने लगता है। और भीम दौड़कर अपनी बलशाली भुजाओं से बेल के कूबड़ को पकड़ लेते हैं और वह हिस्सा धरती में नहीं धस पाता।

भगवान शिव पांडवों की इस भक्ति से खुश होते हैं और फिर उन्हें सभी पापों से मुक्त करते थे। जब बैल धरती में समा रहा था तो उसका अलग-अलग हिस्सा अलग अलग जगहों पर घराती के ऊपर निकलता है और वे सभी स्थान पवित्र स्थल बन जाते हैं। बैल का कूबड़ जहां निकला था वहां केदारनाथ मंदिर बन गया। बैल का माथा काठमांडू के पास प्रकट हुआ था जहां पर आज भगवान पशुपति नाथ का मंदिर है। टांगे जहां प्रकट हुई उसे तुंगनाथ कहा गया। हिमालय के मध्य माहेश्वर में बैल की नाभि प्रकट हुई थी और बैल का सींग जहां से निकला उसे कल्पनात कहा जाता है। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग केदारनाथ का है जिसका आधा हिस्सा पशुपतिनाथ मंदिर का आ जाता है। इसलिए ऐसा कहा जाता है क्योंकि भगवान शिव पशुपतिनाथ मंदिर आने से पहले भक्तों को केदारनाथ के दर्शन करने चाहिए। नहीं तो उन्हें फल नहीं मिलता।

कभी आपने सोचा, आखिर प्रसाद में क्यों नहीं चढ़ाया जाता पपीता

हिंदू धर्म में पूजा-अर्चना का बहुत महत्व है। हर व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत मान्यताओं के अनुसार पूजा-अर्चना करता है। इसमें विभिन्न देवताओं को फल और फूल चढ़ाना विशेष महत्व रखता है। ऐसा माना जाता है इस तरह के चढ़ावे से भगवान प्रसन्न होते हैं, और भक्तों की इच्छाएं पूरी होती हैं। फलों और फूलों की भेंट देवताओं को अधिक प्रसन्न करती है।

आमतौर पर प्रसाद के रूप में सेब, अंगूर, अनार और केले चढ़ाए जाते हैं। लेकिन क्या आपने ध्यान दिया पपीता और बड़हर प्रसाद देवी देवता को नहीं चढ़ाया जाता है। इसके पीछे आयुर्वेद में कई कारण बताए गए हैं। मुख्य कारण यह है कि अक्सर लोग जब प्रसाद ग्रहण करते हैं तो उस समय खाली पेट रहते हैं। खाली पेट बड़हर खाने से शरीर में एसिडिटी का स्तर बढ़ सकता है, जिससे गैस सहित कई तरह की बीमारियाँ हो सकती हैं। यही कारण है कि बड़हर और पपीता जैसे कुछ फलों को पूजा-पाठ में शामिल नहीं किया जाता है।

इसलिए पपीता और बड़हर वर्जित है

पपीता और बड़हर में ऐसे गुण होते हैं जो खाली पेट खाने से पाचन संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकते हैं। समग्र स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बढ़ावा देने के लिए अपने आहार विकल्पों के प्रति सचेत रहना महत्वपूर्ण है। पूजा पाठ में पपीता का भी उपयोग नहीं किया जाता है इसका मुख्य कार्य यह है कि खाली पेट पपीता खाने से शरीर के अंदर एंजाइम के पाचक रस काफी बढ़ जाते हैं। इससे शरीर में तरह-तरह की बीमारी का खतरा बन जाता है इसी वजह से पपीता और बड़हर का उपयोग पूजा पाठ में नहीं किया जाता है।

आयुर्वेदाचार्य ने बताया कि पूजा पाठ के दौरान प्रसाद के रूप में पपीता एवं बड़हर का उपयोग इसीलिए नहीं किया जाता है क्योंकि पपीता और बरहर खाली पेट खाना सेहत के लिए काफी हानिकारक माना जाता है। प्रसाद अक्सर लोग खाली पेट ही ग्रहण करते हैं। और खाली पेट पपीता का सेवन करने से शरीर के अंदर एंजाइम के पाचक रस काफी बढ़ जाते हैं। इससे पेट में दर्द सहित कई अन्य समस्या उत्पन्न हो जाती हैं। इसी प्रकार बड़हर भी खाली पेट खाने से ब्लड का पीएच वैल्यू बढ़ जाता है इससे शरीर के अंदर अम्लता अपने आप बढ़ जाती है जो कई तरह की बीमारी का कारण है।

महालक्ष्मी को नहीं करना चाहते नाराज तो भूलकर शाम को न करें ये काम

हिंदू धर्म में देवी-देवताओं को प्रसन्न करने के लिए विशेष नियम बताए गए हैं । इन नियमों का पालन करने से ना सिर्फ जीवन में सुख-समृद्धि आती है, बल्कि तन, मन और धन की सम्पन्नता भी बढ़ती है।

अगर हम इन नियमों का पालन करें तो जीवन के हर क्षेत्र में सफलता पा सकते हैं। अक्सर घर के बड़े बुजुर्ग भी हमें कुछ चीजों को लेकर सलाह देते रहते हैं। उनमें से एक है कि सायंकाल के समय कुछ ऐसे काम करने से बचना, जिनको करने से महालक्ष्मी नाराज हो सकती हैं। इन कामों को करने से धन और आयु में कमी आ सकती है। साथ ही घर में दरिद्रता आने का भी खतरा रहता है। आइए जानते हैं आखिर कौन से ऐसे कार्य हैं जिनको करने से हमें बचना चाहिए..

माता लक्ष्मी का इस समय होता है आगमन

शाम के समय ध्यान रखना चाहिए कि घर का मुख्य द्वार खुला हुआ हो। मुख्य द्वार को स्वच्छ रखें, पूजा स्थल पर सुगंधित धूप का प्रयोग करें। संध्या आरती प्रत्येक दिन निर्धारित समय पर करने का प्रयास करें। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि शाम के समय घर-घर मां लक्ष्मी का आगमन होता है। इसलिए शाम शुरू होने से पहले ही घर का दरवाजा खोल देना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि अगर घर का दरवाजा शाम के समय खुला हुआ नहीं होगा तो मां लक्ष्मी वापस चली जाती है। इसलिए इसका विशेष ध्यान रखें।

भूलकर अपने घर से शाम के समय घर से ना निकालें ये चीजें

शाम के समय कभी भी भूलकर अपने घर से कुछ चीजों को देने से बचना चाहिए। ध्यान रखें कि शाम के समय किसी को दूध, दही, हल्दी, लहसुन, प्याज और सुई नहीं देना चाहिए। शाम के समय ना तो किसी से इन चीजों को लेना चाहिए और ना ही देना चाहिए। बहुत से लोग इन चीजों को दान कर देते हैं, जो कि गलत है। शाम के समय इन चीजों का निकलना अशुभ माना जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से घर के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम कम होता जाता है। इससे घर में धन आभाव होने की भी संभावना होती है।

दशकों बाद सावन शिवरात्रि पर 'भद्रावास' योग का हो रहा है निर्माण, प्राप्त होगा दोगुना फल

सनातन धर्म में मासिक शिवरात्रि का विशेष महत्व है। यह पर्व हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा की जाती है। शिव पुराण में निहित है कि सावन माह में भगवान शिव ने मां पार्वती को पत्नी रूप में स्वीकार्य किया था। अत: सावन माह में भगवान शिव संग मां पार्वती की भक्ति भाव से पूजा की जाती है। धार्मिक मत है कि सावन महीने में भगवान शिव की पूजा करने से साधक को मनचाहा वर मिलता है। धार्मिक मत है कि सावन शिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा-उपासना करने से विवाहित स्त्रियों को अखंड सुहाग की प्राप्ति होती है। वहीं, अविवाहित जातकों की शीघ्र शादी के योग बनते हैं। इस शुभ तिथि पर भद्रावास योग का निर्माण हो रहा है। आइए, सावन शिवरात्रि की तिथि, शुभ मुहूर्त एवं योग जानते हैं

सावन शिवरात्रि शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 02 अगस्त को दोपहर 03 बजकर 26 मिनट पर शुरू होगी और इसके अगले दिन यानी 03 अगस्त को दोपहर 03 बजकर 50 मिनट पर समाप्त होगी। चतुर्दशी तिथि पर भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा निशा काल में होती है। इसके लिए 02 अगस्त को सावन शिवरात्रि मनाई जाएगी। इस दिन पूजा का समय देर रात 12 बजकर 12 मिनट से 12 बजकर 55 मिनट तक है। इस समय में साधक भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा कर सकते हैं।

भद्रावास योग

ज्योतिषियों की मानें तो सावन शिवरात्रि पर दुर्लभ भद्रावास योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण दोपहर 03 बजकर 26 मिनट से हो रहा है। वहीं, इस योग का समापन 03 अगस्त को देर रात 03 बजकर 35 मिनट पर होगा। इस दौरान भद्रा स्वर्ग में रहेंगी। भद्रा के स्वर्ग और पाताल में रहने से पृथ्वी पर रहने वाले समस्त जीवों का कल्याण होता है। इस समय में भगवान शिव की पूजा करने से साधक को अक्षय और दोगुना फल प्राप्त होता है।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 05 बजकर 58 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 07 बजकर 08 मिनट पर
चन्द्रोदय- सुबह 04 बजकर 36 मिनट पर (03 अगस्त)
चंद्रास्त- शाम 05 बजकर 52 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 31 मिनट से 05 बजकर 15 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 45 मिनट से 03 बजकर 37 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 07 बजकर 08 मिनट से 08 बजकर 13 मिनट तक
निशिता मुहूर्त - रात्रि 12 बजकर 12 मिनट से 12 बजकर 55 मिनट तक

घर में भूल से भी न लगाएं ये पौधे बढ़ने लगती है नेगेटिव एनर्जी

वैसे तो घर में पेड़-पौधे लगाना बहुत ही अच्छा माना जाता है। आजकर इनडोर प्लांट लगाने का भी चलन बढ़ा है। लेकिन वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसे पौधे भी बताए गए हैं, जिन्हें में लगाना बिल्कुल भी शुभ नहीं माना गया। इन पौधों को घर में लगाने से व्यक्ति की जीवन की समस्याएं बढ़ सकती हैं। क्योंकि ये पौधे नकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं, जिससे परिवार के सदस्यों की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है।

बढ़ सकती हैं परेशानी

आजकल घरों में कैक्टस लगाने का चलन बड़ा है। लेकिन वास्तु शास्त्र की मानें तो कांटेदार पौधों को कभी भी घर के अंदर नहीं लगना चाहिए। इसलिए गुलाब के पौधे को भी घर में लगाने से बचना चाहिए। इसी तरह बोनसाई के पौधे को भी घर के अंदर नहीं लगना चाहिए। वरना इससे घर के सदस्यों की तरक्की में रुकावट पैदा हो सकती है।

अशुभ हैं ये पौधे

वास्तु शास्त्र के अनुसार मेहंदी के पौधे को भी घर में नहीं लगाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इस पौधे में नकारात्मक शक्तियों का वास होता है। इसी प्रकार इमली का पेड़ भी घर में लगाना अशुभ माना जाता है।

इस बात करके ध्यान

घर में पौधों लगाते समय इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें कि पौधे सूखने नहीं चाहिए।

अगर कोई पौधा सूख गया है, तो उसे तुरंत हटा देना चाहिए, वरना इससे घर में नकारात्कता फैलने लगती है। साथ ही ऐसे पौधे भी घर में न लगाएं, जिनसे दूध निकलता हो। ऐसे पौधों को अशुभ माना जाता है।

माथे में तिलक के साथ क्यों लगाते हैं चावल?

क्या सच में भाग्य से है कनेक्शन?

अक्सर लोग तिलक लगाने के साथ-साथ चावल भी माथे पर सटाते हैं। इसके पीछे गहरी धार्मिक मान्यता भी है। तिलक और चावल का कॉन्बिनेशन व्यक्ति के जीवन में सौभाग्य लाता है, इसलिए तिलक करते समय माथे पर चावल जरूर लगाना चाहिए।

झारखंड की राजधानी रांची के ज्योतिष आचार्य संतोष कुमार चौबे(रांची यूनिवर्सिटी से ज्योतिष शास्त्र में गोल्ड मेडलिस्ट) ने लोकल 18 को बताया कि दरअसल, तिलक चाहे सिंदूर का हो या रोड़ी हो, यह मंगल को दर्शाता है और मंगल को बलि करता है। वहीं चावल लक्ष्मी जी का कारक होता है, वह लक्ष्मी जी को बलि करता है।

सौभाग्य का निर्माण

दरअसल, जब इन दोनों चीजों को साथ में लगाया जाता है तो मंगल और लक्ष्मी जी की युति होती है और यह दोनों युति सौभाग्य का निर्माण करती हैं। यही कारण है कि दोनों को हमेशा साथ में लगाया जाता है। ऐसे व्यक्ति के जीवन में कभी भी दरिद्रता या फिर दुर्भाग्य जैसी चीजें नहीं होती। ऐसा व्यक्ति हमेशा आनंद में रहता है।

उन्होंने आगे बताया कि मंगल से व्यक्ति बहुत निडर होता है। उसमें एक लीडरशिप की क्वालिटी भी होती है। वह कभी भी पीछे नहीं रहता। बल्कि, हर काम को अच्छे से ईमानदारी से और बखूबी करता है। यही कारण है उसे सफलता मिलती है और लक्ष्मी जी धन का आगमन करती हैं। इसलिए इन दोनों को साथ लगाने से व्यक्ति की जिंदगी काफी खुशहाल रहती है।

झपकी से बढ़ती है याददाश्त

दिन में थोड़ी सी झपकी लेने से याददाश्त बढ़ती है। इस अध्ययन के लिए दो समूहों में लोगों को बांटकर कुछ को सार्थक और कुछ को निरर्थक शब्द याद करने के लिए कहा। इसके बाद एक समूह को कुछ देर झपकी लेने कहा जबकि दूसरे समूह को टीवी पर अपनी पसंद का कार्यक्रम देखने के लिए कहा। जिस वर्ग ने झपकी ली थी, वह कठिन शब्दों को याद रखने में कामयाब रहा, जबकि दूसरा वर्ग कम शब्दों को याद रख पाया।

शराब छोड़ना चाहते हैं, तो धूम्रपान को कहें ना!

यदि आप शराब छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, तो सिगरेट छोड़ने पर ध्यान दीजिए, यह आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होगा।धूम्रपान करने वालों द्वारा धूम्रपान न करने वालों की तुलना में शराब का सेवन दोबारा शुरू करने का जोखिम अधिक होता है। धूम्रपान छोड़ने वाले किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होता है। शराब की आदत से छुटकारा पाने वाले वयस्क व्यक्ति का सिगरेट की लत से छुटकारा पाना अधिक महत्वपूर्ण है।

रीढ़ की हड्डी की चोट से मस्तिष्क को खतरा

रीढ़ की हड्डी में आई चोट प्रगतिशील मस्तिष्क को विकृत कर सकती है। यह बात एक नई रिसर्च में सामने आई है। एससीआई संज्ञात्मक समस्याओं और अवसाद के साथ व्यापक और निरंतर मस्तिष्क में सूजन पैदा कर सकतीं हैं, जिससे तंत्रिका कोशिकाओं की प्रगति बाधित होती है। पृथक एससीआई से प्रमुख मस्तिष्क क्षेत्रों में मस्तिष्क कोशिकाओं की प्रगति में नुकसान हो सकता है।

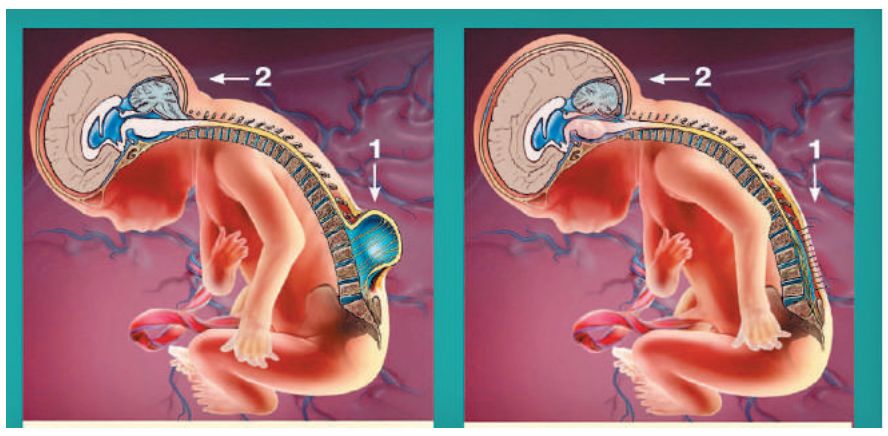

जन्मदोष बीमारी है स्पाइना बिफिडा

स्पाइना बिफिडा जन्मदोष है जो तंत्रीकीय नाल की विकृति है। इसमें रीढ़ की हड्डी या मेरु रज्जु में एक दरार युक्त घेरा बना होता है। स्पाइना बिफिडा भ्रूण न्यूरल ट्यूब के अधूरे समापन के कारण होता है। स्पाइना बिफिडा शब्द लैटिन शब्द स्पाइना से बना है जिसका मतलब स्पाइन या रीढ़ होता है। इसी तरह बिफिडा का मतलब दरार होता है। इस लेख में हम लोग स्पाइना बिफिडा के कारण, लक्षण और इसके उपचार के बारे में जानेंगे।

क्या है स्पाइना बिफिडा?

गर्भाधारण के पहले महीने में भ्रूण प्राथमिक ऊतक में बदलना शुरू होता है जिसे न्यूरल ट्यूब कहते हैं। फिर इसमें नर्व, ऊतक और हड्डियां बनने लगती हैं जो नर्वस सिस्टम और स्पाइन में बदलती है। यहीं से स्पाइना बिफिडा की समस्या शुरू होती है अगर ट्यूब अधूरा बंद होता है जिससे स्पाइन में किसी तरह की दरार बन जाती है।

स्पाइना बिफिडा से जुड़े तथ्य

- स्पाइना बिफिडा स्पाइनल कॉलम से जुड़ा जन्मदोष है। माइलोमेनिंगोसील एक गंभीर तरह का स्पाइना बिफिडा है।
- 1,000 में से एक बच्चा माइलोमेनिंगोसील स्पाइना बिफिडा के साथ पैदा होता है।
- स्पाइना बिफाडा में, स्पाइनल कॉलम संक्रमत होने के लिए काफी असंवेदनशील माना जाता है क्योंकि ये खुला होता है।
- मरीज बहुत ही ज्यादा सेरेब्रोस्पाइनल फ्लुइड पैदा करते हैं जिससे हाइसिफेलस बन जाता है।
- हाइसिफेलस से ये और भी अधिक खतरनाक हो जाता है।
- स्पाइना बिफिडा के सही कारण का अब तक पता नहीं चला है।
- डायबिटिज से पीड़ित महिलाओं को स्पाइना बिफिडा ग्रस्त बच्चे पैदा होने के ज्यादा चांस होते हैं।
- इसमें दरार वाली जगह के नीचे की पेशियां कमजोर हो जाती हैं या उसके नीचे के हिस्से में लकवा मार जाता है। कई मामलों में मल-मूत्र विसर्जन पर नियंत्रण नहीं रह जाता।

तीन तरह का है स्पाइना बिफिडा

स्पाइना बिफिडा ओक्युल्टा- रीढ़ की हड्डियों को नुकसान पहुंचा बिना उसमें एक छेद होता है।

मेनिंगोसील- रीढ़ की हड्डी में एक छेद होता है जिससे मेरुरज्जु की सुरक्षा कवच में दबाव के कारण वो थैली के रूप में बाहर बनकर आ जाती है। इसे मेनिंगोसील कहते हैं। इसमें मेरुरज्जु सुरिक्षत रहती है और नर्वस सिस्टम को मामूली क्षति पहुंचाकर या बिना कोई क्षति पहुंचाए इसकी मरम्मत की जा सकती है।

माइलोमेनिंगोसील- यह गंभीर तरह का स्पाइना बिफिडा है। इसमें मेरुरज्जु का एक हिस्सा पीठ की तरफ़ से बाहर निकल कर आ जाता है। कुछ मामलों में ये स्पाइना बिफिडा पुटिका त्वचा से ढंकी रहती है, तो कुछ में ऊतक और तंत्रिकाएं अनावृत हो जाती हैं।

लक्षण

- स्पाइना बिफिडा के लक्षण इसकी गंभीरता पर निर्भर करते हैं।
- स्पाइना बिफिडा ओक्युल्टा में किसी भी तरह के लक्षण देखने को नहीं मिलते।
- कई मामलों में हल्का सा दोष मेरुरज्जु में देखने को मिलता है जैसे बालों का उगना, डिम्पल या उस स्थान पर हल्का सा फैट जमना।

क्या हैं उपचार

- स्पाइना बिफिडा से पीड़ित बच्चा किसी भी परिवार में पैदा हो सकता है।
- गर्भावस्था में औरतों को चीजों का सेवन सोच-समझकर करना चाहिए। चीजें गर्भ को काफी प्रभावित करती हैं।
- गर्भावस्था के पहले और शुरुआती समय में फ़ॉलिक एसिड के सेवन करने से गर्भास्थ शिशु के स्पाइना बिफ़िडा और दूसरे तंत्रिका नाल विकारों से ग्रस्त होने की संभावना कम होती है।

आखिर क्यों होता है हाथी पांव ?

दुनिया में अजीब-अजीब तरह की बीमारियां है जिसके बारे में सोच कर ही इंसान की रुहें कांप जाती हैं। ऐसे में सोचा जा सकता है कि जब ये किसी को हो तो उसकी क्या हालत होगी? इन्हीं अजीब बीमारियों की गिनती में सबसे पहले फाइलेरिया की गिनती होती है जिसे आम भाषा में हाथी का पांव भी कहा जाता है। दरअसल इसमें इंसान के शरीर का कोई भाग हाथी या हाथी के पांव की तरह मोटा होने लगता है। इस लेख में इस बीमारी के बारे में विस्तार से जानें।

क्या है फाइलेरिया या हाथी पांव

फाइलेरिया या फाइलेरियासिस परजीवी के कारण होने वाला रोग है। ये परजीवी धागे के समान दिखता है जिसे फाइलेरिओडी (Filarioidea) कहते हैं। यह एक तरह का संक्रामक उष्णकटिबन्धीय रोग है मतलब ये गर्म प्रदेशों में अधिक होता है। इसलिए यह बीमारी पूर्वी भारत, मालाबार और महाराष्ट्र के पूर्वी इलाकों में बहुत अधिक फैली हुई है।

क्यूलैक्स मच्छर इसका कारक

- सामान्य तौर पर क्यूलैक्स मच्छर को इस बीमारी का कारक माना जाता है।
- यह कृमिवाली बीमारी है जिसमें कृमि शरीर के लसिका तंत्र की नलियों में होते हैं और इन नलियों को बंद कर देते हैं।
- इसके संक्रमण से लसीका अपना कार्य करना बंद कर देते हैं।
- ये कृमि बहुत छोटे आकार के होते हैं जो क्यूलैक्स मच्छर के काटने से शरीर में प्रवेश करते हैं।
- यह व्यस्क कृमि में लाखों की संख्या में छोटी-छोटी कृमि पैदा करने की क्षमता होती है।
- बीमार इंसान से मच्छर खून चूसकर इस कृमि को दूसरे स्वस्थ मनुष्य तक पहुंचाते हैं।

इस बीमारी होने का पूरा चक्र

क्यूलैक्स मच्छर मलखाने, नालियों और गड्ढों के गंदे पानी में पनपते हैं। इस मच्छर को इसके पीठ के कूबड़ और इसकी विशेष गूंज द्वारा इसे पहचाना जा सकता है। पानी में टेढ़े होकर इस मच्छर के लार्वे तैरते हैं। जब क्यूलैक्स मच्छर किसी इंसान को काटता है तो फाइलेरिया के छोटे कृमि उस इंसान के अंदर पहुँच जाते हैं। इंसान की लसिका तंत्र में ये छोटे कृमि कुछ ही दिनों में बड़े होकर पुरुष और मादा जीवों में बदल जाते हैं और लसिका नलियों को संक्रमित कर देते हैं जिससे लसिका तंत्र बंद हो जाता है। शरीर के अंदर एक वयस्क कृमि लसिका वाहिकाओं में समागम करके खूब सारे सूक्ष्म फाइलेरिया बनाता है। ये सूक्ष्म फाइलेरिया का जीवन 2 से 3 साल तक होता है और वयस्क कृमि लगभग बारह साल तक इंसान के शरीर में रहते हैं।

ये सूक्ष्म फाइलेरिया शरीर के अंदर खून में घूमते हैं। ये कृमि विशेष तौर पर रात में खून में घूमते हैं। क्यूलैक्स मच्छर जब अस्वस्थ इंसान का खून चूसता है तो वह उसके दूषित खून के द्वारा इन सूक्ष्म फाइलेरिया को अपने अंदर ले लेता है। ये सूक्ष्म फाइलेरिया 10 से 15 दिनों के अंदर संक्रमण पैदा करने वाले लार्वा के रुप में विकसित होते हैं। जिसके बाद ये मच्छर बीमारी पैदा कर पाने में समर्थ हो जाते हैं और दूसरे स्वस्थ वाला होता है। इस तरह यह चक्र चलता रहता है।

फाइलेरिया के लिए घरेलू उपाय

फाइलेरिया के घरेलू उपचार के लिए काले अखरोट का तेल रामबाण है। फाइलेरिया ग्रस्त इंसान को गर्म पानी में काले अखरोट के तेल की तीन से चार बूंद डालकर पीना चाहिए। इस मिश्रण को दिन में सुबह-शाम दो बार पिएं। अखरोट के अंदर मौजूद गुण फाइलेरिया के कृमि को मारने में सक्षम हैं। जल्दी से जल्दी राहत पाने के लिए छह हफ्तों तक ये मिश्रण पिएं।

लक्षण

फाइलेरिया रोग में इंसान के शरीर का कोई भाग बहुत अधिक फूलने लगता है। अकसर ये हाथ या पैरो में ही होता है लेकिन कई बार ये स्तनों और गुदा के हिस्से में भी होता है। इसके लक्षण निम्न हैं-

- शरीर के संक्रमित होने के कुछ सालों बाद इसके लक्षण दिखते हैं।
- इसमें गुप्तांग एवं जांघों के बीच गिल्टी हो जाती है जो बहुत अधिक फूल जाती है और इसमें काफी दर्द रहता है।
- एक या दोनों हाथ व पैरों में बहुत अधिक सूजन होना। लेकिन ये अधिकतर पैरों में ही होता है जिस कारण इसे हाथी पांव कहते है।
- गले में बहुत अधिक सूजन आ जाती है।
- पैरों व हाथों की लसिका वाहिकाएं लाल हो जाती हैं जिससे पैरों में लाल धारियां पड़ जाती है।
- पुरूषों के अंडकोष संक्रमित होकर फूल जाते हैं।
- शरीर में कंपकपी आना और बुखार होना।

हाथी पांव का इलाज

- इस बीमारी का इलाज इसके प्रारंभिक चरण में ही शुरू कर देना चाहिए।
- फाइलेरिया फैले हुए क्षेत्र में जाने से बचें। अगर उस क्षेत्र में आप रहते हैं तो मच्छरों से दूर रहने के पूरे उपाय करें और शरीर को ढकने वाले पूरे कपड़े पहनें।
- अपने क्षेत्र में मच्छरों को मारने के लिए छिड़काव करें।
- क्यूलैक्स मच्छर सुबह और शाम को काटता है इसलिए सुबह और शाम को विशेष तौर पर मच्छरों से बचकर रहें।
- फाइलेरिया की गोली लें।

पार्टी के बाद होने वाले हैंगओवर से बचने में मदद करेंगे ये कारगर नुस्खे

नए साल का जश्न हो और ड्रिंक की बात न हो तो पार्टी फीकी मानी जाती है। लेकिन पार्टी के चक्कर में लोग कई बार इतनी ज्यादा ड्रिंक कर लेते हैं, जिससे नए साल का बाकी बचा दिन ज्यादातर सोते और रोते बीतता है। तो इसे हैपनिंग बनाने के लिए जरूरी है नशे के खुमार को उतारना, जानेंगे कैसे।

केला

बहुत ज्यादा हैंगओवर हो रखा है तो एक साथ दो से तीन केले खाएं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम जहां ब्लड वेसेल्स को रिलैक्स करता है वहीं पोटैशियम इलेक्ट्रोलाइट को बैलेंस करता है। जो हैंगओवर से छुटकारा दिलाने में फायदेमंद होते हैं।

आलू

हैंगओवर होने पर आलुओं को बिना छिले इस्तेमाल करें। पोटैशियम की मात्रा लिए हुए आलू हैंगओवर उतारने का कारगर फॉमूर्ला होता है। इसे हल्का फ्रॉय करके खाना टेस्टी होने के साथ ही हेल्दी भी होता है।

दही

किसी भी ऐसे फूड जिसमें कैल्शियम की मात्रा अच्छी होती है वो सिर के दर्द को दूर करने में बहुत ही असरदार होता है। दही में बहुत सारा कैल्शियम होता है जिसे खाकर हैंगओवर से निपटा जा सकता है।

ऑयली फूड्स

पार्टी के बाद होने वाले हैंगओवर से बचने के लिए पार्टी में जाने से पहले ऑयली फूड्स खाना फायदेमंद रहेगा। ऑयली

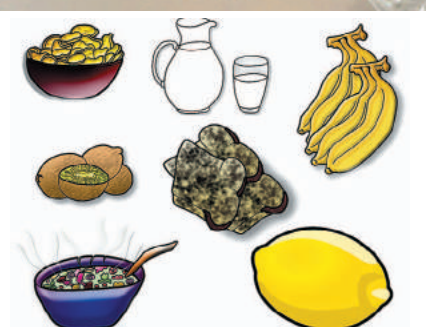

फूड खाने से बॉडी एल्कोहल को एब्जॉर्ब नहीं कर पाती।

कॉफी

हैंगओवर के कारण हो रहे सिरदर्द को कॉफी पीकर काफी हद तक दूर किया जा सकता है। लेकिन दूध वाली कॉफी के बजाय ब्लैक कॉफी पिएं। इसमें मौजूद कैफीन जल्द असर करता है।

नारियल पानी

हैंगओवर दूर करने के लिए नारियल पानी पीना फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद मिनरल्स पेट साफ करने का काम करते हैं। बहुत ज्यादा हैंगओवर होने पर जितनी बार हो सके इसे पिएं।

पानी

पानी बॉडी के टॉक्सीफिकेशन के लिए सबसे जरूरी और आसानी से अवेलेबल होने वाली चीज है। ज्यादा एल्कोहल पीने से बॉडी में पानी की कमी हो जाती है। इससे बचने के लिए ड्रिंक के साथ भी और ड्रिंक के बाद भी ज्यादा से ज्यादा मात्रा में पानी पिएं।

नींबू,चीनी,नमक

चीनी और नमक का घोल हैंगओवर दूर करने का सबसे कारगर फॉमूर्ला माना गया है। एल्कोहल के कारण बॉडी में कम हुई पानी की मात्रा को इसे पीकर दूर किया जा सकता है।

शहद

हैंगओवर दूर करने के लिए शहद पीना भी अच्छा ऑप्शन है। इसमें मौजूद फ्रक्टोज बॉडी के लिए अच्छा होता है। चाहे तो शहद को सीधे खा भी सकते हैं या पानी में मिलाकर पिया भी जा सकता है।

फ्रूट जूस

घरेलू नुस्खे के तौर पर फ्रूट जूस पिएं क्योंकि ये विटामिन्स और फाइबर से भरपूर होते हैं। काले नमक और नींबू की थोड़ी ज्यादा मात्रा जूस में मिलाकर पिएं। काला नमक और फ्रूट में मौजूद फाइबर बॉडी के सारे टॉक्सिक को बाहर निकाल देता है जिससे हैंगओवर से राहत मिलती है।

अदरक

अदरक के छोटे-छोटे टुकड़े कर इसे पानी के साथ उबालें। इसमें अजवायन और नींबू का रस डाल सकते हैं। थोड़ा उबालने के बाद इसे छानकर इसका पानी पीने से भी हैंगओवर दूर होता है।

रेसिपी

चाइनीज फ्राइड राइस

सामग्री

1 कप बासमती चावल, 1 कप बंद गोभी, 1/2 कप गाजर, 1/4 कप फ्रेंच बिन्स, 1/2 कप पनीर, 1/4 कप शिमला मिर्च, 2 टेबल स्पून हरा धनिया, 2 -4 टेबल स्पून तेल, 2 हरी मिर्च, नमक स्वादानुसार, 1 इंच अदरक, 1 छोटा चम्मच ग्रीन चिली सॉस, 2 छोटा चम्मच सोया सॉस, 2 छोटा चम्मच सिरका

विधि

सबसे पहले पैन में तेल डाल कर गरम लीजिए। तेल के हल्का गरम होने पर पनीर के टुकड़े पैन में सिकने के लिए डाल दीजिए और हल्के ब्राऊन होने तक सेक कर निकाल लीजिए। तेल में गाजर, बीन्स, शिमला मिर्च, पत्ता गोभी डालकर 1-2 मिनट तेज आंच पर फ्राई कर लीजिए। अब इसमें हरी मिर्च, अदरक, ग्रीन चिल्ली सॉस, सोया सॉस, सिरका, पनीर के टुकड़े डालकर अच्छी तरह मिला दीजिए। नमक और चावल डालकर सभी चीजों को 2 मिनट लगातार चलाते हुए अच्छे से मिलाते हुए पका लें। चावलों के सब्जियों में अच्छे से मिल हो जाने पर थोड़ा सा हरा धनिया डालकर मिलाए। चाईनीज फ्राइड राइस बनकर तैयार हैं। चाईनीज फ्राइड राइस को प्लेट में निकाल कर हर धनिये से गार्निश कीजिए और परोसिए।

भाखरी पिज़्ज़ा

सामग्री

1/2 कप बाजरे का आटा, 1/2 कप ज्वार आटा, 2 स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार, **पिज़्ज़ा सॉस:** 3/4 कप हल्के उबले टमाटर , 1 स्पून जैतून तेल, 1 स्पून लहसुन, 1/4 कप प्याज, 2 स्पून प्याज़ पत्ते, 1 स्पून शक्कर,1 स्पून टमॅटो कैचप, 1 स्पून ऑरेगानो, 1 स्पून लाल मिर्च के फ्लैक्स, नमक स्वादअनुसार, **अन्य सामग्री:** 1/2 कप कसा हुआ चीज

विधि

आटे के लिए: सभी सामग्री को एक बाउल मे मिलाकर, ज़रुरत हो उतने पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें और 10 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। **पिज़्ज़ा सॉस के लिए:** एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन डालकर मध्यम आंच पर 30 सेकेन्ड तक भून लें। प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर और 1-2 मिनट के लिए या उनके पार्दशी होने तक भून लें। हरी प्याज के पत्ते डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर और 30 सेकन्ड तक भून लें। हल्के उबले हुए टमाटर डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट तक पका लें। शक्कर और टमॅटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर और 1 से 2 मिनट तक पका लें। ऑरेगानो, चिली फ्लैक्स् और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर और 1 मिनट तक पका लें। आंच से हठाकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** आटे को 6 भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को अपनी हथेली के बीच दबाते हुए, गोल आकार में फैला लें एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक भाखरी के दोनो तरफ गुलाबी दाग पड़ने तक पका लें। सूती कपड़े का प्रयोग कर, भाखरी को धीमी आंच पर दबाते हुए, उनके दोनो तरफ से करारा और सुनहरा होने तक पकाते रहें। तवे पर रखकर ही, उपर 2 टेबल-स्पून पिज्जा सॉस डालकर 1 टेबल-स्पून चीज छिड़के। ढककन से ढककर 2 मिनट तक पका ले। तुरंत परोसें।

ऊर्जा उत्पादन में राजस्थान बनेगा सरप्लस स्टेट : भजनलाल

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में सिरमौर बनाने तथा पेयजल और सिंचाई के लिए बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है तथा वह इस संकल्प को साकार करने की दिशा में सभी आवश्यक वित्तीय संसाधन सुनिश्चित करेगी और ऊर्जा उत्पादन में राजस्थान सरप्लस स्टेट बनेगा।

श्री शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर जैसलमेर सौर ऊर्जा संयत्र के वर्चुअल उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हाउसिंग एंड अरबन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हुडको) एवं राज्य सरकार के बीच आज हुआ एमओयू विकसित राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में अग्रणी कंपनी रिन्यू द्वारा आज जैसलमेर में 400 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र से अक्षय ऊर्जा का उत्पादन प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शेष 200 मेगावाट का उत्पादन अक्टूबर तक प्रारंभ

हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि इससे राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि होगी। नवीकरणीय क्षमता जुड़ने से बिजली की लागत कम हो जाएगी जिसके परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं के लिए टैरिफ कम होगा और सरकार को बचत भी होगी। इस संयंत्र द्वारा राजस्थान डिस्कॉम को बेहद सस्ती दरों पर विद्युत आपूर्ति हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली और पानी की निर्बाध आपूर्ति के क्रम में महत्वपूर्ण प्रगति अर्जित की है। प्रदेश में 28 हजार 500 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा एवं 3325 मेगावाट की थर्मल परियोजनाओं के लिए एक लाख 50 हजार करोड़ रूपये के निवेश हेतु एमओयू हो चुके हैं। प्रसारण तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश पर हस्ताक्षर भी हुए। राजस्थान ऊर्जा विकास निगम एवं एसजेवीएन के मध्य 600 मेगावाट सौर ऊर्जा परचेज एग्रीमेंट हस्ताक्षरित हो चुका है।

उन्होंने बताया कि आठ हजार मेगावाट सौर एवं तीन हजार 200 मेगावाट कोल आधारित परियोजनाओं के लिए टैरिफ आधारित निविदा प्रक्रिया प्रारम्भ की जा चुकी है। इन परियोजनाओं की स्थापना से 64 हजार करोड़ रूपये का निवेश होगा। हुडको ने राज्य सरकार के साथ एक लाख करोड़ रुपए का एमओयू किया गया, जिसके तहत आगामी पांच वर्षों तक पानी, सिंचाई और बिजली जैसी बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं के लिए राज्य सरकार को प्रति वर्ष 20 हजार करोड़ रुपए का ऋण उपलब्ध कराया जायेगा। बुधवार को जल जीवन मिशन के लिए हुडको द्वारा आरडब्ल्यूए-सएससी को 1577 करोड़ रुपए का चेक सौंपा गया। इस अवसर पर राज्य सरकार एवं हाउसिंग एंड अरबन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हुडको) के मध्य महत्त्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर भी किए गए।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी ने कहा कि श्री शर्मा के मार्गदर्शन में प्रदेश विकसित राजस्थान के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री की कार्यशैली से प्रेरित होकर हम सब कार्य कर रहे हंष और प्रत्येक क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि जल जीवन मिशन में युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है जिससे आगामी समय में प्रदेश में पेयजल की समस्या का समाधान हो पाएगा। ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के दौरान विद्युत कुप्रबंधन के कारण राज्य में विद्युत आपूर्ति एवं उत्पादन अव्यवस्थित हो गया था लेकिन हमारी सरकार द्वारा ऊर्जा उत्पादन पर ठोस कार्य-योजना बनाकर कार्य किया जा रहा है और किसान, उद्योग एवं घरेलू उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज छात्र शिक्षा क्षेत्र में चमकेंगे और नवीन तरीकों से समस्याओं को सुलझाने की अपनी विशेष प्रतिभा के लिए पहचान हासिल करेंगे.व्यवसाय क्षेत्र में, आप प्रशंसा प्राप्त करेंगे और अच्छा उत्थान या पदोन्नति भी प्राप्त कर सकते हैं. आपकी लोकप्रियता बहुत बढ़ जाएगी. आपकी आमदनी बढ़ेगी जबकि आपके खर्च घटेंगे. बचत आपके आत्मविश्वास-स्तर को बढ़ावा देगी. आपका पारिवारिक जीवन आरामदायक और सुखद रहेगा. आपका जीवनसाथी के साथ तालमेल बहतर रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज रुके हुए काम जल्दी पूरे हो सकते हैं. जो काम आप काफी समय से करने की सोच रहे हैं, वो कर लेंगे. किसी बोझ या अनचाहे साथी से भी आपको छुटकारा मिल सकता है।
अचानक इनकम बढ़ेगी. किसी उलझी हुई स्थिति को सुलझाने में आप सफलरहेंगे. अपने प्रेमीजनों की जरूरतों और उनकी बातों को समझने की कोशिश करें. परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज व्यवसाय के सिलसिले में विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है. परिवार में आपके गुणों की प्रशंसा होगी, जिससे आपका मन खुश रहेगा. नयी तकनीक को अपनाने से आपके काम में वृद्धि होगी. आप अपनी कोई बात दोस्तों से शेयर कर सकते हैं. शनिवार का दिन खुद में बदलाव लाने के लिये अच्छा है. आपको आगे बढ़ने के लिए नई योजनाएँ बनानी पड़ सकती है. ब्राह्मण को मिष्ठान भोग अर्पित करें कार्य सिद्धि होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ऑफिस में उच्च पदाधिकारियों द्वारा काम की सराहना होगी और वे आपके प्रेरणा स्रोत बनेंगे. आपकी शोहरत बढ़ेगी और आप आसानी से दूसरे लिंग के लोगों को अपनी तरफ़ आकर्षित करेंगे. नशीले पदार्थों का सेवन ना करें. आपको इससे काफी नुकसान हो सकता है. साथ ही देर रात में वाहन ना चलाएं. दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी. आपको अपने पार्टनर के प्रति वफादार रहने की जरूरत है.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन आपके लिए कुछ परेशानी वाला हो सकता है.नौकरी पेशा जातकों के लिए के लिए यह समय मुश्किल भरा हो सकता है . आर्थिक पक्ष में गिरावट संभव है . आपके जीवनसाथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उन्हें चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत हो सकती है.
सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है. प्रेम संबंधन को बहुत ही सावधानी और समझदारी से निभाने की जरुरत होगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

परेशान लोगों को कुछ राहत मिल सकती है. धन की बचत करने में सफल रहेंगे. अपनी कोशिशों के दम पर सही समय पर सही जगह आप मौजूद रहेंगे और इससे आपके रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं. घर-परिवार या पड़ोस में कोई कठिन परिस्थिति बने तो सकारात्मक रहें.दाम्पत्य जीवन में सुख मिलेगा. शादी लायक लोगों को आज ऑफर मिल सकते हैं. लोग आपकी सलाह मानेंगे. आज आप थोड़ा संतुलित व्यवहार रखें.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए अग्रसर रहेंगे. ऑफिस में आप किसी तरह की राजनीति में उलझ सकते हैं. इससे आपका कुछ समय खराब हो सकता है. घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे आपका मन खुश रहेगा. ऑफिस में काम की अधिकता थोड़ी ज्यादा हो सकती है. आज आप दोस्तों के साथ समय बितायेंगे. उनके साथ किसी नए विषय पर बातचीत कर सकते हैं। देवमंदिर मे दीपक प्रज्वलित करें , आपका दिन बेहतर गुजरेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन शुरू किया गया निर्माण का कार्य संतोषजनक रूप से पूरा होगा. आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है. आप अपने परिजनों से मिलने जाएंगे. यह मुलाकात काफी लंबे समय बाद हो रही है. इससे आप बहुत ही खुश होंगे. आकस्मिक यात्रा हो सकती है. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा.पारिवारिक यात्रा का माहौल बनेगा, अपनी सामर्थ्य अनुसार गौसेवा करें मानसिक शान्ति मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

छात्रों को सामान्य से अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, फिर भी वे अपने निरंतर प्रयासों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं. आपको अध्ययन के प्रति अपने दृष्टिकोण में अधिक ध्यान केंद्रित होना होगा. यदि आप नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं, तो आपके रास्ते में बहुत सारे अवसर हो सकते हैं और यहां तक कि चुनने के लिए विकल्प भी हो सकते हैं. महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए दूसरों पर निर्भर रहना आपको परेशानी में डाल सकता है. परिवार की महिला सदस्य को स्वास्थ्य तकलीफ दे सकता हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

घर पर ज्यादा समय देना पड़ेगा. आपको जरूरत पड़ने पर परिवार के लिए कुछ त्याग भी करना पड़ सकता है. प्रेम संबंधों के लिए अच्छा समय है. दिन भी अच्छा रहेगा. सुख मिलेगा. सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. सेहत अच्छी रहेगी. कोई ऐसी बात आपके सामने आ सकतीहै जिससे आपको भविष्य में होने वाले फायदे का संकेत मिल सकता है. किसी भी मामले को गंभीर होकर निपटा लें. कोई टेंशन भी जल्दी खत्म हो सकती है. मन में उत्साह रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

करियर के मामले में आपको बड़ी सफलता मिलेगी. कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे. आप ऐसे लोगों के साथ जुड़ेंगे, जो आपकी हर तरह से मदद के लिये तैयार रहेंगे. आपके सगे-संबंधी आर्थिक रूप से आपकी मदद के लिए तैयार रहेंगे. बिजनेसमैन को बेहतर अपॉर्चुनिटिज़ मिलेगी. आपके परिवार में ख़ुशी का माहौल रहेगा. साथ ही घर के सदस्यों का सहयोग मिलेगा. आपका कोई जरुरी काम पूरा होगा. देवी मंत्र का स्मरण जप पाठ करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका या परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है. यात्रा आपके लिए आनन्द दायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी. पारिवारिक जीवन में अब तक का सबसे सुनहरा पल देखने को मिलेगा. किसी भी प्रकार के अनैतिक कार्यों से दूर रहने की गणेशजी सलाह देते हैं. ध्यान और आध्यात्मिकता मन को शांति प्रदान करेंगे. मेहनत करें भाग्य बदल जाएगा. समय रहते कार्य पूरा करें।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 25 जुलाई 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 02:00 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद सायं 04:17 तक
योग : शोभन प्रात: 07:47 तक
करण : कौलव दोपहर 03:20 तक
चन्द्रराशि : कुंभ प्रात: 10:45 तक
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है , नागपंचमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सरिस्का के पास आवंटित भूमि में नेताओं के नाम होने का जिक्र करने पर विस में हंगामा

जयपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में बुधवार को अलवर के सरिस्का अभयारण्य क्षेत्र के आस पास भूमि आवंटन की सूची में नेताओं के नाम होने का जिक्र एवं कांग्रेस नेता का नाम लेने पर सदन में जोरदार हंगामा हुआ।प्रश्नकाल में विधायक शत्रुघन गौतम ने सरिका अभयारण्य क्षेत्र के आस पास भूमि आवंटन का प्रश्न किया और इस पर राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने जवाब दिया लेकिन श्री गौतम ने अपने पूरक प्रश्न में कांग्रेस नेता का नाम लेते हुए कहा कि यूआईटी अलवर की ओर से जारी अतिक्रमियों की सूची

में कांग्रेस नेताओं और उनके रिश्तेदारों के नाम हैं। इस पर प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली एवं विधायक गोविंद सिंह डोटासरा सहित विपक्ष के सभी विधायक खड़े हो गए और इसका विरोध करते हुए जोर जोर से बोलने लगे। जिससे सदन में शोर शराबा एवं हंगामा हुआ।इस पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने श्री गौतम से कहा कि वह किसी का नाम नहीं ले। श्री देवनानी ने कहा कि इस मामले में जो नेता का नाम लिया गया है उसे सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाये। इसके बाद उन्होंने अगला प्रश्न पुकार लिया और एक बार मामला शांत हो गया लेकिन इस बीच वन मंत्री संजय शर्मा खड़े होकर बोलने लगे। इस दौरान श्री शर्मा एवं श्री जूली के बीच नोंकझोंक हुई और विपक्ष के सदस्य फिर खड़े हो गए और इसके बाद सत्ता पक्ष के सदस्य भी खड़े हो गए। जिससे सदन में जोरदार हंगामा हुआ। इस पर श्री देवनानी ने श्री शर्मा को टोका और कहा कि मंत्री होते हुए भी इस तरह कर रहे हो। बाद में मामला शांत हो गया।

रॉकी की मौत के बाद नूरी ने किया क्षेत्र पर कब्जा

भरतपुर, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में सवाई माधोपुर जिले के विश्वविख्यात रणथम्भौर बाघ संरक्षित क्षेत्र में बाघ टी 58 रॉकी की मौत के बाद अब बाघिन टी 105 नूरी और बाघ टी 101 के शावक ने जोन नंबर आठ में अपना ठिकाना बनाकर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। वन विभाग के सूत्रों ने बुधवार को बताया कि हालांकि बाघ के ठिकाने के मुख्य जोन एक से पांच में फिलहाल तीन महीने के लिये पर्यटन गतिविधियों पर रोक है जिसके चलते पर्यटक अब रणथम्भौर के बाहरी जोन छह से 10 का रुख कर रहे हैं, यहां जोन नंबर आठ में नया बाघ पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।सूत्रों ने बताया कि यहां बाघ सांभर का शिकार एवं अन्य गतिविधियां करता दिखाई दे रहा है, जिसे देखकर यहां आने वाले पर्यटक खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं। पर्यटक बाघ की इन गतिविधियों को कैमरे में कैद भी कर रहे हैं।उल्लेखनीय है रणथम्भौर में सबसे बड़े ठिकाने के मालिक बाघ टी-58 रॉकी मेल की हाल ही में हुई मौत के बाद जोन नम्बर आठ में बाघ की कमी खल रही थी, लेकिन जोन नम्बर आठ को नया नर बाघ मिलने के बाद बाघ और बाघिन का जोड़ा बनने से बाघों के कुनबे में बढ़ोत्तरी की संभावना बढ़ गयी है।

लाखों रुपए की 668 ग्राम अफीम सहित दो युवक गिरफ्तार

सिरसा, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा जिला की एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ की पुलिस टीम ने दो युवकों को लाखों रुपए की 668 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया है।इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान पप्पू राम पुत्र बाबूराम व अशोक कुमार पुत्र भगतराम निवासियान हाणियां जिला जोधपुर राजस्थान के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ के इंचार्ज सब इंस्पेक्टर जगदीश राज के नेतृत्व में एक पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान शहर सिरसा की बिश्नोई मार्केट क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस पार्टी को सामने से दो नौजवान युवक पिट्ठू बैग लटकाए हुए आते दिखाई दिए। युक्त युवकों ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक वापस मुड़कर खिसकने का प्रयास किया तो पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर काबू कर राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में दोनों युवकों की तलाशी ली तो उनके कब्जा से 668 ग्राम अफीम बरामद हुई ।

नौसेना के युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्र में आग, झुंझुनू का जवान शहीद

झुंझुनू, 24 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्र में आग लगने से झुंझुनू के डांगर गांव निवासी 24 वर्षीय जवान सत्येंद्र सिंह सांखला शहीद हो गया। मुम्बई के नेवी डॉकयार्ड पर मेंटेनेंस के दौरान रविवार को युद्धपोत में आग लगी। इसके अगले दिन नेवी के अधिकारियों को दुर्घटना में सत्येंद्र के लापता होने की सूचना मिली। इस पर नेवी के गोताखोरों ने जवान सत्येंद्र की तलाश शुरू की। करीब 60 घंटे बाद बुधवार तड़के तीन बजे सत्येंद्र के शव को समुद्र से निकाला गया। जवान सत्येन्द्र का गुरुवार को पैतृक गांव डांगर में सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

जवान सत्येंद्र सिंह 2018 में नेवी में नाविक के पद पर भर्ती हुआ था। परिजन ने बताया कि सत्येंद्र सिंह करीब तीन महीने

पहले मार्च में परिवार में मौत होने के कारण गांव आकर गया था। वह काफी मिलनसार-व हंसमुख था। सत्येंद्र की शादी नहीं हुई थी। शहीद सत्येंद्र सिंह का परिवार डांगर-गिडानिया सीमा पर खेत में मकान बनाकर रहता है। उनके माता-पिता गांव में ही खेती-बाड़ी करते हैं। जवान का बड़ा भाई मनेंद्र सिंह जोधपुर में निजी स्कूल में शिक्षक है। वह प्रतियोगी परीक्षा की भी तैयारी कर रहा है। नेवी जवान सत्येन्द्र सिंह की पार्थिव देह गुरुवार सुबह करीब नौ बजे सडक़ मार्ग से पैतृक गांव डांगर पहुंचेंगी। शहीद सत्येंद्र सिंह के सम्मान में गुरुवार को तिरंगा रैली भी निकाली जाएगी। गांव में बुधवार को भाजपा जिला महामंत्री राजेश दहिया की देखरेख में शहीद के अंत्येष्टी स्थल पर भी जमीन के समतलीकरण व साफ-सफाई का कार्य किया गया। मुंबई में आईएनएस ब्रह्मपुत्र में मरम्मत कार्य किया जा रहा था। संभवतया वेल्डिंग के कारण जहाज में भीषण आग लग गई थी। इसके बाद जहाज एक तरफ झुक गया था। जहाज पर लगी आग को 16 घंटे बाद काबू पाया जा सका। हादसे के समय आईएनएस ब्रह्मपुत्र पर करीब 300 अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। हादसे में केवल सत्येंद्र सिंह सांखला के शहीद होने की सूचना है।

सैनी ने रोहतक जेल में एडवांस सिक्योरिटी सॉल्यूशन को दी मंजूरी

चंडीगढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बुधवार को रोहतक में 34.74 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन हाई सिक्योरिटी जेल में 'एडवांसड फिजिकल सिक्योरिटी सॉल्यूशन' स्थापित करने के लिये प्रशासनिक मंजूरी दी है।

एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रस्तावित सुरक्षा उपायों में अत्याधुनिक परिधि सुरक्षा प्रणालियां, उन्नत प्रवेश नियंत्रण तंत्र, व्यापक निगरानी प्रणालियां और कमांड एवं नियंत्रण केंद्र में एकीकृत अन्य उन्नत सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। इन संवर्द्धनों का उद्देश्य रोहतक उच्च सुरक्षा जेल में मजबूत और अभेद्य सुरक्षा वातावरण बनाना है। उन्होंने बताया कि यह निर्णय एक दिसंबर और 12 दिसंबर, 2023 को जेल विभाग और हरियाणा पुलिस आवास निगम के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में हुई सिफारिशों के बाद लिया गया है। इन बैठकों में जिला जेल नूंह की तरह नवीनतम एवं आधुनिक सुरक्षा तकनीकी उपकरणों को लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया गया था।

बंडारू दत्तात्रेय ने की देश के विकास में आयकर विभाग के योगदान की सराहना

चंडीगढ़, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बुधवार को देश के सर्वांगीण विकास में आयकर विभाग के योगदान की सराहना की। श्री दत्तात्रेय, आयकर विभाग, उत्तर पश्चिम क्षेत्र, चंडीगढ़ द्वारा सेक्टर 43 स्थित चंडीगढ़ न्यायिक अकादमी में आयोजित 165वें आयकर दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने आयकर दिवस के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने नागरिकों के बीच कर अनुपालन और जागरूकता के महत्व पर जोर दिया और इस बात पर प्रकाश डाला कि उत्तर पश्चिम क्षेत्र आयकर के माध्यम से राष्ट्रीय राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। सुश्री आम्रपाली दास, प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, उत्तर पश्चिम क्षेत्र, ने प्रत्यक्ष कर संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रकाश डाला और राष्ट्र निर्माण में आयकर की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने प्रत्यक्ष कर राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि का उल्लेख किया जो 1947-48 में 100 करोड़ से बढ़कर 2023-24 में 19 लाख करोड़ से अधिक हो गया। उन्होंने कर कानूनों को सरल बनाने, करदाता सेवाओं को बढ़ाने और कुशल कर संग्रह के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में आयकर विभाग के प्रयासों की प्रशंसा की।

मासूम से दुष्कर्म करने के दोषी को 20 साल की कैद

गुड़गांव, 24 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के गुड़गांव के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अश्विनी कुमार मेहता की अदालत ने बुधवार को मासूम के साथ दुष्कर्म करने के मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 साल की कैद के साथ 40 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

अदालत ने पीड़िता को जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के कोष से पांच लाख रुपए मुआवजा राशि दिलाने के आदेश भी दिए हैं। इस मामले की निशुल्क पैरवी कर रहे सामाजिक संस्था फरिश्ते ग्रुप के निदेशक अधिवक्ता पंकज वर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार आईएमटी मानेसर क्षेत्र में 24 मार्च 2021 को आठ वर्षीया मासूम के साथ दुष्कर्म की घटना होने का मामला प्रकाश में

आया था। पीड़िता की मां ने पड़ोस में ही रहने वाले उत्तर प्रदेश मूल के आरोपी आदर्श पाण्डेय के खिलाफ आईएमटी मानेसर पुलिस थाना में पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया था कि वह बच्ची को बहला फुसलाकर ले गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पंकज वर्मा का कहना है कि जब इस मामले की जानकारी संस्था के सचिव वरिष्ठ अधिवक्ता डा. अंजूरावत नेगी व कुलभूषण भारद्वाज को मिली तो उन्होंने पीड़िता के परिजनों को आश्वस्त किया कि उनके इस मामले को वे अदालत में निशुल्क पैरवी करेंगे। आरोपी को अदालत में दोषी साबित कराने के लिए मामले की जांच अधिकारी पुलिस अधिकारी पूनम हुड्डा को काफी सहयोग दिया। मामला अदालत में चला। अभियोजन पक्ष ने अदालत में जो सबूत व गवाह पेश किए, उनसे आरोपी पर लगे आरोप साबित होना पाते हुए अदालत ने आरोपी को सजा सुनाई है। गौरतलब है कि संस्था इससे पूर्व भी महिलाओं पर एसिड अटैक व बालिकाओं के साथ हुए दुष्कर्म के मामलों की निशुल्क पैरवी कर आरोपियों को अदालत से सजा दिलवा चुकी है।

झुंझुनू में 53 लाख रुपये की चोरी का खुलासा

झुंझुनू, 24 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में झुंझुनु के सदर थाना क्षेत्र में पुलिस ने नयासर गांव में हुई 53 लाख रुपये की चोरी का खुलासा करते हुये दो महिलाओं सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया है जबकि एक नाबालिग को निरुद्ध किया है।आरोपियों के कब्जे से चोरी के 25.21 लाख रुपये नकद, 30 हजार की रुपये की कीमत का एक मोबाइल एवं घटना के दौरान काम में ली गयी कार भी बरामद की है।पुलिस अधीक्षक राजर्षि वर्मा ने बुधवार को बताया कि गत 29 जून को नयासर निवासी सुनिता कस्वां ने मामला दर्ज करवाया था कि जमीन बेचने से मिली रकम में से 53 लाख रुपये घर के कमरे में एक संदूक में रखे हुये थे। 28 जुलाई की रात्रि को सभी लोग पड़ोस में जन्मदिन पार्टी में गये थे। वापस आये तो कमरे के ताले टूटे हुये थे। संदूक में रखे 53 लाख रुपये गायब थे।श्री वर्मा ने बताया कि मामले की जांच के तहत विभिन्न पुलिस दलों का गठन किया गया। घटना स्थल के आसपास के करीब 150 सीसीटीवी कैमरों को खंगालने और करीब 25 लोगों से पूछताछ के बाद आरोपियों ही पहचान कर ली गयी।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बाहुबली कुंदन सिंह का रोसड़ा कोर्ट में सरेंडर

दोहरे हत्याकांड में एससी ने रद्द की थी जमानत, भेजे गए जेल

दरभंगा (एजेंसियां)।

समस्तीपुर के बाहुबली कुंदन सिंह ने रोसड़ा कोर्ट में सरेंडर कर दिया। बिथान थाना क्षेत्र में हुए दोहरे हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट ने पटना उच्च न्यायालय द्वारा जारी किए गए जमानत याचिका को पिछले दिनों रद्द कर दिया था। कुंदन सिंह द्वारा कोर्ट में सरेंडर किए जाने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया।

जानकारी के मुताबिक, कुंदन सिंह ने रोसड़ा व्यवहार न्यायालय के एडीजे प्रथम कोर्ट में सरेंडर कर किया है। गौरतलब है कि पैक्स अध्यक्ष वीरेंद्र यादव और उसके रिश्तेदार बिरजू यादव की गोली मारकर हत्या करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कुंदन सिंह की जमानत रद्द कर दी थी। पिछले

वर्ष नवंबर महीने में ही पटना उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए जमानत के आदेश को निरस्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में आरोपी कुंदन सिंह को चार सप्ताह के अंदर संबंधित न्यायालय के समक्ष सरेंडर करने को कहा था, लेकिन तब से वह फरार ही चल रहे थे। इसके बाद दोबारा पीड़ित परिवार सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था।

बाहुबली कुंदन सिंह हसनपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। पहली बार रोसड़ा नरसंहार कांड में इनका नाम आया था। तब रोसड़ा में एक साथ सात लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वर्ष 2016 में हुए बिथान के पैक्स अध्यक्ष सह राजद नेता वीरेंद्र यादव हत्याकांड मामले में कुंदन सिंह सजायाफ्ता हैं। उन्हें रोसड़ा एडीजे कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। वे उच्च न्यायालय से जमानत पर बाहर थे। उसके बाद बिथान निवासी ललित यादव ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की।

जानकारी के मुताबिक, एसएलपी क्रिमिनल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बीते छह नवंबर 23 को सुनाए फैसले में पटना उच्च न्यायालय द्वारा कुंदन सिंह को जमानत दिए जाने की प्रक्रिया को अनुचित ठहराते हुए जमानत को निरस्त कर दिया था। साथ ही आरोपी को चार सप्ताह के अंदर संबंधित न्यायालय के समक्ष सरेंडर करने को कहा था। वहीं, पटना उच्च न्यायालय ने भी क्रिमिनल अपील (डीबी) नंबर 293/2019 की सुनवाई करते हुए डीजीपी को 30 जुलाई तक का वक्त देते हुए कुंदन सिंह की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा था।

बिथान के पूर्व मुखिया अशोक यादव के भाई वीरेंद्र यादव और उसके रिश्तेदार बिरजू यादव की 10 मई 2016 को सिरसिया चौराहा के पास अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में मृतक के चचेरे भाई ललित यादव ने बिथान थाना में कांड सं 14/16 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने कुंदन सिंह समेत छह लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। यहां बता दें कि रोसड़ा अनुमंडल क्षेत्र में अशोक यादव और कुंदन सिंह के बीच वर्चस्व को लेकर अदावत रही है।

जदयू नेता को बेरहमी से पीटते दिखे चार आरोपी

सजा की जगह चारों को मिली अग्रिम जमानत

पटना (एजेंसियां)।

खगड़िया में मंगलवार रात से ही एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें जदयू नेता के साथ बुरी तरह मारपीट का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें चार आरोपी जदयू नेता को बेरहमी से पीटते दिख रहे हैं।कोई लाठी से पीट रहा तो कोई लात-घूसे बरसा रहा है। जब तक जदयू नेता बेसुध होकर जमीन पर नहीं गिर गए, तब तक यह लोग इनकी पिटाई करते रहे। घटना बीते 21 जुलाई 2024 की बताई जा रही है। 21 जुलाई को ही जदयू नेता संदीप केडिया ने नगर थाना में एक एफआईआर दर्ज करवाया है। जिसमे सोनू अग्रवाल, राजेश यादव, पुरुषोत्तम यादव सहित अन्य को आरोपी बनाया गया है। बता दें कि इस मामले में खगड़िया व्यवहार न्यायालय के मुख्य न्यायिक

दंडाधिकारी द्वारा मंगलवार को चार आरोपियों को अग्रिम जमानत दी गई है। वहीं इस बावत डीएसपी सह नगर थाना अध्यक्ष ने बताया कि पुलिस ने घटना की जांच तत्परता से की थी। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही थी।

जदयू नेता संदीप केडिया का आरोप है कि नगर थाना पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया था। जिसका परिणाम है कि तमाम सबूत रहने के बावजूद मंगलवार को न्यायालय में चार आरोपियों को अग्रिम जमानत मिल गई। जदयू नेता ने कहा कि घटना के दिन पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी दिया था। जिसे पुलिस के द्वारा जब्त भी किया गया। बावजूद इसके न्यायालय में मेरे ऊपर जानलेवा हमला करने वालों को अग्रिम जमानत मिल गई। यह समझ से पड़े है। जदयू नेता ने बताया कि उनको न्यायालय पर पूर्ण भरोसा है। वह यह लड़ाई आगे भी जारी रखेंगे।

घटना खगड़िया शहर के होटल यशराज के पास विश्वनाथगंज में हुई थी। बता दें कि जदयू नेता संदीप केडिया और डीजल यादव के पुत्र राजेश यादव, पुरुषोत्तम यादव सभी पड़ोसी हैं। जो इस मामले में मुख्य आरोपी हैं। इन दोनो के बीच पहले से मुकदमा होता रहा है। हालांकि इसबार सीसीटीवी वीडियो वायरल होने के बाद मामला काफी संगीन हो चुका है।

युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज, जवान का सिर फटा

विधायक बोले- हमें प्रदर्शन का हक है

पटना (एजेंसियां)।

पटना में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया। वह विधानसभा की ओर बढ़ रहे थे लेकिन बोरिंग रोड चौराहा पर सभी को रोक लिया गया।

पटना पुलिस ने बोरिंग रोड चौराहा पर बैरिकैडिंग कर दिया। इसके बाद युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश करने लगे। पटना पुलिस ने पहले समझाने की कोशिश की पर कार्यकर्ता नहीं माने। इसके बाद पुलिस वाटर कैनन का प्रयोग किया। इसके बावजूद भी कार्यक्रताओं आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इससे अफरातफरी मच गई। कांग्रेस

कार्यकर्ता भागने लगे।

पुलिस का आरोप है कि कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं ने हिंसक प्रदर्शन किया है। इसमें बिहार पुलिस के एक जवान का सिर फट गया। विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। इधर, इस घटना के विरोध में कांग्रेस विधायक इजहारूल हुसैन ने कहा कि हमलोग बिहार में बढते अपराध समेत कई मुद्दों को लेकर आज विधानसभा मार्च के लिए निकले थे। लेकिन, नीतीश सरकार की दमनकारी नीतियों के कारण हमलोगों को बोरिंग रोड चौराहे पर रोक लिया गया। हमलोग कुछ समझ पाते तब तक हमलोगों पर लाठीचार्ज कर दिया गया। पुलिसकर्मियों ने कार्यकर्ताओं को दौड़ा-दौड़ा पीटा है। इसमें दर्जनों कार्यकर्ता घायल हो गए।

गया के शेरघाटी कोर्ट में फायरिंग

हत्याकांड के आरोपी सहित एक पुलिसकर्मी को लगी गोली

पटना (एजेंसियां)।

शेरघाटी कोर्ट में गोलीबारी हुई है। अपराधियों ने लोक जनशक्ति पार्टी (पारस गुट) के नेता अनवर अली खान हत्याकांड के मुख्य आरोपी फोटो खान को गोली मार दी। इतना ही नहीं पुलिसकर्मी ने अपराधियों को पकड़ने की कोशिश की तो एक पुलिसकर्मी को भी अपराधियों ने गोली मार दी। पुलिसकर्मी के हाथ में गोली लगी है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और घायलों पुलिसकर्मी और हत्यारोपी को अस्पताल में भर्ती करवाया।

पुलिस के अनुसार, अनवर अली खान हत्याकांड के मुख्य आरोपी फोटो खान की आज कोर्ट में पेशी होनी थी। इसी दौरान पूर्व

से घात लगाए अपराधियों ने गोलीबारी कर दी। इसमें फोटो खान और एक पुलिस जवान घायल हो गए।

दोनों का इलाज चल रहा है। अपराधियों की तलाश में छापेमारी चल रही है। दो लोगों को हिरासत में लेकर पुछताछ कर रही है।

इधर, कोर्ट परिसर में फायरिंग करने वाले अपराधियों की संख्या करीब पांच बतायी जा रही है। हथियारबंद अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग करते हुए कोर्ट रूम से बाहर निकल रहे हत्याकांड के आरोपी गोली मारकर जख्मी कर दिया उसके साथ रहे सिपाही केदार भगत को भी दाएं हाथ में गोली लग गई।

फायरिंग करते हुए बदमाश पैदल ही कोर्ट कैंपस से बाहर भाग निकले। कुछ दूरी तक लोगों ने बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन बदमाश लोगों की पकड़ से दूर हो गए।

घटना को लेकर प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बुधवार को दोपहर जेल से नेता अनवर खान हत्याकांड के मुख्य आरोपी फोटो खान को कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था।

पेशी के बाद कोर्ट रूम से बाहर निकलकर जा रहा था। इसी दौरान पूर्व से घात लगाए अपराधी गोलीबारी करने लगे। इसमें फोटो खान और सिपाही केदार भगत के दाएं हाथ में गोली लगी। फायरिंग देख सुरक्षा कर्मियों ने किसी तरह जान बचाकर फोटो खान को बचाया। वारदात के बाद अपराधी फायरिंग करते हुए मेन गेट से अलग-अलग दिशा में भागने लगे। सुरक्षा कर्मियों और लोगों ने अपराधियों का पीछा किया। अचानक आधा दर्जन से अधिक हुई फायरिंग के बाद कोर्ट कैंपस में भगदड़ गच गई। लोग इधर-उधर भाग लगे। कोर्ट कैंपस में तैनात सुरक्षा सुरक्षाकर्मी और लोगों ने मेन गेट तक अपराधियों का पीछा भी किया। लेकिन, अपराधी हथियार लहराते हुए तेजी से पैदल अलग-अलग दिशा में भाग निकले। बता दें कि लोजपा पशुपति पारस पार्टी के नेता अनवर अली खान की हत्या पिछले 27 सितंबर को गोली मारकर हत्या हुई थी। फोटो खान इस मामले में मुख्य आरोपी बनाया गया था।

बिहार पुलिस दरोगा सहित तीन पुलिसकर्मी निलंबित

घर में कारतूस रख बरामदगी दिखाने का खेल पकड़ाया

गया (एजेंसियां)।

गया जिले के बेलागंज थाना में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी अमित कुमार, अजित कुमार और रीना कुमारी को कर्तव्यहीनता और लापरवाही के आरोप में वरीय पुलिस अधीक्षक आशीष भारती ने निलंबित कर दिया है। साथ ही उन तीन पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण की मांग भी की गई है।

इस संबंध में एसएसपी का कहना है कि बेलागंज थाना क्षेत्र के चांदी वाजितपुर के मोहम्मद सद्दाम के द्वारा सहायक अवर निरीक्षक अमित कुमार को सूचना दी गई कि चंदौती गांव में एक व्यक्ति अवैध हथियार रखे हुए है। प्राप्त सूचना की जानकारी जिले के वरीय पुलिस अधीक्षक को दी गई। इसके बाद सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए उन्हें दारोगा अजीत कुमार सिन्हा एवं महिला पुलिस पदाधिकारी रीना कुमारी के साथ छापेमारी के लिए भेजा गया। उनलोगों ने छापेमारी के दौरान बरामद सामग्री के बारे में स-समय जानकारी नहीं दी गई तथा काफी विलंब से विधि-सम्मत कार्रवाई प्रारंभ की गई।

लापरवाही बरतने के मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी आशीष भारती ने प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष बेलागंज को प्रतिवेदन समर्पित करने के लिए निर्देशित किया। प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष बेलागंज के प्रतिवेदन से यह पाया गया कि बेलागंज थाना अंतर्गत चंदौती गांव में छापेमारी करने गए पुलिस अवर निरीक्षक अमित कुमार, अजीत कुमार सिन्हा एवं रीना कुमारी के द्वारा छापेमारी के दौरान बरामद सामग्री के बारे में स-समय सूचना नहीं दी गई तथा काफी विलंब से विधि-सम्मत कार्रवाई प्रारंभ की गई। यह इनके कर्तव्य के प्रति लापरवाही को दर्शाता है। इसके बाद एसएसपी ने उक्त सभी पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही

विभागीय कार्रवाई के विरुद्ध स्पष्टीकरण की मांग भी की। उनका कहना है कि बरामद सामग्री के संबंध में बेलागंज थाना कांड संख्या 437/24 दिनांक-20 जुलाई को धारा-25(1-बी)ए/26/35 आर्म्स एक्ट दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया और अनुसंधान के क्रम में इस घटना में सूचना देने वाले व्यक्ति की भूमिका प्रकाश में आई। तत्पश्चात अप्राथमिकी अभियुक्त (सूचक) बेलागंज थाना क्षेत्र के चांदी वाजिपुर निवासी रफिद आलम के पुत्र मो0 सद्दाम को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा दिया।

19 जुलाई की रात्रि बेलागंज थाना के चुनौती गांव के रहने वाले साहिर आलम के घर पुलिस ने छापेमारी की। छापेमारी में एसआई अमित कुमार समेत और तीन पुलिसकर्मी शामिल थे। इस दौरान पुलिस को घर के अंदर से 20 जिंदा कारतूस बरामद हुआ। छापेमारी के क्रम में पुलिस और पीड़ित परिवार के बीच कहासुनी हुई। उक्त घटना के बाद पीड़ित परिवार गया के सीनियर एसपी आशीष भारती से मिलकर न्याय की गुहार लगाई। पीड़ित परिवार में एसपी को बताया कि छापेमारी के दौरान पुलिस के साथ सद्दाम नाम का एक व्यक्ति भी आया था। सद्दाम जमीन के नाम पर100000 एडवांस लिया था। लेकिन जब छानबीन की गई तो यह पाया गया कि वह जमीन सद्दाम की नहीं थी। जब सद्दाम से पैसे मांगा तो वह पुलिस से फंसाने की धमकी देकर चला गया।पीड़ित परिवार ने आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस ने पहले घर में पहले कारतूस रखवाया और फिर उसे फंसा दिया।वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए सीनियर एसपी ने सहायक पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अनवर अहमद और डीएसपी विधि व्यवस्था खुर्शीद आलम को जांच का निर्देश दिया है। जांच में तीनों सहायक अवर निरीक्षक दोषी पाए गए।अब उनपर कार्रवाई हुई है।

नीतीश ने राजद नेता रेखा देवी से कहा-

महिला हो कुछ जानती नहीं हो, चुप रहो

पटना (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा में जदयू प्रमुख सह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं को लेकर विवादित बयान दिया है। नीतीश कुमार बिहार विधानसभा में बोल रहे थे, जहां उन्होंने यह आरोप लगाया कि आरजेडी ने 2005 के बाद महिला को आगे नहीं बढ़ाया। इस बीच आरजेडी विधायक रेखा देवी ने अपनी प्रतिक्रिया देनी चाही। इसी दौरान नीतीश कुमार ने उनसे कहा कि अरे महिला हो, कुछ जानती नहीं हो। हम कह रहे हैं चुपचाप सुनों। वहीं, रेखा देवी ने इसे गलत बयान बताया है।

दरअसल, बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बजट पर वक्तव्य दे रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर बैठकर पूरी बात सुन लीजिएगा, तब आपको ठीक लगेगा। इसी दौरान वे भड़क कर बोले ऐ सुनिए। अरे हमको सबको बुलाए हैं, मेरी इच्छा थी न। सारी पार्टियों को आप लोग भी साथ थे, ये भी। हम सबको बुलाकर करके बैठक किए थे और बातचीत करके हमने पूरा सर्वे करवाया। फिर जाति जनगणना करवाई और एक-एक चीज के बारे में जानकारी मिली।

सीएम नीतीश ने कहा कि सुनिए अरे भाई! आप सुनिए न। आप लोग तो ऐसे ही बोलते रहते हैं और ये सब भूल जाते हैं कि

हमने इनको कितना ज्यादा किस तरह से आप लोगों को भी कह के करवाया था। यह मेरी इच्छा थी और सब लोग राजी हुए थे। सुनिए! चुप रहिए। अगर बैठकर सुनते तब पता चलता कि सचमुच आप कुछ चाहते हैं। अरे आप सुनिए न। आप सुन क्यों नहीं रहे हैं। आप जानते हैं कि ये काम हम लोगों ने करवाया। आप लोगों के साथ इन सब लोगों ने सपोर्ट किया। जब आप लोगों द्वारा सपोर्ट किया गया पूरी सर्व सम्मति से...।

इसी बीच मुख्यमंत्री नीतीश तेज आवाज में राजद विधायक रेखा देवी से बोले कि अरे महिला हो, कुछ जानती नहीं हो। अरे बोल रही है कि कहां से आते। इन लोगों के साथ जो है... ये लोग कोई (राजद) महिला को आगे बढ़ाया था। अरे हम 2005 के बाद न कोई महिला को आगे बढ़ाए हैं। बोल रही हो फालतू। इसीलिए हम कह रहे हैं कि चुप-चाप सुनों। अरे ऐसे ही बोल रहे... अरे क्या हुआ, सुनोगे नहीं। हम तो सुनाएंगे और अगर आप नहीं सुनिएगा तो आपकी गलती है। तो आप समझ लीजिए कि हम यह चाह रहे थे कि ये लोग समझते। और एक-एक चीज को हम लोगों ने लागू कर दिया। जो भी तय कर दिया था पिछड़ों का जितना ज्यादा जो आया वो इसीलिए जो भी होता था 50% उसमें पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित-महादलित... और इस सब की जो संख्या बढ़ी तो हम लोगों ने पचास की जगह 75 प्रतिशत किया।

इसके साथ ही जदयू नेता ललन सिंह ने राबड़ी देवी पर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बजट जैसी चीज राबड़ी देवी की समझ से बाहर है। उन्हें साइन करना आता नहीं, बजट पर क्या बोलेंगी। बता दें कि ललन सिंह मुंगेर के सांसद व केंद्रीय मंत्री हैं।

बेगूसराय में गंगा का जलस्तर बढ़ने से दहशत में लोग, फसलें जलमग्न

ग्रामीण दूसरी जगह जाने को मजबूर

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बिहार के कई जिलों में बाढ़ का खतरा लगातार देखने को मिल रहा है। इस बाढ़ के कारण लोग लगातार त्राहिमाम हो रहे हैं। इसी कड़ी में बेगूसराय में भी लगातार गंगा का जलस्तर बढ़ने के बाद बाढ़ का खतरा लोगों के बीच मंडराने लगा है। वहीं, गंगा का जलस्तर बढ़ने के बाद लोग सुरक्षित जगह जाने को मजबूर हैं। गंगा का जलस्तर बढ़ने के बाद फसलें भी पूरी तरह से डूब चुकी हैं। ऐसे में किसानों के बीच काफी दयनीय स्थिति हो गई है।

जानकारी के मुताबिक, बेगूसराय के मटिहानी प्रखंड के सिहमा गंगा घाट का जलस्तर काफी बढ़ने लगा है। इसकी तस्वीरें भी सामने आई हैं। तस्वीरों के मुताबिक, गंगा के जलस्तर में

पानी की बढ़ोतरी होने के बाद लोग परेशान हो रहे हैं। गंगा का जलस्तर बढ़ने के बाद लोग काफी डरने लगे हैं।

वहीं, लोगों ने बताया कि पिछले कई दिनों से गंगा का जलस्तर अचानक बढ़ गया है, जिससे जो लोग बांध के नीचे रह रहे थे। वे अब दूसरी जगह जाने को मजबूर हैं। लोगों ने बताया कि सिहमा गंगा घाट खतरनाक गंगा घाट है। इस गंगा घाट पर कई बच्चों की डूबने से मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि गंगा का जलस्तर बढ़ने के बाद फसल जो लगी, वह फसल भी क्षतिग्रस्त हो गई है।

उन्होंने कहा कि अगर इस तरह से लगातार गंगा का जलस्तर बढ़ेगा तो गांव में कभी भी पानी प्रवेश कर जाएगा। ऐसे में लोगों ने बताया कि खेत में लगी फसल भी पूरी तरह से गंगा के पानी में समा चुकी है। यह बाढ़ हर साल आती है और तबाही मचा कर चली जाती है। इस बाढ़ को लेकर लोगों के बीच एक बार फिर दहशत का माहौल बना हुआ है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com